@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 20 मई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 189 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नूंह से एक और पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार, फोन में मिले गद्दारी के सबूत

नूंह, 19 मई। हरियाणा पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों ने नूंह जिले में पाकिस्तानी जासूसी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तावडू उपमंडल के गांव कांगरका से तारीफ पुत्र हनीफ को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी दो दिन पहले राजाका गांव से अरमान की जासूसी के आरोप में हुई गिरफ्तारी के बाद हुई है। तारीफ पर आरोप है कि वह व्हाट्सएप के जरिए भारतीय सैन्य गतिविधियों से जुड़ी गोपनीय जानकारी दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्च आयोग में तैनात दो कर्मचारियों को उपलब्ध करा रहा था। मामले में नूह पुलिस ने भारतीय दंड संहिता, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट, 1923 और देशद्रोह की धाराओं के तहत आरोपी मोहम्मद तारीफ निवासी कांगरका थाना सदर तावडू पाकिस्तान उच्च आयोग में तैनात पाकिस्तानी नागरिक आसिफ बलोच और जाफर के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। हरियाणा पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना मिली कि तारीफ निवासी लंबे समय से भारतीय सेना और डिफेंस तैयारियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी दुश्मन देश पाकिस्तान में भेज रहा है। जो लोगों को पाकिस्तान जाने के लिए वीजा लगवाने के लिए बोलता था। जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ और उसके मोबाइल को जब्त कर जांच करने पर संदिग्ध चैटिंग मिल सकती है। इसी सूचना के आधार पर चंडीगढ़ विशेष पुलिस बल और केंद्रीय जांच एजेंसी ने तावडू सीआईए और सदर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में उसे गांव बावला राधा स्वामी सत्संग के समीप से रविवार देर शाम हिरासत में लिया गया। हिरासत में लेने से पहले पुलिस टीम को सामने देख तारीफ ने अपने मोबाइल में कुछ चैटिंग को डिलीट करने का भी प्रयास किया था। जांच में सामने आया कि उसके मोबाइल में पाकिस्तानी व्हाट्सएप नंबर से थे कुछ डाटा भी डिलीट पाया गया। उसके मोबाइल फोन की जांच में पाकिस्तानी नंबरों से चैट, फोटो, वीडियो और सैन्य गतिविधियों की तस्वीरें मिलीं, जो उसने पाकिस्तान के किसी नंबर पर भेजी थी। वह दो अलग अलग सिम कार्ड के जरिए पाकिस्तानी नंबरों से लगातार संपर्क में था। पूछताछ करने पर खुलासा हुआ कि पाकिस्तान उच्चायोग दिल्ली में स्थित कर्मचारी आसिफ बलोच को भारत देश की सैन्य गतिविधियां और खुफिया सूचनाओं को भेजता था।

परमाणु ऊर्जा कानूनों में बदलाव पर विचार कर रही सरकार: प्रधानमंत्री मोदी

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 19 मई। सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े कानूनों में बदलाव पर विचार कर रही है, ताकि इस क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी संभव हो सके। भारत ने 2047 तक 100 गीगावाट (जीवी) परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि परमाणु ऊर्जा अधिनियम में बदलाव किए जा सकते हैं, जिससे निजी कंपनियां भी इसमें शामिल हो सकें। सूत्रों ने बताया, परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में भी बदलाव पर विचार किया जा रहा है, ताकि परमाणु संयंत्र के लिए उपकरणों की आपूर्ति करने वालों पर ज्यादा जिम्मेदारी न आए। सरकार नियामक ढांचे में भी बदलाव पर विचार कर रही है और यह देख रही है कि कैसे भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इनस्पेस) जैसे मॉडल को अपनाया जा सकता है। 2020 में निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोलने के बाद से इनस्पेस उसका प्रमोटर और रेगुलेटर रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने की घोषणा की है।

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) देशभर में परमाणु बिजलीघर चला रही है, जो अभी बिजली उत्पादन में 8.7 गीगावाट का योगदान देती है। सीतारमण ने यह भी बताया कि 20 हजार करोड़ रुपये के बजट के साथ परमाणु उर्जा मिशन शुरू किया गया है। इसका मकसद छोटे परमाणु रिएक्टर (एसएमआर) पर अनुसंधान करना और उन्हें बनाना है, जिनमें से 5 रिएक्टर 2033 तक शुरू किए जाने का लक्ष्य है। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) ने बताया है कि यह मिशन निजी कंपनियों को शामिल करेगा, नियमों को आसान बनाएगा और परमाणु बिजली उत्पादन को बढ़ाएगा ताकि देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतें पूरी की जा सकें। विदेशी कंपनियां भी भारत में परमाणु संयंत्र बनाने में रुचि दिखा चुकी हैं, खासकर 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु सौदे के बाद, जब भारत को परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) से वैश्विक परमाणु व्यापार की अनुमति मिली लेकिन 2010 का परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम निजी कंपनियों के लिए बाधा बन गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंकाई तमिल शरणार्थी की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 19 मई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक श्रीलंकाई नागरिक द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जिसमें उसने अपनी सजा पूरी होने के बाद देश से निर्वासन को चुनौती दी थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है, जहां दुनिया भर के शरणार्थियों को शरण दी जा सके। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि क्या भारत दुनिया भर के शरणार्थियों को शरण देने के लिए है? हम पहले से ही 140 करोड़ की आबादी से जूझ रहे हैं। यह कोई धर्मशाला नहीं है जहां हम हर जगह से आए विदेशी नागरिकों को जगह दें। सुप्रीम कोर्ट मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया था कि श्रीलंकाई तमिल नागरिक को यूएपीए मामले में सात की सजा पूरी होते ही भारत छोड़ देना चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ को बताया कि श्रीलंकाई तमिल युवक वीजा पर यहां आया था। उसे अपने देश में जान का खतरा है। वह बिना किसी निर्वासन प्रक्रिया के तीन साल से हिरासत में है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता से वकील से पूछा कि यहां बसने का आपका क्या अधिकार है? तो वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता एक शरणार्थी और उसके पत्नी-बच्चे भारत में बस गए हैं। इस पर जस्टिस दत्ता ने कहा कि अनुच्छेद 21 का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। उसकी स्वतंत्रता छीनी गई थी। लेकिन अनुच्छेद 19 के अनुसार भारत में बसने का मौलिक अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को है। जब वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता को अपने देश में जान का खतरा है तो न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि किसी अन्य देश चले जाएं।

शिफ्ट नहीं होंगे प्रमुख विभाग, कर्मी स्वेच्छा से छोड़ेंगे शिमला : मुख्यमंत्री सुक्खू

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

शिमला, 19 मई। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि विभागों के कार्यालय और अन्य प्रमुख दफ्तर शिमला में ही रहेंगे। शिमला में प्रमुख विभाग और कार्यालय जहां हैं, उन्हें शिफ्ट करने का कोई विचार नहीं है। न ही सरकारी कर्मचारियों को शिफ्ट किया जाएगा। उनके स्थान पर दूसरे कर्मचारियों की नियुक्ति होगी। नए-नए आयोग जैसे जीएसटी कमीशन, रेरा या अन्य आयोग बनाए जा रहे हैं, उन्हें यहां से शिफ्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिमला में भीड़भाड़ को कम करना है। मुख्यमंत्री की गाड़ी ने ही जाना है तो लंबी लाइन लग जाती है या यातायात जाम हो जाता है। अब शिमला के सर्कुलर रोड को चौड़ा करने के लिए आदेश तो दिए हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री

सुक्खू ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार एक हजार करोड़ रुपये के भवन बनाकर चली गई। यह भवन खाली पड़े हैं। जब सड़क मार्ग से वापस आ रहा था तो भराड़ीघाट के पास पर्यटन विभाग का कार्यालय है, वहां ट्रक खड़े हैं और जगह खाली पड़ी हुई है। ऐसी सब जगहें जो खाली पड़ी हैं, जिनमें करोड़ों रुपये खर्च कर दिए गए हैं। धर्मशाला और मंडी में ऐसी जगहें होंगी तो वहां के लिए शिफ्ट किया जाएगा। जो पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहां की ट्रैफिक की समस्या बहुत बड़ी है। सुबह के समय चार किलोमीटर के सफर को तय करना है तो एक घंटा लग जाता है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि जिनके लिए जगह उपलब्ध है, उन्हें शिफ्ट करने के बारे में विचार कर रही है। जैसे कि वन विभाग का वाइल्ड लाइफ का कार्यालय शिफ्ट किया गया है, क्योंकि सबसे बड़ा पौंग डैम का रामसर क्षेत्र में है।

अब तो वो भाजपा के साथी हैं, जाति जनगणना उन्हें क्या समझ में आएगी ?

गया, 19 मई। गुरुआ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनय कुमार के पिता स्वर्गीय उमेश कुमार वर्मा की प्रतिमा का अनावरण बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और राजद समर्थक उपस्थित रहे। प्रतिमा अनावरण के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि स्व. उमेश वर्मा समाजवादी विचारधारा के मजबूत स्तंभ थे और जनता के बीच उनकी गहरी पकड़ थी। कार्यक्रम के बाद जब पत्रकारों ने तेजस्वी यादव से बिहार सरकार में मंत्री संतोष सिंह के हालिया बयान पर सवाल किया, तो उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि अब तो वो भाजपा के साथी हैं। जाति जनगणना उन्हें क्या समझ में आएगी ?

रबड़ स्टांप को प्रदेश अध्यक्ष बनाया तो पार्टी हित में नहीं: विक्रमादित्य सिंह

शिमला, 19 मई। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस में प्रदेशाध्यक्ष को हटाए जाने की चर्चा के बीच लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि रबड़ स्टांप को प्रदेश कांग्रेस की कमान सौंपी जाएगी तो यह पार्टी के हित में नहीं होगा। वर्तमान अध्यक्ष को ही पद पर रखना है या नया अध्यक्ष बनाना है, यह हाईकमान का विशेषाधिकार है। केंद्रीय नेतृत्व को इस पर जल्दी फैसला लेना चाहिए कि किसे रखना है या कब नया अध्यक्ष बनाना है। सोमवार को विक्रमादित्य सिंह ने पत्रकार वार्ता में शिमला में कहा कि हिमाचल प्रदेश का मजबूत नेतृत्व उस कद्दावर नेता के हाथ में होना चाहिए, जिनका कम से कम तीन जिलों में अपना प्रभाव हो। दमदार नेता के हाथ में ही कांग्रेस की कमान होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने का श्रेय सभी कांग्रेस नेताओं को जाता है। प्रदेश में लंबे समय से प्रदेश कार्यकारिणी का गठन नहीं हुआ है। यह मामला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने हाईकमान के समक्ष उठाया है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू भी इस मामले को हाईकमान के पास उठा चुके हैं। हाईकमान को स्थिति स्पष्ट कर देनी चाहिए कि वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह को ही अध्यक्ष पद पर बरकरार रखना है या फिर कोई और निर्णय लेना है। जब प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति हुई थी तो प्रतिभा सिंह ने कभी नहीं कहा कि उन्हें यह जिम्मेदारी दी जाए। उस समय प्रदेश प्रभारी राजीव शुल्क ने उनका प्रस्ताव रखा। उस समय मुकेश अग्निहोत्री नेता प्रतिपक्ष थे, कैंपेन कमेटी के अध्यक्ष सुक्खू थे। उन्होंने भी पैरवी की थी।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा फिल्म नीति के तहत 6 फिल्म निर्माताओं को प्रदान की प्रोत्साहन राशि

कौमी पत्रिका
संजय अरोड़ा

चंडीगढ़, 19 मई। हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश में फिल्म निर्माण को प्रोत्साहन देने और राज्य की समृद्ध लोक संस्कृति को संरक्षित करने के उद्देश्य से लागू की गई हरियाणा फिल्म नीति के तहत आज मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने 6 फिल्मों के निर्माताओं को प्रोत्साहन राशि जारी की। मुख्यमंत्री ने आज यहां आयोजित प्रोत्साहन राशि वितरण समारोह में गवर्निंग काउंसिल द्वारा चयनित फिल्मों को 2-2 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इनमें %छलांग%, %तेरा क्या होगा लवली%, %तेरी मेरी गल बन गई% और %फुफड़ जी% फिल्म शामिल हैं। इसके अलावा, %दादा लखमी चंद% को 1 करोड़ रुपये और %1600 मीटर% को 50 लाख 70 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। प्रसिद्ध अभिनेत्री श्रीमती मीता वशिष्ठ, अभिनेता श्री यशपाल शर्मा, सरदार एमी विर्क, नुसरत भरूचा, प्रीति सपरू, सुमित्रा हुड्डा और ऊषा शर्मा सहित अनेक कलाकार और फिल्म निर्माता व फिल्म जगत से जुड़े लोगों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में काफी फिल्में बनीं हैं और उनको लोगों ने सराहा भी है। इसलिए हमने पहली बार एक स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ फिल्म नीति लागू की है। सरकार का उद्देश्य है कि हरियाणा की

समृद्ध लोक संस्कृति को संरक्षित किया जाए और फिल्म निर्माण के माध्यम से इसे प्रोत्साहन दिया जाए। इस नीति में %सिंगल विंडो% शूटिंग अनुमति एवं सब्सिडी प्रोत्साहन से हरियाणा अन्य क्षेत्रों की तरह सिनेमा के क्षेत्र में भी अपनी विशेष पहचान बना रहा है। न केवल यहां के युवाओं की सृजनात्मक शक्ति का सही उपयोग होगा बल्कि आज अनेक फिल्म निर्माता अपने कारोबार के लिए हरियाणा का रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास हरियाणा को भारत का अगला फिल्म हब बनाना है। उन्होंने फिल्म निर्माताओं से आग्रह किया कि हरियाणा को फिल्म निर्माण का हब बनाने में सहयोग करें, हरियाणा सरकार हर कदम पर आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिनेमा युवा पीढ़ी को सबसे अधिक प्रभावित करने वाला माध्यम है। इसलिए अच्छा सिनेमा युवाओं तक पहुंचाना जरूरी है। सिनेमा समाज को नहीं बदल सकता, लेकिन अच्छा सिनेमा लोगों को बदल सकता है और वे लोग समाज को बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि फिल्मों में इस प्रकार के कैरेक्टर होने चाहिए, जिससे युवा प्रेरणा ले सके। उन्होंने कहा कि भारत में फिल्म उद्योग एक विशाल क्षेत्र है, जो लगभग 4 लाख लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देता है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 2000 फिल्में बनती हैं, जिनमें हिन्दी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बांग्ला, मलयालम और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्में शामिल हैं।

ऑपरेशन सिंदूर: प्रतिनिधिमंडल को लेकर कांग्रेस ने किरेन रिजिजू को घेरा: मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

कौमी पत्रिका
नसीरउद्दीन

नई दिल्ली/कोलकाता, 19 मई। कांग्रेस ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के उस कथित दावे को सरासर झूठ बताया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार ने विदेश जाने वाले सर्वदलीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडलों के लिए नाम नहीं मांगे। कांग्रेस ने कहा कि विपक्षी पार्टी से चुने गए नामों को मंजूरी न देना सस्ती राजनीति है। दूसरी तरफ, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी ने सर्वदलीय राजनयिक मिशन का बहिष्कार नहीं किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीएमसी किसी भी तरह के एकतरफा फैसले को स्वीकार नहीं करेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिस प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कतर, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों में कांग्रेस को सार्वजनिक रूप से गाली दी थी, आज वे इन प्रतिनिधिमंडलों में विपक्षी पार्टी की मदद ले रहे हैं। रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री ने फोन क्यों नहीं उठाया और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बात क्यों नहीं की? ऐसा करने का शिष्टाचार क्यों नहीं दिखाया? सच्चाई यह है कि देश में ध्रुवीकरण की राजनीति के कारण हमारी

कहानी पंक्चर हो चुकी है और पंक्चर होती जा रही है। कांग्रेस ने शनिवार को कहा था कि सरकार ने उनसे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के लिए चार नेताओं का नाम देने को कहा। कांग्रेस ने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को नामित किया। लेकिन इन चारों में से केवल शर्मा को ही विभिन्न देशों का दौरा करने वाले सात प्रतिनिधिमंडलों में शामिल किया गया है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विदेश मामलों के मुद्दों पर केंद्र सरकार के कार्यों और विचारों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला करने के उद्देश्य से सर्वदलीय राजनयिक मिशन का बहिष्कार नहीं किया है। हालांकि, सीएम ममता ने यह भी स्पष्ट किया कि टीएमसी किसी भी तरह के एकतरफा फैसले को स्वीकार नहीं करेगी। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की सूची में टीएमसी सांसद यूसुफ पठान के नाम पर सीएम ममता ने कहा कि केंद्र नाम तय नहीं कर सकता। यदि वे मूल पार्टी से अनुरोध करते हैं, तो पार्टी नाम तय करेगी। यह एक प्रथा और प्रणाली है। उन्होंने कहा कि हम विदेश मामलों की नीति के संबंध में केंद्र सरकार के साथ हैं और हम उनका पूरा समर्थन कर रहे हैं। बनर्जी ने जोर देकर कहा कि यदि सरकार उनसे संपर्क करती तो पार्टी सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के लिए अपना

सिलीगुड़ी में बनेगा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र

सिलीगुड़ी, 19 मई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को सिलीगुड़ी में उत्तर बंगाल व्यापार सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने राज्य के उत्तरी जिलों में औद्योगिक विकास में तेजी लाने पर जोर दिया। ममता बनर्जी ने एलान किया कि सिलीगुड़ी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए 10 एकड़ जमीन तलाश ली गई है। यह केंद्र उत्तर बंगाल में राज्य सचिवालय के पास बनाया जाएगा। केंद्र एक होटल के साथ ही व्यापारिक सम्मेलनों के आयोजन में भी मदद करेगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने होमस्टे स्थापित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने डाबग्राम और फालाकाटा में औद्योगिक पार्क स्थापित करने और सिलीगुड़ी में डाटा सेंटर बनाने का भी एलान किया। उन्होंने कहा कि आवास, ग्रामीण सड़क और कटाव नियंत्रण जैसे क्षेत्रों के लिए केंद्र सरकार से धन की कमी के बावजूद राज्य सरकार अपने स्वयं के संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर बंगाल के उद्योग जगत को सक्रिय विचारों के साथ आगे आना चाहिए। भीड़भाड़ वाले दार्जिलिंग के अलावा वैकल्पिक पर्यटन स्थलों को विकसित करने की भी आवश्यकता है।

आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में स्थानीय राजनीति आड़े नहीं आनी चाहिए: शरद पवार

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 19 मई। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने अपने ही गठबंधन के नेता संजय राउत को लताड़ लगाई है। उन्होंने शिवेसना यूबीटी के नेता संजय राउत को सलाह दी कि जब भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है, तो उसके बीच स्थानीय राजनीति को नहीं लाया जाना चाहिए। गौरतलब है कि संजय राउत ने एक दिन पहले ही केंद्र सराकर द्वारा सांसदों का सर्वदलीय दल विभिन्न देशों को भेजने की आलोचना की थी और इंडी गठबंधन की पार्टियों से केंद्र सरकार के इस कदम का बहिष्कार करने की अपील की गई थी। महाराष्ट्र के बारामती में मीडिया से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय मुद्दे आते हैं तो पार्टी स्तर की राजनीति को पीछे छोड़ देना चाहिए। आज केंद्र सरकार ने कुछ प्रतिनिधिमंडल का गठन किया है और उन्हें विदेशों में जाकर पहलगाम आतंकी हमले और पाकिस्तान की गतिविधियों पर भारत का पक्ष रखने की जिम्मेदारी दी गई है। पवार ने याद करते हुए कहा कि वह भी पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव द्वारा गठित एक दल के साथ संयुक्त राष्ट्र गए थे, जिसका नेतृत्व पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने रविवार को अपने एक बयान में कहा था कि विपक्षी इंडी गठबंधन में शामिल दलों को आतंकवाद के खिलाफ भारत की

प्रतिबद्धता दर्शाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न देशों में भेजे जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का बहिष्कार करना चाहिए था। राउत ने आरोप लगाया कि यह प्रतिनिधिमंडल सरकार द्वारा किए गए पापों और अपराधों का बचाव करेगा। उन्होंने कहा, ऐसे प्रतिनिधिमंडल को भेजने की कोई आवश्यकता नहीं थी, वह भी सरकार के खर्चे पर। ये वहां करेंगे क्या? हमारे पास विदेशों में राजदूत हैं, वे अपना काम कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन को इसका बहिष्कार करना चाहिए था। वे सरकार द्वारा बिछाए गए जाल में फंस रहे हैं। आप देश का नहीं, सरकार द्वारा किए गए पापों का बचाव करने जा रहे हैं। राउत के बयान पर पवार ने कहा कि उन्होंने अपने विचार रखे, लेकिन मैं देख रहा हूं कि उनकी पार्टी के भी एक सदस्य प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। मुझे लगता है कि इस मामले में स्थानीय राजनीति से दूर रखना चाहिए। केंद्र सरकार के इस प्रयास के तहत 51 राजनीतिक नेता, सांसद और पूर्व मंत्री सात प्रतिनिधिमंडलों में शामिल होकर 32 देशों और यूरोपीय संघ मुख्यालय (ब्रसेल्स) की यात्रा करेंगे ताकि वैश्विक मंच पर भारत की आतंकवाद के खिलाफ नीति पर अपना पक्ष रखा जा सके। इन सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व बैजयंत पांडा, रविशंकर प्रसाद (दोनों बीजेपी), संजय कुमार झा (जेडीयू), श्रीकांत शिंदे (शिवसेना), शशि थरूर (कांग्रेस), कनिमोझी (डीएमके) और सुप्रिया सुले (एनसीपी-एसपी) कर रहे हैं। इनमें 31 नेता एनडीए से और 20 गैर-एनडीए दलों से हैं।

राहुल के आरोपों पर विदेश मंत्रालय का जवाब

कौमी पत्रिका
तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 19 मई। विदेश मंत्री एस जयशंकर के ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े बयान पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी की प्रतिक्रिया को मंत्रालय ने सिरे से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने राहुल के बयान को तथ्यों का पूरी तरह से गलत प्रस्तुतीकरण बताया है। विदेश मंत्रालय ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर के खिलाफ लगाए गए उन आरोपों का खंडन किया कि सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले पाकिस्तान को सूचित किया। विदेश मंत्रालय के एक्सपी डिवीजन के अनुसार, जयशंकर ने कहा था कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद शुरुआती चरण में ही पाकिस्तान को चेतावनी दे दी थी। विदेश मंत्रालय के एक्सपी डिवीजन ने कहा, विदेश मंत्री ने कहा था कि हमने पाकिस्तान को शुरुआत में ही चेतावनी दे दी थी, जो स्पष्ट रूप से ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद का प्रारंभिक चरण है। इसे गलत तरीके से प्रचारित किया जा रहा है। तथ्यों को पूरी तरह से गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय की यह प्रतिक्रिया राहुल गांधी की ओर से एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किए जाने के बाद आई है, जिसमें जयशंकर गुरुवार को दिल्ली में होंडुरास दूतावास के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। राहुल गांधी ने सरकार पर गलत काम करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा, हमारे हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया। 1. इसे किसने अधिकृत किया? 2. इसके परिणामस्वरूप हमारी

वायुसेना ने कितने विमान खो दिए? दिल्ली में होंडुरास दूतावास के उद्घाटन के बाद गुरुवार को पत्रकारों से बात हुए जयशंकर ने कहा, यह स्पष्ट है कि कौन गोलीबारी बंद करना चाहता था। हमने आतंकवादी ढांचे को नष्ट करके जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल कर लिया है। चूंकि प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए गए थे, इसलिए मुझे लगता है कि हमने उचित रूप से यह रुख अपनाया, क्योंकि ऑपरेशन की शुरुआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर, और सेना के पास यह विकल्प है कि वह खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे।

चीन में भूकंप से हिली धरती, बीजिंग में महसूस किए गए तेज झटके

एजेंसी
हांगकांग/बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में रात को भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.5 दर्ज की गई। भूकंप स्थानीय समयानुसार आधीरात बाद 01:21 बजे पास के बंदरगाह शहर तियानजिन के उपनगर में 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर आया। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र ने भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी और इसका केंद्र पड़ोसी हेबेई प्रांत के योंगकिंग काउंटी में बताया। सीएनएन चैनल के अनुसार, भूकंप के झटके महसूस होते ही लोगों की नींद टूट गई। विद्यार्थी अपने छात्रावासों से भाग खड़े हुए। चीन के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कमरों के पंखे और अन्य सामान तेजी से हिलते नजर आ रहे हैं। बीजिंग भूकंप एजेंसी ने कहा कि भूकंप का केंद्र बीजिंग से मात्र 13 किलोमीटर की दूरी पर था। राजधानी के कुछ इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने बयान में कहा कि इससे शहर की इमारतों को कोई संरचनात्मक क्षति नहीं हुई। दैनिक जीवन या उत्पादन के सामान्य कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 22 मिलियन लोगों की आबादी वाला महानगर बीजिंग समय-समय पर आसपास के भूकंपों के झटकों से प्रभावित होता रहा है। बीजिंग का मैदान भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है और एक दर्जन से अधिक भूकंपीय फॉल्ट लाइनों का घर है।

पुतिन की यूक्रेन पर अब तक के सबसे बड़े हमले के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से होगी बात

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे यूक्रेन के साथ युद्ध विराम सुनिश्चित करने के लिए आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करेंगे। क्रेमलिन ने पुष्टि की कि दोनों नेता बात करेंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि वे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ-साथ नाटो के नेताओं को भी फोन करेंगे। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में यह जानकारी दी गई। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कल संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात की है। फ्रांस और ब्रिटेन के नेता भी पुतिन से बात करने से पहले ट्रंप से बात करने की कोशिश कर रहे थे। ट्रंप और पुतिन की यह बातचीत ऐसे समय पर हो रही है जब रूस ने लगभग 273 विस्फोटक ड्रोन के माध्यम से यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला किया है। इसबीच पोप लियो ने भी शुक्रवार को वेटिकन में यूक्रेन-रूस वार्ता की मेजबानी करने की पेशकश की। इसके बाद कल जेलेंस्की ने उनसे निजी तौर पर मुलाकात की। सीएनएन न्यूज चैनल के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने पोप लियो 14 के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया और बाद में उनसे निजी तौर पर मुलाकात की।

पहले अमेरिकी पोप लियो चौदहवें ने संभाली कमान, दिया एकता का संदेश

वेटिकन सिटी। इतिहास में पहली बार अमेरिका से चुने गए पोप, पोप लियो चौदहवें ने अपने आधिकारिक पोंटिफिकेट (पोप पद) की शुरुआत की। उन्होंने कैथोलिक चर्च और दुनिया में व्याप्त ध्रुवीकरण को खत्म करने और एकता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। यह संदेश उन्होंने संत पेत्रुस स्क्वायर में आयोजित एक भव्य उद्घाटन समारोह में दिया, जहां लगभग 2 लाख श्रद्धालु, राष्ट्राध्यक्ष, धार्मिक नेता और शाही प्रतिनिधि मौजूद रहे। 69 वर्षीय अगस्टिनियन मिशनरी पोप लियो चौदहवें ने अपने पहले पोपमोबाइल यात्रा के दौरान भीड़ का अभिवादन किया, बच्चों को आशीर्वाद दिया और अमेरिकी, पेरूवियन समेत कई देशों के झंडे लहराते श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान उस समय एक भावुक क्षण आया जब पोप को पोप पद की दो महत्वपूर्ण धार्मिक वस्तुएं 'भेड़ की ऊन से बनी स्टोल' (कंधे की पट्टी) और 'फिशरमैन रिंग' (मछुआरे की अंगूठी) सौंपी गईं। अंगूठी पहनने के बाद उन्होंने कुछ क्षणों तक उसे देखा और फिर अपने हाथ जोड़कर प्रार्थना की, जैसे कि उन्हें उस विशाल जिम्मेदारी का एहसास हुआ हो जो 1.4 अरब कैथोलिकों का नेतृत्व करने से जुड़ी है।

द हेग में गाजा पर हमले के विरोध में विशाल प्रदर्शन, हजारों लोगों ने की शांतिपूर्ण रैली

द हेग। नीदरलैंड की राजधानी द हेग की सड़कों पर गाजा में जारी इजराइली सैन्य अभियान के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। आयोजकों के अनुसार, यह पिछले 20 वर्षों में देश का सबसे विशाल जनआंदोलन था। इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए, जिनमें वरिष्ठ नागरिक, युवा और छोटे बच्चों को साथ लिए माता-पिता तक नजर आए। अधिकांश प्रदर्शनकारी लाल रंग के वस्त्र पहने हुए थे, जो इस प्रदर्शन की एकता और गंभीरता का प्रतीक था। एक प्रदर्शनकारी शिक्षिका रूस लिंगबीक अपने पति और 12 सप्ताह की बेटी 'डिडो' के साथ रैली में शामिल हुई थी। उसने कहा, हमें उम्मीद है कि यह प्रदर्शन सरकार के लिए एक चेतावनी बनेगा। गाजा में जो हो रहा है, वह अस्वीकार्य है। इस दौरान, उनकी बेटी डिडो एक कैरियर में सोती रही, जबकि माता-पिता ने हाथ में एक सादा सा बोर्ड पकड़ा था, जिस पर लिखा था - स्टॉप।

बलूचिस्तान में लोगों को बलपूर्वक गायब कर रहा पाकिस्तान, 'पांक' ने की आलोचना

एजेंसी
क्वेटा। पाकिस्तान सरकार द्वारा बलूचिस्तान क्षेत्र से लोगों को जबरन गायब करने की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। एक मानवाधिकार संस्था ने पाकिस्तान के इस कृत्य को 'मानवता के विरुद्ध अपराध' बताया है। बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग, 'पांक' ने सोमवार को खुलासा किया कि, पाकिस्तानी सेना ने सात और बलूचों को जबरन गायब कर दिया है। रविवार को, मस्तुंग के किल्ली शेखान इलाके के निवासी वजीर खान के बेटे वकास बलूच को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने जबरन हिरासत में लिया और उसके घर से ले गए। मई महीने में ऐसी घटना कई बार हो चुकी है। अन्य पीड़ितों का खुलासा करते हुए 'पांक' ने कहा, '18 मई, 2025 को, पाकिस्तानी सेना ने ग्वादर जिले के पसनी तहसील के जिमुरी इलाके के निवासी इज्जत बलूच के बेटे नवीद

बलूच को, मस्तुंग के किल्ली शादी खान इलाके के निवासी सालेह मुहम्मद शाद के बेटे एडवोकेट चीफ अत्ताउल्लाह बलूच को जबरन उसके घर से हिरासत में लिया और फिर गायब कर दिया। 16 मई को पाकिस्तानी अधिकारियों ने बरपी के बेटे शाह नवाज बलूच को उसके पिता के साथ मिलिटरी कैंप नाली बुलाया था, जो अवारन जिले के मश्कई तहसील के लकी इलाके में रहता था। उसके पिता को जाने की अनुमति दे दी गई, लेकिन शाह नवाज को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया और तब से वह गायब है।'

एक अन्य घटना में, 17 मई को, नसीराबाद के निवासी अमीन उल्लाह बलूच को सेना ने कलात के शेखरी इलाके से जबरन गायब कर दिया था। उसी दिन से, नसीराबाद के निवासी 13 वर्षीय फियाज अली का कोई पता नहीं चल रहा है। मानवाधिकार संस्था ने आगे बताया कि शनिवार को, नसीराबाद के निवासी पेशे से जमींदार नियाज अली को कलात के शेखरी इलाके से जबरन गायब कर दिया गया था। पिछले सप्ताह पांक ने खुलासा किया था, अप्रैल और मई के बीच, बलूचिस्तान के कई जिलों में पांच और लोगों को जबरन गायब कर दिया गया था। लगातार हो रही ये घटनाएं क्षेत्र में भय, दंड से मुक्ति और राज्य दमन के निरंतर माहौल को दिखा रही हैं।

माउंट एवरेस्ट के शिखर पर एक दिन में पहुंचे 135 पर्वतारोही

एजेंसी
काठमांडू। पर्वतारोहियों के लिए दिन बेहद अनुकूल रहा। मौसम ने साथ दिया और एक ही दिन में 135 पर्वतारोही दुनिया की सबसे ऊंची चोटी सागरमाथा (माउंट एवरेस्ट) के शिखर तक पहुंचने में सफल रहे। नेपाल के पर्यटन विभाग ने इस बात की पुष्टि की है कि मौसम की स्थिति अनुकूल होने के कारण 18 मई को एक ही दिन में कुल 135 पर्वतारोही माउंट एवरेस्ट के शिखर पर सफलतापूर्वक पहुंचे। यह वसंत चढ़ाई के मौजूदा मौसम में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।एवरेस्ट बेस कैंप में विभाग के अस्थायी फील्ड ऑफिस के अनुसार, अनुकूल मौसम होने के कारण बड़ी संख्या में पर्वतारोहियों को माउंट एवरेस्ट के शिखर तक पहुंचने में मदद मिली। आज कई और लोगों के भी प्रयास करने की उम्मीद है।विभाग के निदेशक हिमाल गौतम ने कहा कि 18 मई का दिन इस सीजन के लिए एक बड़ा दिन साबित हुआ, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में पर्वतारोही शिखर पर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि सीजन के शुरुआती दिनों में मौसम अनुकूल नहीं होने से पर्वतारोहियों के विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचने में देरी हुई, लेकिन पिछले तीन दिनों से मौसम साफ होने, हवा का दबाव कम होने, बर्फीले तूफान के नहीं आने के कारण में सफल चढ़ाई में वृद्धि देखी गई है। निर्देशक गौतम ने कहा कि इस सत्र में अब तक 200 से अधिक पर्वतारोही शिखर पर पहुंच चुके हैं, जिनमें से कई और पर्वतारोही सोमवार को शिखर पर चढ़ाई को पूरी कर सकते हैं। रविवार के सफल पर्वतारोहियों में फोटो पत्रकार और रिकॉर्ड धारक पूर्णिमा श्रेष्ठ शामिल हैं, जिन्होंने लगातार पांचवीं बार एवरेस्ट पर चढ़ाई की है।

अमेरिका में ट्रेन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत, एक लापता

एजेंसी
कोलंबस। ओहियो के फ्रेमोंट में एक ट्रेन की चपेट में आ जाने से कई पैदल यात्रियों की मौत हो गई, वहीं एक व्यक्ति लापता हो गया है। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी है। फ्रेमोंट शहर के माइल्स न्यूटन ब्रिज के पास यह घटना रविवार की शाम 7 बजे के आसपास घटी। यह शहर टोलेडो और क्लीवलैंड के बीच एरी झील के किनारे स्थित है। फ्रेमोंट पुलिस विभाग ने लापता व्यक्ति की खोज शुरू कर दी है। इसके लिए पुलिस मुख्य रूप से सैंडुस्की नदी पर ध्यान केंद्रित कर रही है। फ्रेमोंट के मेयर डैनी सांचेज ने दो मौतों की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दोनों मृतक व्यस्क थे। मृतकों की पहचान तब तक जारी नहीं की जाएगी जब तक उनकी डेड बॉडी उनके परिजनों को सौंप न दी जाए। मेयर ने इस घटना में किसी और व्यक्ति के घायल होने या फिर कितने व्यक्तियों को चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता है, इस पर कोई विवरण नहीं दिया। हादसे के तुरंत बाद, अधिकारियों ने राहत और बचाव कार्य और लापता व्यक्ति को ढूंढने के उद्देश्य से तुरंत माइल्स न्यूटन ब्रिज को बंद कर दिया।फ्रेमोंट पुलिस ने 'एक्स' पर

एक सार्वजनिक सलाह जारी की, जिसमें निवासियों और आसपास के लोगों से क्षेत्र में आने से बचने का आग्रह किया गया क्योंकि ताकि वहां राहत कार्य में लगे कर्मचारियों को परेशानी न हो। घटना के कारण और परिस्थितियों की जांच जारी है। अधिकारियों ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि ट्रेन के गुजरने के समय कितने लोग पटरियों पर या उसके आस-पास थे। इस घटना पर कई कानूनी और आपातकालीन एजेंसियों की प्रतिक्रिया आई है। घटना ने स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित किया है क्योंकि अधिकारी लापता व्यक्ति के लिए तलाश अभियान चला रहे हैं। साथ ही उन कारणों का पता लगाने की कोशिश भी कर रही हैं जिसकी वजह से यह त्रासदी हुई।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को हुआ गंभीर प्रोस्टेट कैंसर

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर हुआ है, और डॉक्टरों के अनुसार यह तेजी से फैलने वाला है। उनके कार्यालय ने यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, पिछले हफ्ते राष्ट्रपति बाइडेन में यूरीन से जुड़ी कुछ समस्याएं बढ़ गई थीं। जांच में उनके प्रोस्टेट में एक गांठ पाई गई। शुक्रवार को उन्हें प्रोस्टेट कैंसर की पुष्टि हुई। यह कैंसर हड्डियों तक फैल चुका है और इसे काफी गंभीर माना जा रहा है। हालांकि यह बीमारी तेजी से फैलने वाली है, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह हार्मोन पर असर करने वाली किस्म की है, जिससे इसका इलाज संभव है। राष्ट्रपति बाइडेन और उनके परिवार वाले डॉक्टरों से इलाज के विकल्पों पर बात कर रहे हैं राष्ट्रपति बाइडेन की उम्र 82 साल है। वे अमेरिका के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति रहे हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने पद छोड़ा और डोनाल्ड ट्रंप ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराकर दूसरी बार राष्ट्रपति पद

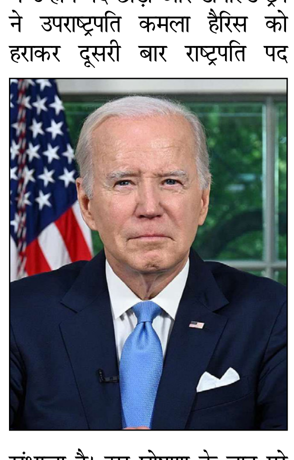

संभाला है। इस घोषणा के बाद पूरे अमेरिका में लोग हैरान हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'मेलानिया और मैं जो बाइडेन की बीमारी की खबर से दुखी हैं। हम जिल और पूरे परिवार को शुभकामनाएं देते हैं और जो के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना ने 'एक्स' पर लिखा, जो बाइडेन और उनके परिवार के लिए प्रार्थना कर रहा हूं कि वे इस कैंसर से लड़ाई जीतें। जो और जिल हमेशा से संघर्षशील रहे हैं, और मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस चुनौती का भी बहादुरी से सामना करेंगे। यह खबर ऐसे समय आई है जब राष्ट्रपति बाइडेन के स्वास्थ्य को लेकर पहले से ही चर्चा हो रही थी। कुछ लोग उनकी मानसिक स्थिति और निर्णय क्षमता पर सवाल उठा रहे हैं, खासकर कुछ डेमोक्रेट नेताओं ने भी चिंता जताई है। जो बाइडेन ने अपने बेटे ब्यू बाइडेन को 2015 में कैंसर के कारण खो दिया था। तभी से वे कैंसर के इलाज के लिए विशेष पहल चला रहे हैं।

काठमांडू से लुक्ला जा रहे विमान के इंजन में खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में एक बार फिर उस वक्त एक बड़ा विमान हादसा टल गया जब इंजन में खराबी के बाद उसकी सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग करा दी गई। पायलट की सूझबूझ के कारण 19 यात्रियों सहित 21 लोगों की जान बच गई। काठमांडू से लुक्ला की तरफ जा रहे समिट एयर के विमान में खराबी आने के कारण बीच रास्ते से ही उसे वापस होना पड़ा। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा से सुबह 6 बजकर 12 मिनट पर उड़ान भरने वाले समिट एयर के विमान एसएमए303 कुछ ही देर में इंजन में खराबी आने के बाद वापस काठमांडू लौटना पड़ा। उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के सूचना अधिकारी तेज बहादुर पौडेल ने बताया कि 6÷12 मिनट पर काठमांडू से उड़ान भरने वाले समिट एयर के पायलट ने काठमांडू एटीसी को ट्विनअटर विमान के एक इंजन में खराबी होने की सूचना देते हुए इमरजेंसी लैंडिंग के लिए जानकारी दी। पौडेल के मुताबिक उड़ान भरने के 10 मिनट बाद ही विमान के इंजन में खराबी का पता लगते ही काठमांडू में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हवाईअड्डा के प्रवक्ता पौडेल ने कहा कि चालक दल के तीन सदस्यों सहित 19 यात्रियों के साथ इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान काठमांडू एयरपोर्ट को थोड़ी देर के लिए बंद कर दिया गया। उन्होंने बताया कि किसी भी संभावित दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए अन्य विमानों की उड़ान और लैंडिंग को रोक दिया गया। इस दौरान रन-वे के आसपास दमकल और एंबुलेंस को भी बुला लिया गया। समिट एयर ने जारी बयान में कहा कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। इंजन में समस्या आने के कारण इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इस समय समिट एयर की टेक्निकल टीम विमान के इंजन में आई खराबी को ठीक करने में जुटी हुई है।

मिस्र के राष्ट्रपति ने अमेरिकी अधिकारी से 'गाजा' में तत्काल युद्ध विराम का आग्रह किया

एजेंसी
काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने एक अमेरिकी अधिकारी के साथ बैठक के दौरान गाजा पट्टी में तत्काल युद्ध पर रोक लगाने और युद्धग्रस्त क्षेत्र में मानवीय सहायता के प्रवाह को आसान बनाने का आग्रह किया। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, ÷राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने काहिरा में अफ्रीका के लिए अमेरिका के वरिष्ठ सलाहकार और अरब, मध्य पूर्वी मामलों पर राष्ट्रपति के सलाहकार मासाद बौलोस के साथ बैठक में 'गाजा' पर युद्ध विराम का आग्रह और मानवीय सुविधाओं को सुगम बनाने की अपील की।'

बयान के मुताबिक, दोनों पक्षों ने मध्य पूर्व में नवीनतम घटनाक्रमों और क्षेत्रीय स्थिरता को बहाल करने के तरीकों पर चर्चा की। राष्ट्रपति सिसी ने 'गाजा' में युद्ध विराम के

लिए मिस्र, अमेरिका और कतर की संयुक्त मध्यस्थता प्रयासों की सराहना की और समन्वय जारी रखने के लिए मिस्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, बौलोस ने मध्य पूर्व में शांति बहाल करने के लिए मिस्र के साथ संयुक्त प्रयासों को जारी रखने के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो सभी पक्षों के हितों की पूर्ति करता है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब शनिवार को दोहा में इजरायल और हमास के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता का एक नया दौर आयोजित किया गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, इजरायली वार्ता दल दोहा में सौदे के हर अवसर का लाभ उठाने के लिए काम कर रहा है, जिससे लड़ाई समाप्त होगी, गाजा में अभी भी बंधक बनाए गए 58 लोगों की रिहाई सुनिश्चित होगी, हमास आतंकवादियों को बाहर निकाला जाएगा, और गाजा को निरस्त्र किया जाएगा। इराक की राजधानी बगदाद में आयोजित 34वें अरब शिखर सम्मेलन में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इजरायली सैन्य अभियानों को रोकने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए अरब की योजना को अपनाने का आग्रह किया था। महमूद अब्बास ने कहा था कि इजरायली कब्जे को समाप्त करके ही फिलिस्तीन में पूर्ण शांति स्थापित की जा सकती है।

बांग्लादेश में समाज के दुश्मनों ने मददगार बुजुर्ग के घोड़े की हत्या की

एजेंसी
ढाका। बांग्लादेश के समाचार पत्रों और न्यूज वेबसाइट में आज एक घोड़े की हत्या की सुर्खी चर्चा के केंद्र में है। यह घोड़ा इसलिए खास है कि इसके मालिक 67 वर्षीय मनु मिया खुद अस्पताल में जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मनु मिया ने अब तक देश के 3,057 लोगों को सुपुर्द-ए-खाक करने के लिए कब्र खोदी हैं। और इसके लिए किसी से एक टका भी नहीं लिया और न ही अन्य कोई सहायता स्वीकार की। समाज के खातिर अपना खेत बेचकर घोड़ा खरीदा और वह उनके इस कार्य में सदैव हमराह रहा। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, मनु मिया किसी की भी मौत की खबर

सुनते ही अपने प्रिय घोड़े पर सवार होकर जरूरी औजारों के साथ कब्रिस्तान की ओर दौड़ पड़ते थे। अनजान लोगों की अंतिम यात्रा में किसी खास साथी की तरह मदद के लिए सच्चे हाथ आगे बढ़ाते रहे हैं। उन्होंने अपने 50 साल के जीवन में अब तक 3,057 कब्रें खोदी हैं। इसके लिए कभी किसी कुछ नहीं लिया। हां, डायरी में जरूर हर उस व्यक्ति का नाम, पता और समय दर्ज किया , जिसे उन्होंने दफनाया दूरदराज के इलाकों में जल्दी पहुंचने के लिए मनु मिया ने कई साल पहले अपने धान के खेत बेचकर एक घोड़ा खरीदा। वे अपने सारे औजार और उपकरण इसी घोड़े पर लादकर ले जाते थे। गांव-गांव दौड़ते हुए निस्वार्थ सेवा करते थे। ऐसा लगता था मानो घोड़े ने उनकी उम्र की बाधा को पार करके उन्हें सक्रिय रखा हो। मनु मिया के शरीर में जटिल बीमारियों ने जड़ें जमा ली हैं। कुछ समय पहले वे बिस्तर पर पड़ गए और 14 मई को राजधानी ढाका के धानमंडी में बांग्लादेश मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती हुए। यही वह नाजुक समय है जब उनका प्रिय घोड़ा बर्बरता का शिकार हुआ। घर पर मनु मिया और उनकी पत्नी रहीमा बेगम की अनुपस्थिति में घोड़ा अभिभावक विहीन हो गया। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने किशोरगंज के पड़ोसी मिथामोइन उपजिला के हाशिमपुर छत्रिस गांव में एक मदरसे के बगल में एक जलाशय में घोड़े का शव पड़ा देखा।

कान्स में फिर छाई उर्वशी रौतेला, स्टनिंग लुक ने खींचा सबका ध्यान

एजेंसी
कान्स। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और भव्य फिल्म समारोहों में से एक 78वां कान्स फिल्म फेस्टिवल 13 मई से शुरू हो चुका है और यह 24 मई तक चलेगा। हर साल की तरह इस बार भी भारतीय सितारों ने रेड कार्पेट पर अपनी शानदार मौजूदगी दर्ज कराई है। अब तक कान्स 2025 में जैकलीन फर्नांडिस, नितांशी गोयल और नैन्सी त्यागी ने अपने स्टाइल और ग्लैमर से सबका ध्यान खींचा है। उर्वशी रौतेला भी इस बार दूसरी बार रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरती नजर आईं। कान्स फिल्म फेस्टिवल से उर्वशी रौतेला का दूसरा लुक भी सामने आ गया है। इस बार वह क्लासिक ब्लैक गाउन में नजर आईं, जिसे उन्होंने एक स्टाइलिश पिंक पर्स के साथ पेयर किया। इससे पहले अपने पहले लुक में उर्वशी ने रंग-बिरंगे ऑफ-शोल्डर गाउन के साथ

सिर पर खूबसूरत ताज पहना था, जिसने उनके लुक को शाही अंदाज दिया। साथ ही वह एक शानदार क्रिस्टल तोता क्लच लिए दिखीं, जिसकी कीमत करीब 4.60 लाख रुपये बताई जा रही है। उर्वशी इससे पहले भी कई बार कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

चीन ने अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान और ताइवान से आयातित प्लास्टिक पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया

एजेंसी
बीजिंग। चीन ने अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान और ताइवान से आयात होने वाले पॉलीऑक्सीमेथिलीन (पीओएम) को-पॉलीमर पर कड़े एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की घोषणा की है। ये शुल्क अमेरिका से आने वाले आयात पर सबसे अधिक 74.9 फीसदी तक लगाए गए हैं। चीन की ओर से यह फैसला उस जांच के निष्कर्ष के बाद लिया गया, जिसमें उसके वाणिज्य मंत्रालय ने मई 2024 में शुरू की थी। यह जांच अमेरिका द्वारा चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों, चिप्स और अन्य उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने के कुछ ही समय बाद शुरू की गई थी।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में कार बम विस्फोट,चार की मौत, 20 घायल

एजेंसी
क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के किला अब्दुल्ला में एफसी फोर्ट (किला अब्दुल्ला) के पास कल एक कार बम विस्फोट में कम से कम चार लोग मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट किला अब्दुल्ला की पिछली दीवार से सटे जब्बार मार्केट के पास हुआ। पाकिस्तान के अखबार द नेशन की खबर के अनुसार, डिप्टी कमिश्नर रियाज खान ने बताया कि विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में ले जाया गया। उन्होंने कहा कि शक्तिशाली विस्फोट में कई वाहन और दुकानें भी नष्ट हो गईं। आतंकवादी जाहिर तौर पर एफसी फोर्ट की दीवार को निशाना बनाना चाहते थे।

विस्फोट के तुरंत बाद इलाके में भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। किला अब्दुल्ला के डिप्टी कमिश्नर ने विस्फोट की पुष्टि की और कहा कि बम एक कार में लगाया गया था,

जिसे एफसी कैंप के पास एक व्यस्त बाजार में पार्क किया गया था। रियाज खान के अनुसार, विस्फोट में एफसी और अन्य सुरक्षा बलों के कर्मियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण कुछ घायल लोगों को क्वेटा स्थानांतरित किया जा रहा है। विस्फोट के समय कबायली नेता हाजी फैजुल्लाह खान गबीजई भी अपने कार्यालय में मौजूद थे। घायलों में कबायली नेता, उनके सुरक्षा गार्ड और एक राहगीर भी शामिल हैं। विस्फोट के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों की बड़ी टुकड़ियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और तलाशी और निकासी अभियान शुरू कर दिया। एक अलग घटना में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एफसी किला गुलिस्तान चौकी पर हथगोले से हमला किया। एफसी कर्मियों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादियों को मार गिराया। एफसी बलूचिस्तान के प्रवक्ता के अनुसार, आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच कुछ समय तक गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने कहा कि एफसी किला गुलिस्तान चौकी के आसपास की स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में पूरी सतर्कता बरती गई है। 2021 में तालिबान शासकों के अफगानिस्तान लौटने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के सीमावर्ती प्रांतों में सबसे ज्यादा खूनखराबा हुआ है ।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

वाहनचोरी समेत 155 वारदातों में शामिल दो गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी जिले की एंटी स्नैचिंग सेल ने दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपितों पर वाहनचोरी, आर्म्स एक्ट व लूटपाट समेत 155 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दक्षिण पश्चिमी जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि एक आरोपित रवि उर्फ करन 90 वारदातों जबकि दूसरा आरोपित आकाश 65 वारदातों में शामिल है। आरोपियों को 500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद पहचान करके दबोचा गया है। इनके कब्जे से वारदातों में इस्तेमाल एक स्पोर्ट्स बाइक, दो सोने की चेन व तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

तेजस्वी के आरोप बेबुनियाद, जनता नहीं देती महत्वः राजीव रंजन

नई दिल्ली। जनता दल युनाइटेड (जदयू) प्रवक्ता राजीव रंजन ने बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि झूठ बोलने से सत्ता नहीं मिलती। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर बिहार की एनडीए सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कई आरोप लगाए थे। तेजस्वी यादव के आरोपों पर पलटवार करते हुए जदयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने दावा किया कि नीतीश सरकार ने 12 लाख नौकरियां और 38 लाख रोजगार देने का लक्ष्य लगभग पूरा कर लिया है। बिहार अब देश के टॉप तीन राज्यों में शामिल है। पलायन के आरोपों पर राजीव रंजन ने कहा कि अब रिवर्स माइग्रेशन हो रहा है। अपराध दर कम हुई है और कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि 2005 में 817 थाने थे, जो अब 1380 हो गए हैं। पुलिस बल 42480 से बढ़कर 110000 हो गया है। भ्रष्टाचार के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सजायाफ्ता नेताओं को नैतिक सवाल उठाने का हक नहीं है।

प्रेमिका का भाई बना कालः शादी के लिए राजी नहीं थे परिजन, पेचकस से युवक का रेता गला

नई दिल्ली। बाबा हरिदास नगर इलाके में पानी का प्लांट चलाने वाले अवनीश सक्सेना की हत्या के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक मृतक का होने वाला साला भी शामिल है। शुरुआती जांच में पता चला है कि अवनीश का 17 मई को प्रेम विवाह होना था। लड़की पक्ष के लोग इस शादी के लिए राजी नहीं थे। लड़की के भाई ने अवनीश को फोन कर मिलने के लिए बुलाया था। बाद में उसका शव ढिचाऊं गांव के खेत में मिला। अवनीश अपने परिवार के साथ नांगली विहार इलाके में रहता था। वह इलाके में पानी का प्लांट चलाता था। 14 मई को पुलिस को ढिचाऊं गांव के पास एक बुलेट लावारिस हालत खड़ी होने की जानकारी मिली। आसपास के इलाके में तलाशी लेने पर खेत में एक युवक का शव पड़ा मिला। उसकी गर्दन पर पेचकस से वार किया गया था। मृतक के पास से मिले दस्तावेज से उसकी पहचान अवनीश सक्सेना (30) के रूप में हुई। पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद पुलिस अवनीश के घर पर पहुंची। परिवार वालों से पूछताछ में पता चला कि अवनीश की 17 मई को शादी होने वाली थी। शाम में लड़की के भाई ने उसे फोन किया था। उसने बताया कि मुंडका से पैसे लेने हैं और कपड़े भी खरीदने हैं।

मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी सहित दो कुख्यात बदमाश घायल, स्कॉर्पियो कार सहित अवैध हथियार बरामद

नई दिल्ली। मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये के इनामी समेत दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नौ मई को कोतवाली क्षेत्र तमंचे के बल पर स्कॉर्पियो लूटी थी। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान राहुल देव चौधरी निवासी बिलारी मुरादाबाद और रतन चोपड़ा निवासी मंगोलपुरी दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपियों ने नौ मई को चेरी काउंटी क्षेत्र से असलहा दिखाकर स्कॉर्पियो लूटी थी। इसके पहले 28 अप्रैल को एक व्यक्ति के गले से चैन स्नैचिंग की घटना को अंजाम दिया था।

भारत-ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की वार्ता, चाबहार और उत्तर दक्षिण कॉरिडोर पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव डॉ अली अकबर अहमदियान के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। इस वार्ता में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने पर चर्चा हुई। साथ ही विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह और इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) परियोजनाओं पर काम तेज करने पर जोर दिया।

चाबहार बंदरगाह और आईएनएसटीसी भारत की पश्चिम एशिया नीति में अहम भूमिका निभाते हैं। इन परियोजनाओं से भारत को मध्य एशिया और यूरोप तक व्यापारिक पहुंच को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। पाकिस्तान के साथ

बिगड़ते संबंधों के बीच यह वैकल्पिक मार्ग भारत के लिए बेहद अहम है। दोनों देशों ने इन परियोजनाओं को जल्द से जल्द क्रियान्वित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। ईरान की ओर से जारी वक्तव्य के अनुसार, डोभाल ने ईरान की रचनात्मक भूमिका की सराहना की। वक्तव्य के अनुसार ईरानी पक्ष ने माना कि भारत-ईरान सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

डोभाल ने बातचीत में भारत और ईरान के संबंधों को मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने ईरान द्वारा दिए जा रहे सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया। अहमदियान ने कहा कि भारत और ईरान प्राचीन सभ्यताएं हैं और उनके संबंध गहरे और ऐतिहासिक हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच राजनीतिक और आर्थिक सहयोग की विशाल संभावनाओं की बात की। उन्होंने कहा कि रणनीतिक परियोजनाओं को शीघ्रता से लागू करने की आवश्यकता है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार, ग्रेप स्टेज-1 की पाबंदियां हटी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार को देखते हुए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तहत लागू स्टेज-1 को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। यह निर्णय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की उप-समिति ने हुई समीक्षा बैठक में लिया।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सोमवार को 179 रिकॉर्ड किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। यह सुधार तेज सतही हवाओं, गरज के साथ बारिश और धूल के कणों में गिरावट के चलते हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के अनुसार आने वाले दिनों में भी वायु गुणवत्ता इसी श्रेणी में बनी रहेगी। हालांकि, आयोग ने सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रदूषण नियंत्रण के नियमों और दिशा-निर्देशों को पूरी

सख्ती से लागू करें ताकि हवा की गुणवत्ता दोबारा 'खराब' श्रेणी में न पहुंचे। खासतौर पर निर्माण स्थलों और खुले क्षेत्रों में धूल नियंत्रण के उपायों पर जोर देने को कहा गया है। आयोग ने कहा कि वह हालात पर लगातार नजर रखेगा और आवश्यकता होने पर फिर से समीक्षा करेगा।

एनसीसी ने माउंट एवरेस्ट पर किया सफल आरोहण

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी अभियान टीम ने 18 मई को माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। इस टीम में 10 एनसीसी कैडेट्स (पांच लड़के और पांच लड़कियां) शामिल थे। इसके साथ चार अधिकारी, दो जूनियर कमीशन अधिकारी, एक महिला कैडेट प्रशिक्षक और 10 गैर-कमीशन अधिकारी भी थे।

चुने गए कैडेट्स नौसिखिए थे, जिन्हें देशभर से चुना गया था। इनका चयन और प्रशिक्षण प्रक्रिया बहुत कठोर थी। अपनी तैयारी के हिस्से के रूप में, उन्होंने माउंट एबी गामिन पर एक पूर्व-एवरेस्ट अभियान किया। अंतिम टीम में 15 कैडेट्स का चयन किया गया, जिन्होंने सियाचिन बेस कैंप में आर्मी माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट में सर्दी और तकनीकी प्रशिक्षण लिया। शेरपाओं ने उनकी सराहना की। कठिन मौसम और परिस्थितियों का सामना करते हुए, कैडेट्स ने विश्व

महीनों की प्रशिक्षण के बाद, दस कैडेट्स को माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए चुना गया। इस टीम में कम उम्र के पर्वतारोही शामिल थे, जिनकी औसत आयु 19 वर्ष थी। चढ़ाई के विभिन्न चरणों में उनकी फिटनेस और अनुशासन के लिए नेपाल के की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा और एनसीसी ध्वज लहराया। यह अभियान 03 अप्रैल को नई दिल्ली से शुरू किया गया था। यह एनसीसी द्वारा माउंट एवरेस्ट की तीसरी चढ़ाई है, इससे पहले 2013 और 2016 में भी अभियान किए गए थे।

इसरो का ईओएस-09 उपग्रह प्रक्षेपण विफल होने पर जांच के आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को एक झटका लगा है। इसरो का सबसे भरोसेमंद ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी61 का मिशन तीसरे चरण में फेल हो गया। इससे इस महत्वाकांक्षी मिशन के तहत ईओएस-09 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह निर्धारित कक्षा में पहुंचाने में कामयाब नहीं हुआ। इसरो ने इसकी जांच के आदेश दे दिए हैं।

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से सुबह 5:59 बजे इसरो ने 101वां प्रक्षेपण पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी)-सी61 के जरिए ईओएस-09 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह भेजा था, लेकिन प्रक्षेपण के कुछ ही मिनटों के बाद तीसरे चरण में रॉकेट अपने मार्ग से भटक गया। शुरुआती अनुमान के अनुसार रॉकेट के तीसरे चरण के प्रणोदन प्रणाली में संदिग्ध फ्लेक्स नोजल की खराबी के कारण प्रक्षेपण विफल हुआ। ईओएस-09

पृथ्वी अवलोकन उपग्रह से रात में भी उच्च-रिज़ॉल्यूशन फ़ोटो लेने की तकनीक शामिल थी। वैज्ञानिक इस प्रक्षेपण के विफल होने की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने मीडिया को बताया कि यह इसरो का 101वां मिशन था। पीएसएलवी ने पूर्व निर्धारित समय सुबह पांच बजकर 59 मिनट पर उड़ान भरी, लेकिन मिशन का उद्देश्य पूरा नहीं हो सका। यह मिशन तीसरे स्टेज में विफल हो गया। यह दबाव संबंधी समस्या की वजह से हुआ है। हम पूरे प्रयोग की समीक्षा कर रहे हैं तथा जल्द ही और जानकारी देंगे।

NAME CHANGE
I, Rajni w/o Sachin Malhotra R/o H No-243/6 Kalaian Mohalla Qila Road Rohtak-124001 have changed my name to Rajni Malhotra for all Purposes

NAME CHANGE
I, YASMIN W/O SHAFIQ AHMED residing at H NO-4521, GALI SHAHTARA AJMERI GATE, DELHI-110006 have changed my name to GHAZALA YASMIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, REKHA RANI W/O MOHAN LAL resident of VPO AMIN TEHSIL THANESAR DISTT KURUKSHETRA HAR-136038 have changed my name to ISHRO DEVI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, RAMESH CHOUHAN S/O RISHAL SINGH resident of VPO AMIN TEHSIL THANESAR DISTT KURUKSHETRA HAR-136038 have changed my name to MOHAN LAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as Tanwir Ahmad S/O. Se. Hafij, R/O 1/48 2nd Floor, Sunder Nagri, Nand Nagri, North East Delhi, Delhi-110093,have changed my name and shall hereafter be known as Mohd Tanwir Ahmad.

सार्वजनिक सूचना
हम, सत्यभान पुत्र स्व0 श्री राम मेहर व श्रीमती पुष्पा पत्नी श्री सत्यभान पता मकान नं0 डब्ल्यू जेड-504, सैनी मोहल्ला, पालम गॉव, नई दिल्ली-110045 घोषणा करते है कि हम अपने पुत्र अमन ब्रमन को उनके अनुचित व्यवहार, गलत आचरण व हमारे नियंत्रण में न होने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिये है और हमने अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है।
यह कि उपरोक्त अमन ब्रमन से हमारा कोई लेना देना नहीं है। अगर भविष्य में कोई व्यक्ति किसी भी तरह का उपरोक्त अमन ब्रमन से कोई लेन-देन, संबंध अथवा व्यवहार करता है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगें तथा अपने स्वयं के जोखिम पर करेगे। हमारा व हमारे परिवार वालों का किसी भी तरह से उनके कृत्य के लिए सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, अनैतिक एवं अपराधिक रूप से जिम्मेवार नहीं होगें।

NAME CHANGE
I shabana khan w/o abdul adil R/O T-13A kali masjid Nizamuddin west delhi 110013 have changed my name to shabana

NAME CHANGE
I, Shobha Kant Thakur S/O Jogendra Thakur R/O E-19 2nd floor new Green Park Main South Delhi 110016 have changed my name to Shova Kant Thakur for all the future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Tanwir Ahmad S/O. Se. Hafij, R/O 1/48 2nd Floor, Sunder Nagri, Nand Nagri, North East Delhi, Delhi-110093,have changed my name and shall hereafter be known as Mohd Tanwir Ahmad.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SUNITA GULIA W/o LATE BALJIT SINGH SANGWAN residing at Gali No. -5 , Near Sector-6, Patel Nagar, Bahadurgarh , Jhajjar, Haryana - 124507 declare that the name of mine has been wrongly written as SUNITA in my Husband's PPO No. – 735442500057. The actual name of mine is SUNITA GULIA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, POOJA GUSAIN W/O SANDEEP SINGH GUSAIN R/O H.No. 3/535, Dakshinpuri Ex., Dr. Ambedkar Nagar, P.O. Pushpa Bhawan, South Distt., New Delhi- 110062, I have changed my minor daughter's name from PARIDHI BISHT TO PARIDHI GUSAIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, BHAWNA BIHANI W/O NARESH BIHANI resident of AMARYLLIS, FLAT NO- 506, 5TH FLOOR, TOWER 1/2 , KAROL BAGH, DELHI-110005 have changed my name to BHAWANA BIHANI for all future purpose.

NAME CHANGE
I Amreen fatima w/o Mohammad Waseem khan R/O A-266 Gali no 9,near jama masjid afghani chowk Wazirabad Delhi 110084 Have changed my name to amreen fatma

सार्वजनिक सूचना
सार्वजनिक सूचना सभी को ज्ञात हो कि मेरे मुवक्किल अमित गुप्ता पुत्र श्री राधारमण गुप्ता निवासी ए-33, ईस्ट ऑफ कैलाश एन.डी-65, स्मिता गुप्ता के साथ विवाहित हैं, वैवाहिक जीवन के दौरान, अमित गुप्ता ने अपनी पत्नी के नाम पर 7 संपत्तियां खरीदीं, संबंधित संपत्तियों के अपने खाते से बिक्री प्रतिफल राशि को उसके बैंक खाते में स्थानांतरित करके, वैवाहिक विवाद उत्पन्न हो गया। मेरे मुवक्किल ने घोषणा वाद संख्या 539/2024, जिसका शीर्षक अमित गुप्ता बनाम स्मिता गुप्ता है, सुश्री नविता कुमारी बाघा डी.जे., एस.ई. जिला, साकेत कोर्ट, एन. डी. जिसमें 7 नीचे उल्लिखित संपत्तियों के संबंध में यूओ 39 आर 1 और 2 सीपीसी पर 28-07-2025 को बहस के लिए स्टे सूचीबद्ध है, मेरे मुवक्किल ने संबंधित सब-रजिस्ट्रार को आपत्ति भी सूचित की, सभी संपत्तियों का विवरण- (1) नंबर 19, तीसरी मंजिल, बिना छत के बाएं तरफ का हिस्सा, 135 वर्ग गज माप का। (2) नंबर 333-ए, निचला भूतल (मुख्य सड़क के सामने का हिस्सा), 50 वर्ग गज माप का। (3) नं. 333-ए, ऊपरी भूतल (मुख्य सड़क की ओर), 50 वर्ग गज की दूरी पर (4) नं. 95-बी, पहली मंजिल, 200 वर्ग गज की दूरी पर, (5) नं. 302-बी, तीसरी मंजिल बिना छत के दाईं ओर, दाईं ओर का भाग, 100 वर्ग गज की दूरी पर, (6) नं. 302-बी, तीसरी मंजिल बिना छत के दाईं ओर, बाईं ओर का भाग, 100 वर्ग गज की दूरी पर (7) नं. 302-बी, तीसरी मंजिल की पूरी छत, 200 वर्ग गज की दूरी पर, सभी सात संपत्तियाँ गाँव गढ़ी झरिया मारिया, कॉलोनी संत नगर, नई दिल्ली-65 में स्थित हैं। मेरे मुवक्किल के पक्ष में पंजीकृत जीपीए है। मेरा मुवक्किल किसी के द्वारा संपत्तियों पर किसी भी बिक्री, हस्तांतरण, बंधक, ऋण पर किए गए कार्य, विलेख या चीज़ के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। और जो कोई भी ऐसा करेगा या उक्त संपत्तियों के स्वामित्व, कब्जे या हिस्से पर उनसे निपटेगा, वह ऐसा अपने जोखिम और जिम्मेदारी पर करेगा, मेरा मुवक्किल किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा।
विक्रम सहदेव
एडवोकेट डी/604/1994
चौ. सं.108,
पटियाला हाउस, एन.डी.

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOWN IN PUBLIC IN GENERAL MY CLIENT SHRIMATI NEELU DEVI WIFE OF SHRI VINOD SHAH RESIDENT OF HOUSE NO. U-1/5,7 GALI NO. 02, PREM NAGAR-II, KIRARI SULEMAN NAGAR, DELHI HAVE DEBARRED AND DISOWNED HER SON VEER PRAKASH AND HER DAUGHTER IN LAW RAJ NANDINI FROM ALL HIS MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES IN ALL MANNERS IF ANY ONE DEALS WITH THEM, THEY WILL DO SO AT THEM THEIR OWN RISKS, COSTS AND CONSEQUENCES. MY CLIENT SHALL NOT BE future Ly Mohit Bharadwaj Inroll no1870/2023 chamber no o2 Nr sdm office kanjjawala delhi- 81

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल रामदास पुत्र सुआराम एवं श्रीमती समपत पत्नी रामदास दोनों निवासी-ए-286, संगम पार्क, राणा प्रताप बाग, मलका गंज, दिल्ली-110007 ने अपनी पुत्री हिमांशी को इसके दुर्व्यवहार एवं गलत कुकृत्यों के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है तथा अपने तमाम रिश्ते-नाते एवं सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। यदि कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किलों की पुत्री के साथ भविष्य में किसी प्रकार का कोई लेन-देन या किसी प्रकार का कोई करार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा उसके लिए मेरे मुवक्किल व उनके परिवार के सदस्य किसी भी तरह से जिम्मेदार नही होंगे।
पिताबास दास अधिवक्ता
Chamber No.444 Lawyers Block,
Saket Courts, New Delhi

NAME CHANGE
I RAQIB S/O ABDUL RASHID R/O H NO-463 GALI BAHAR WALI CHATTA LAL MIYAN DARYA GANJ DELHI-110002 HAVE CHANGED MY NAME TO ABDUL RAQIB

PUBLIC NOTICE
It is hereby informed that, my clients Mohammad Istiyak S/o Nasruddin, and Smt. Sabra W/o Mohammad Istiyak R/o House No. 156, Mohalla Kallu Potla, Chandan Hola, South Delhi, Delhi-110074 have severed all their relations with their son Hashim @ Pandit and his wife Samreen and disowned them from all their moveable & immovable assets due to their misconduct and inappropriate behaviour and bad habits. Anybody dealing with them in present and future, my clients shall not be liable/responsible for the same. My clients will not be responsible for their any act or deed.
S. Firoz (Advocate)
Chamber No. 352 Saket Courts
New Delhi-110017

NAME CHANGE
I, POOJA GUSAIN W/O SANDEEP SINGH GUSAIN R/O H.No. 3/535, Dakshinpuri Ex., Dr. Ambedkar Nagar, P.O. Pushpa Bhawan, South Distt., New Delhi- 110062, I have changed my name from POOJA BISHT TO POOJA GUSAIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Sneha Malhotra D/o Sachin Malhotra R/o H No-243/6 Kalaian Mohalla Qila Road Rohtak-124001 have changed my name to Sneha for all Purposes

NAME CHANGE
I, Sachin s/o Kundan Lal Malhotra R/o H No-243/6 Kalaian Mohalla Qila Road Rohtak-124001 have changed my name to Sachin Malhotra for all Purposes

NAME CHANGE
It is for general information that I, RADHIKA PAL D/o NARESH PAL, R/o Khasra No. 14/9, Nathu Colony, Nathupura, Burari, PO: Burari, Dist: North Delhi, Delhi - 110084, declare that name of mine and my Father have been wrongly written as RADHIKA and NARESH KUMAR in my OBC Certificate No. OBC/02/928/3714/8/ 10/2013/ 90509281036483. The actual name of mine and my Father are RADHIKA PAL and NARESH PAL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHAHINA PARVEEN D/o ALI AHMAD, R/o A-187, Thokar No. 6, Ek Minar Masjid, Shaheen Bagh, Okhla, PO: New Friends Colony, Dist: South Delhi, Delhi - 110025 declare that name of my father has been wrongly written as MOHD ALI AHMED in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father is ALI AHMAD, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as VIMLA DEVI alias URMILA W/O GOVIND R/O 180, Union Bank Of India, Mukhmelpur, Narela, North West Delhi, Delhi - 110036 have changed my name and shall hereafter be known as URMILA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MONU KUMAR S/O RAM SHANKAR KUNWAR R/O F-21, Old Jasola Village, New Friends Colony, South East Delhi-110025 have changed my name and shall hereafter be known as ABHIMANYU KUMAR.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, VINOD MATHUR S/O UMESH MATHUR R/O 532, SUDHAR CAMP, KALKAJI, KALKAJI, SOUTH DELHI, DELHI-110019 declare that name of mine has been wrongly written as AJAY MATHUR in my Family Ration Card-077002157470. The actual name of mine is VINOD MATHUR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
BE IT KNOWN IN PUBLIC IN GENERAL MY CLIENT SHRIMATI NEELU DEVI WIFE OF SHRI VINOD SHAH RESIDENT OF HOUSE NO. U-1/5,7 GALI NO. 02, PREM NAGAR-II, KIRARI SULEMAN NAGAR, DELHI HAVE DEBARRED AND DISOWNED HER SON VEER PRAKASH AND HER DAUGHTER IN LAW RAJ NANDINI FROM ALL HIS MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES IN ALL MANNERS IF ANY ONE DEALS WITH THEM, THEY WILL DO SO AT THEM THEIR OWN RISKS, COSTS AND CONSEQUENCES. MY x CLIENT SHALL NOT BE future Ly Mohit Bharadwaj Inroll no1870/2023 chamber no o2 Nr sdm office kanjhawala delhi- 81

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Mrs. Uma Garg** is the owner of Unit bearing no. 202 on First Floor without roof rights, Front Middle Portion, area measuring 65 sq. yards., i.e., 54.3465 sq. meters., "Said Unit" built on Property bearing no. 22/1, area measuring 225 sq yards., i.e., 188.1225 sq. meters., out of Khasra no. 37/13 situated in the Revenue Estate of village Nangli Sakrawati, Delhi, New Delhi-110043 through Sale Deed dated 19.07.2024 as doc. No. 2024/16/I/9617 executed by Mr. Manish Garg in favour of Mrs. Uma Garg in respect of said unit.
Mrs. Uma Garg is in the process of mortgaging the said Unit with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 7 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 7-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 7-days period by contacting
Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE
It is for general information that I, Ushan Sharma S/o Anand Kishor R/o H.No-4489-A/10, Jai Mata Market, Tri Nagar, Onkar Nagar, North West Delhi, Delhi-110035 declare that name of my father has been wrongly written as Anand Sharma in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my father is Anand Kishor.

PUBLIC NOTICE
It is hereby informed that, my clients Mohammad Istiyak S/o Nasruddin, and Smt. Sabra W/o Mohammad Istiyak R/o House No. 156, Mohalla Kallu Potla, Chandan Hola, South Delhi, Delhi-110074 have severed all their relations with their son Hashim @ Pandit and his wife Samreen and disowned them from all their moveable & immovable assets due to their misconduct and inappropriate behaviour and bad habits. Anybody dealing with them in present and future, my clients shall not be liable/responsible for the same. My clients will not be responsible for their any act or deed.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Ms. Sandhya Shroti D/o Mr. Shiv Shankar Sharma is the owner of Freehold Residential Flat No. 1 on Ground Floor (without roof right) super area measuring 69.68 Sq. Mtrs. Built on Plot area measuring 275 Sq. Yds. Out of Khata no. 00153 Khasra no. 82 Situated at Village Sarfabad Tehsil Dadri District Gautam Budh Nagar Uttar Pradesh. by virtue of Sale Deed dated 07.08.2024 as Doc No. 8950 in Book No. 1 Vol No. 12985 on Page no. 89-108 SR- Noida-I. in the chain document below mentioned documents not available i.e. Original/Copy of Reg. GPA, ATS & Will dated 23.05.2017 executed by Mr. Roop Chand Yadav S/o Mr. Hukmi Yadav in favor of Mr. Dhanvir S/o Mr. Rupchand in respect of said/entire property as Doc No. 266 in Book No. 4 Vol No. 1278 on Page no. 35-58 SR- I Noida. now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by UJJIVAN SMALL FINANCE BANK LTD. Branch: Noida-18, Uttar PradeshIf any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 14 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I NEHA KUMARI D/o KHEM CHAND R/O 10888 IDGAH ROAD MOTIA KHAN PAHAR GANJ CENTRAL DELHI 110055 have changed my name to NEHA

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mohd. Mokim Ali & Mrs. Gulshana is/are purchasing Residential Built-Up portion of Plot No. 54 & 55, land area measuring 66.66 Sq. Yds., Out of Khasra No. 18/21, 17/25, Situated in the area of Village- Razapur Khurd, Delhi and the Colony Known as Mohan Garden in Block-R-III/A-1, Uttam Nagar New Delhi-110059 from Mr. Muneesh who is the owner of the abovementioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 24.10.2011 and intend to get the financial assistance from SMFG India Home Finance Company Limited. If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Meenakshi Jindal W/o Nitin Jindal is the owner of Freehold Residential Entire Ground Floor without Roof rights Built on Property No. 76 land area measuring 60 sq. mtrs. and Property No. 77 area measuring 60 sq. mtrs. Block and Pocket No. C-3, Situated at Rohini Delhi-110085. by virtue of Gift Deed Dated 10.07.2017 As Doc no. 5805 Book no. 1, Vol no. 7409, Pages- 38-49, SRO- VI, New Delhi/Delhi & Gift Deed Dated 10.07.2017 As Doc no. 5806 Book no. 1, Vol no. 7409, Pages- 50-61, SRO- VI, New Delhi/Delhi., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Same property sold too be Mrs. Saroj Banasal and same has been finance by AAVAS FINANCIERS LIMITED Branch: Vikas Marg, Delhi.If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Ramesh Kumar S/O Mangi Ram, R/O B - 323, BALBIR VIHAR, KIRARI SULEMAN NAGAR, North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of mine has been wrongly written as Ramesh in my minor daughter namely Kalpana 13 years in her school records. The actual name of mine is Ramesh Kumar. which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client (SMFG India Credit Co. Ltd.) that one Mrs. Jaya Chopra is claiming to be the owner of **(i) Residential Entire Second Floor with roof rights built on Western side portion of Property bearing No. WZ-242-A, area measuring 48.33 sq. yds., out of Khasra No. 212, situated in the area of Village Nangal Raya, Colony known as Lajwanti Garden, New Delhi,** vide Sale Deed dated 31.10.2011, duly registered as Doc. No.14698 executed by Mrs. Sunanda Bakshi and **(ii) North West Side First, Second and Third Floor with roof rights built on Property bearing No. WZ-227, area measuring 50 sq. yds., out of Khasra No. 214/2, situated in the area of Village Nangal Raya, Delhi State Delhi, Colony known as Lajwanti Garden, New Delhi-110046** vide Sale Deed dated 10.01.2019, duly registered as Doc. No.166 executed by Mr. Mahinder Kumar Jain. All persons are hereby informed that above owner wants to mortgage the said properties and intends to obtain a loan from our client (SMFG India Credit Co. Ltd.) against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said properties, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
For Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg,
Moti Nagar, New Delhi-15
legal@knalegal.com
Ph: 011-41112527-28

NAME CHANGE
I, RAJESHWARI M Mother of No-2606876Y Rank-CHM Name-DINESH KANTH R Presently residing at VPO-ROBERTSON PET, TK-BANGARAPET, DIST-KOLAR, KARNATAKA-563122, have changed my name from RAJESHWARI M to RAJESWARI for all future purposes vide Affidavit dated 19/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAJAKANTHA N K Father of No-2606876Y Rank-CHM Name-DINESH KANTH R Presently residing at VPO-ROBERTSON PET, TK-BANGARAPET, DIST-KOLAR, KARNATAKA-563122, have changed my name from RAJAKANTHA N K to K RAJAKANTHAN for all future purposes vide Affidavit dated 19/05/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at H NO-9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my wife's name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 19/05/2025 before Notary Public, Shillong, Meghalaya.

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना– ई – टेंडरिग द्वारा निविदा आमंत्रण (ई–प्रोक्योरमेंट प्रणाली)

क्र. सं.	निविदा सूचना संख्या	कार्य का नाम व स्थान	कार्य की अनुमानित लागत	धरोहर राशि
1	32-W-BR-73-53-SIDEPATHWAY Dt. 19.05.25	अधि. अभि. पुल लाइन/मुरादाबाद के क्षेत्राधिकार के ब्रिज नंबर – 53 SL (1x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –73 SL (8x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –79 SL (1x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –87 SL (4x18.30 मीटर, ब्रिज नंबर –89 SL (3x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –90 SL (5x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –91 SL (4x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर–92 SL (8x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर–93 SL (4x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर – 96 SL (3x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर –98 SL (3x18.30 + 2x9.15 मीटर) और ब्रिज नंबर – 99 SL (3x18.30 मीटर), ब्रिज नंबर – 155 SL (1x45.70 मीटर) के साइड पाथवे का प्रावधान।	₹ 29866583.93	₹ 299300/-

कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 महीने	निविदा जमा करने व खुलने का समय	दिनांक 13.06.2025 को 15.00 बजे तक तथा इसी दिनांक में निविदा खुलने का समय 15:00 बजे के पश्चात।

नोटः उपरोक्त निविदा प्रपत्र वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है जहां से विवरण निविदा व्याख्या को देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1466/25

मेवात की राजधानी कहे जाने वाले बडकली चौक पर समाजसेवियों ने लगाया वाटर कूलर

नूंह। मेवात की राजधानी कहे जाने वाली बडकली चौक पर चिलचिलाती हुई तेज गर्मी में आए दिन यहां से गुजरने वाले हजारों यात्रियों को पीने का पानी न मिलने पर व बडकली चौक पर जिला प्रशासन या सरकार द्वारा कोई सुविधा न मिलने पर लोगों को भारी परेशानियों का सामना उठाना पड़ रहा था। जिसकी गुहार नूंह जिले के समाजसेवियों ने सोशल मीडिया पर उठाई और लोगों से मदद की भी गुहार लगाई। लेकिन ना तो किसी नेता और ना ही जिला प्रशासन द्वारा चिलचिलाती हुई गर्मी में बडकली चौक पर पीने के पानी की व्यवस्था नहीं कराई गई , जिससे लोगों को यहां पर अपनी जेब से पैसा खर्च कर पीने का पानी खरीदना पड़ रहा था। वहीं वरिष्ठ समाजसेवी मुबारिक अटेरना ने जब इस बात को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों से मदद मांगी तो हसन मोहम्मद उर्फ मुन्ना रोनपुर निवासी ने आगे आकर बडकली चौक पर अपनी ओर से एक नया वाटर कूलर लगाकर बडकली चौक पुलिस चेक पोस्ट पर रखवाया। जहां पर इस दौरान नगीना थाने के पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे।।

एसपी राजेश कुमार ने डीएसपी , थाना व चौकी प्रभारियों के साथ ली बैठक, अपराध नियंत्रण के दिये दिशा-निर्देश

नूंह। एसपी राजेश कुमार ने रविवार को जिला पुलिस मुख्यालय के सभागार कक्ष में जिला नूंह के सभी पर्यवेक्षण अधिकारी, प्रबन्धक थाना एवं स्टाफ प्रभारियों की अपराध गोष्ठी आयोजित कर क्राईम कंट्रोल के लिये कडे दिशा-निर्देश दिये । इस दौरान उन्होनें क्राईम डायरी की समीक्षा करते हुए मेहनत व ईमानदारी से कार्य समय अवधि पर करने के निर्देश दिए, इसके साथ कहा कि जिले को अपराध मुक्त करने के लिये भरसक प्रयास किये जाएगें । उन्होने माननीय पुलिस महानिदेशक हरियाणा की अध्यक्षता में पिछले दिनों आयोजित क्राईम मीटिंग में दिए गए निर्देशों को ब्रिफ करते हुए आदेशों की कडाई से पालना बारे निर्देश दिए । उन्होनें कहा कि थाना एवं कार्यालय में आने वाले किसी भी आमजन / शिकायतकर्ता से पुलिस कर्मचारी सभ्य तरीके से पेश आएं तथा भ्रष्टाचार किसी भी सुरत में बर्दाशत नहीं किया जाएगा । पुलिस अधीक्षक नूंह ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, साइबर अपराध, नशा, गौकशी, अवैध माइनिंग, ओवरलोड वाहन, वाहन चोरी पर अंकुश लगाने सहित अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम पर प्राथमिकता रहेगी । ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने व सडक दुर्घटनाओं को रोकने के लिये भी पुलिस प्रशासन की तरफ से हर संभव प्रयास किये जायेंगे ।

रंगभूमि एम्फीथिएटर में 'ग्रीष्म उत्सव' की संगीतमय संध्या सम्पन्न

गुरुग्राम। सांस्कृतिक संस्था कलाग्राम द्वारा आयोजित वार्षिक 'ग्रीष्म उत्सव' के अंतर्गत, रंगभूमि एम्फीथिएटर, सेक्टर 29, गुरुग्राम में एक भव्य संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया। हल्की फुहारों के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में सुर, लय, नृत्य और भावों का अनुपम संगम देखने को मिला, जिसने दर्शकों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया। कार्यक्रम में निगम पार्षद कुलदीप यादव बतौर मुख्यातिथि व विधु कालरा बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। संध्या का आरंभ सार्थक मोहंती के नेतृत्व वाले 'ब्रह्मनाद' समूह के किशोरवय तबला वादकों की प्रभावशाली प्रस्तुति से हुआ, जिसने उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पश्चात सोमा रे एवं उनकी शिष्याओं द्वारा प्रस्तुत भरतनाट्यम रचनाएँ 'रावण-आनन' एवं 'शिवतांडव' ने भाव और नृत्य की अद्भुत समन्विति दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत की। शिवली द्वारा राग 'पूरीया धनाश्री' की प्रस्तुति ने वातावरण को भक्ति और शांति से भर दिया। तत्पश्चात लिप्सा सतपथी एवं उनके विद्यार्थियों द्वारा ओडिसी नृत्य रचना 'पंचभूतम्' का सजीव मंचन किया गया, जिसमें प्रकृति के पाँच तत्वों–पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का कलात्मक चित्रण प्रस्तुत किया गया।

सुशील कटारिया चुने गए सलाह के जिलाध्यक्ष

गुरुग्राम। स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा (सलाह) की गुरुग्राम इकाई का चुनाव सर्वसम्मति से पर्यवेक्षक नाजिम आजाद की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में संगठन से जुड़े सदस्य शामिल रहे। संस्था के प्रवक्ता ने बताया कि डा. सुशील कटारिया को संगठन का जिलाध्यक्ष चुना गया है।

सुनील यादव को जिला संयोजक तथा कुलदीप खटाना को राज्य कार्यकारिणी में शामिल किया गया। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष अशोक शर्मा, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष अजय मलिक मुख्य रुप से मौजूद रहे। उन्होंने सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के प्रति निष्ठा और निस्वार्थ भाव से कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सलाह का उद्देश्य शिक्षकों की समस्याओं का समाधान एवं उनके हितों की रक्षा करना है, और इसके लिए हर स्तर पर समर्पित प्रयास आवश्यक हैं। मेवात के जिलाध्यक्ष रमन रोहिल्ला ने गुरुग्राम इकाई को समन्वय की आशा के साथ पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने वाटिका सिटी में 33 केवी बिजली सब स्टेशन का किया उद्घाटन

गुरुग्राम को पायलट प्रोजेक्ट के तहत 3 माह में किया जाएगा पॉलीथिन मुक्तः राव नरवीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को निर्बाध, विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इस दिशा में विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बिजली कनेक्टिविटी को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, वितरण तंत्र को आधुनिक बनाने, ट्रांसफॉर्मर क्षमता बढ़ाने और स्मार्ट मीटरिंग को बढ़ावा देने के लिए भी अनेक कदम उठाए गए हैं। हर घर को गुणवत्तापूर्ण और स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने के प्रयासों के इसी क्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम के वाटिका सिटी क्षेत्र में 33 केवी के नवीन बिजली सब स्टेशन का विधिवत उद्घाटन किया।

कैबिनेट मंत्री ने इस अवसर पर पौधारोपण करने उपरान्त अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार नागरिकों को समयबद्धता के साथ उच्च स्तरीय बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम को जाम मुक्त और सुगम यातायात व्यवस्था वाला शहर बनाने के लिए वर्ष 2025 में विभिन्न परियोजनाओं को धरातल पर लाया जाएगा और उनका त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में सरकार के स्तर पर विभिन्न गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में उन्होंने चंडीगढ़ में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की है। जिसमें गुरुग्राम को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लेकर तीन माह में पॉलीथिन मुक्त शहर बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य एकल-प्रयोग पॉलीथिन के उपयोग को पूरी तरह समाप्त करना और इसके स्थान पर पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाना है। उन्होंने कहा इस मुहिम का उद्देश्य केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि नागरिकों में जागरूकता फैलाना और उन्हें इस परिवर्तन में सहभागी बनाना है। इस अवसर पर डीएचबीवीएन के सर्कल 2 के एसई मनोज यादव, एक्सईएन प्रमोद कुमार, वाटिका सिटी की अध्यक्ष श्वेता पॉल, महासचिव पवन सिंह, कोषाध्यक्ष प्रवीण अरोड़ा, सतबीर यादव, पूर्व पार्षद ब्रहम यादव, राकेश यादव सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

हुड़दंग करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

गुरुग्राम। शराब पीकर सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग करके आमजन की शांति भंग करने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि

पुलिस थाना सैक्टर-56ने गस्त ड्यूटी पर थी, इसी दौरान पुलिस टीम द्वारा हुड़दंग करके आमजन की शांति भंग करने वाले 4 आरोपियों नरेश, अजय, सुशील व अनिल को काबू किया है।

पाकिस्तान को जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए अरमान से पुलिस जांच में मिले कई सबूत

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अरमान दे रहा था पाकिस्तान को खुफिया जानकारी

एजेंसी

नूंह। नूंह पुलिस द्वारा पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले नूंह जिले के अरमान को लेकर नूंह पुलिस ने प्रेसवार्ता की। इस दौरान नूंह के डीएसपी अजायब सिंह ने कहा कि नूंह की नगीना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दुश्मन देश पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले अरमान को उसके गांव राजाका से गिरफ्तार किया था। आपको बता दें कि नूंह पुलिस ने शुक्रवार की सायं पाकिस्तान के दुतावास में कर्मचारी दानिश के लिए खुफिया जानकारी और सेना की सुरक्षा की जानकारी देने के आरोप में नूंह जिले के नगीना थाना क्षेत्र के गांव राजाका निवासी अरमान को गिरफ्तार किया था।पुलिस को प्राथमिक जांच में पता चला है कि अरमान 2023 में पहली बार पाकिस्तान गया था, जहां उसकी मुलाकात दिल्ली पाकिस्तान के दुतावास में कर्मचारी दानिश से मुलाकात हुई। आरोपी अरमान पाक के उच्चायोग कर्मचारी दानिश को ही सभी जानकारियां मुहैया कराता था और देश के साथ गद्दारी करने का काम करता था। आरोपी अरमान जिसकी आयु लगभग 23 वर्ष है जो

अभी तक दो बार पाकिस्तान की यात्रा कर चुका। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार किए जाने पर आरोपी अरमान के जहां पासपोर्ट की जांच की जा रही है,वही पुलिस इस मामले में गहनता से जांच कर रही है। डीएसपी अजायब सिंह ने बताया कि

शनिवार को नगीना पुलिस ने आरोपी अरमान को नूंह अदालत में पेश किया जहां से माननीय अदालत ने आरोपी को 6 दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंपा है। डीएसपी अजायब सिंह ने बताया कि रिमांड के दौरान आरोपी अरमान से गहनता से जांच कर पुछताछ की जाएगी और पता लगाया जाएगा कि इस काम में ओर कोन-कोन उसके साथ है। अजायब सिंह ने कहा, 'नगीना पुलिस को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर 16 मई को अरमान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। वह व्यक्ति भारत-पाक संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को गुप्त सूचना दे रहा था। वह 6 दिन के रिमांड पर है और हम उससे सूचना एकत्र कर रहे हैं। हमारे पास सबूत हैं और हम अपनी जांच को आगे बढ़ा रहे हैं।'

डीएसपी ने बताया, 'कुछ इनपुट मिलने पर हमने अरमान को गिरफ्तार किया था। वह पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहा था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कुछ इंफॉर्मेशन भेज रहा था। इसके पास से कुछ मोबाइल जब्त किए गए हैं। फिलहाल वह पुलिस कस्टडी में है। इसके जरिए और भी संदिग्धों को पकड़ने की कवायद जारी है।' उन्होंने बताया कि अरमान नूह के नगीना थाना क्षेत्र के गांव राजाका का रहने वाला था। अरमान के कुछ रिश्तेदार पाकिस्तान में हैं और वो भी पाकिस्तान आया जाया करता था। अरमान, दानिश नाम के पाकिस्तानी हाई कमीशन के व्यक्ति को मोबाइल सिम भी भेजा करता था ।

प्रोफेसर अली खान को पुलिस ने किया गिरफ्तार, सेना व महिला अधिकारियों पर विवादित टिप्पणी का आरोप

एजेंसी

सोनीपत। प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ भारतीय सेना की महिला अधिकारियों पर सोशल मीडिया के माध्यम से विवादित टिप्पणी करने के आरोप में दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया है।

विभिन्न धाराओं में केस दर्ज

गांव जठेड़ी के सरपंच और हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन की शिकायतों पर अलग-अलग केस दर्ज किए गए हैं। अली खान पर सोशल मीडिया के जरिए सेना की महिला अधिकारियों के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। जठेड़ी के सरपंच योगेश ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152, 196(1), 197(1) और 299 के तहत मुकदमा दर्ज करवाया है।

महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया की शिकायत पर बीएनएस की धारा 353, 79, 152 और 169(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। महिला आयोग की चेयरपर्सन के बयान पर दर्ज मुकदमे में पुलिस आरोपी प्रोफेसर

को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेगी। पुलिस कोर्ट से पांच दिन के रिमांड की मांग करेगी। डीसीपी नरेंद्र कादियान ने यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

बता दें कि प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद पर आरोप है कि उन्होंने 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की, जिसमें भारतीय सेना की दो महिला अधिकारियों, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के योगदान को कमतर आंकने और सैन्य कार्रवाई को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की। इन टिप्पणियों को महिला आयोग ने महिला अधिकारियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने और सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने वाला माना।

पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला हमारे पूजनीय, जेजेपी के सभी पोस्टरों पर लगेगी फोटोः दुष्यंत चौटाला

10 जून से एक महीने तक जेजेपी चलाएगी सदस्यता अभियान

एजेंसी

हिसार। जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने हिसार के उकलाना हलके में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा को भाखड़ा और सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर का पानी दिलाने की मांग को लेकर जेजेपी जल्द ही हरियाणा और पंजाब के राज्यपालों से मुलाकात करेगी। इसके साथ ही, पार्टी ने फैसला लिया है कि अब सभी जेजेपी के पोस्टरों में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. ओमप्रकाश चौटाला की तस्वीर भी शामिल की जाएगी। दुष्यंत चौटाला उकलाना हलके के गांव फरीदपुर, खेदड़ और ब्याना खेड़ा में ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के सुख-दुख में हिस्सा लिया और कार्यकर्ताओं को हाल ही में रोहतक में आयोजित बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने रोहतक में पार्टी के नए प्रदेश कार्यालय में नवनियुक्त जिलाध्यक्षों, प्रभारियों

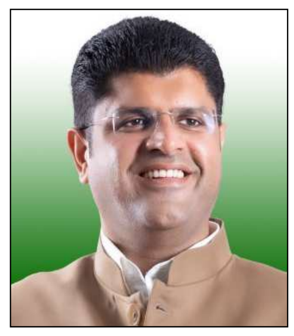

और जिला प्रवक्ताओं की बैठक में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए थे।

सदस्यता अभियान और संगठन मजबूती पर जोर

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जेजेपी प्रदेशभर में मजबूत संगठन खड़ा करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि आगामी 10 जून से 10 जुलाई तक पूरे हरियाणा में व्यापक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा, जल्द ही हलका अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा की जाएगी, जिसके लिए सभी जिला प्रभारियों और जिलाध्यक्षों के साथ विचार-विमर्श पूरा हो चुका है।

उन्होंने बताया कि रोहतक में बस स्टैंड के नजदीक जेजेपी के नए प्रदेश कार्यालय को स्थापित किया गया है। इस कार्यालय में हर महीने की 5 और 20 तारीख को विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें नए लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा।

पेयजल संकट पर जेजेपी की पहल

पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने हरियाणा में गहराते पेयजल संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही हैं।

उपराष्ट्रपति के जन्मदिन पर रोटरी रसोई पर लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

एजेंसी

नारनौल।देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 75वें जन्मदिन के अवसर पर रोटरी क्लब के तत्वावधान में जीके मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जीके मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल से डा. विवेक व डा. गौरव खोश्या ने अपनी सेवाएं दीं। चिकित्सा शिविर प्रोजेक्ट के इंचार्ज रोटेरियन पवन यादव एवं मुकेश देवी ने बताया कि शिविर के दौरान करीब 104 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा आवश्यकता अनुसार दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गई। रोटरी क्लब प्रधान विनोद चौधरी ने कहा कि देश के उपराष्ट्रपति माननीय जगदीप धनखड़ जमीन से जुड़े व्यक्ति हैं। उनके उदार स्वभाव व जनचिंतन की भावना को देखते हुए रोटरी क्लब द्वारा आज उनके जन्मदिन पर इस चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया। साथ ही उपराष्ट्रपति के जन्मदिन के अवसर पर करीब 300 लोगों ने रोटरी रसोई के माध्यम से भोजन ग्रहण किया। रोटेरियन विनोद चौधरी ने बताया कि जगदीप धनखड़ का शुरू से ही नारनौल से विशेष लगाव रहा है और

किसानों के प्रति सदा सकारात्मक सोच रखते हैं। उनके उप राष्ट्रपति बनने से कमेरे व किसान वर्ग का मान सम्मान बढ़ा है। मृदु भाषी व मिलनसार व्यक्तित्व के धनी जगदीप धनखड़ के जरूरतमंद लोगों के प्रति चिंतन के भाव रखने के कारण ही उनके जन्मदिन पर रसोई के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को भोजन करवाकर उनके जन्मदिन को यादगार बनाया गया। इस अवसर पर विनोद चौधरी, राजकुमार यादव एडवोकेट, गोपाल मित्तल, पवन यादव, विजय जिंदल, पवन गुप्ता, नरेश गोगिया, नवीन गुप्ता, विवेक अग्रवाल, डा. दिनेश गर्ग, डॉक्टर रजनी गर्ग, संदीप नूनीवाला, डा. विवेक, डॉक्टर गौरव खोश्या, प्रवीण छाबड़ा, हिमांशु अग्रवाल, मोहित शर्मा, संजय गर्ग, विनेश जिंदल, शुभम जिंदल, सोमदत्त शर्मा, सुधीर यादव, मुकेश, त्रिलोक सोनी, सुरेंद्र यादव आदि सभी रोटरी सदस्य उपस्थित थे।

राधे-राधे के उल्लास में डूबी 122वीं राधा कृष्ण प्रभात फेरी

एजेंसी

नारनौल। 122वीं राधा कृष्ण प्रभात फेरी का आयोजन राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन की ओर से बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ स्थानीय हुड्डा सेक्टर फेस-2 से किया गया। यह प्रभात फेरी अध्यात्म, भक्ति और सांस्कृतिक उत्सव का सुंदर संगम रही। मुख्य यजमान श्री महावीर प्रसाद गर्ग ने अपने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती उतारी और सभी भक्तों को चंदन तिलक कर पुण्य का भागी बनाया। इस आयोजन में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु, जिनमें बच्चे,

बुजुर्ग, महिलाएं और युवा शामिल थे, ढोल-नगाड़ों की गूंज और मंजीरों की मधुर धुन पर राधे-राधे के जयघोष करते हुए नाचते-गाते प्रभात फेरी में शामिल हुए। प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर हुड्डा सेक्टर के मुख्य मार्ग से होती हुई चमत्कारी बालाजी मंदिर तक पहुंची। मंदिर की परिक्रमा कर यह फेरी पुनः प्रारंभिक स्थल पर समापन को पहुंची। पूरी परिक्रमा के दौरान वातावरण भक्ति रस से सराबोर रहा। जगह-जगह फूलों की वर्षा की गई, महिलाएं भावविभोर होकर नृत्य करती रहीं और श्रद्धालु घरों से बाहर आकर ठाकुर जी के दर्शन करते रहे।

तावडू में गर्मी और लू से लोगों का हुआ हाल बेहाल, शिक्षा विभाग से अभिभावकों ने की जल्द अवकाश की मांग

ऑनलाइन होटल बुकिंग के नाम पर करता था ठगी

एजेंसी

तावडू। शहर व क्षेत्र में गर्मी के तेवर तेज होते ही जा रहे हैं। इन दिनों पड रही गर्मी के कारण जनजीवन परेशान नजर आ रहा है। गर्मी के चलते लोग बीमारियों का भी शिकार बन रहे हैं। दोपहर से लेकर शाम तक लू चलने से सडक़ों पर निकलना मुश्किल हो गया है।

धूप और लू के थपेड़ों से बचने के लिए लोगों को मुंह पर कपड़ा बांधना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने शिक्षा विभाग से जल्द गर्मियों के अवकाश की मांग की है। जानकारी के अनुसार तापमान में लगातार बढ़ोतरी होने का असर आम जनजीवन पर साफ नजर आ रहा है। इन दिनों गर्मी व गर्म हवाओं से मानव जीवन पर प्रभाव साफ नजर आ रहा है। गत शनिवार को सुबह से गर्मी ने सभी को परेशान करके रखा। धूप और लू के थपेड़ों से बचने के लिए लोगों को मुंह पर कपड़ा बांधना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हुई, जो तपती दोपहर में स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौटते दिखे। शिक्षा विभाग से क्षेत्रवासियों ने आह्वान किया है कि अवकाश जल्द कराएं या फिर स्कूलों का समय प्रातः

7 बजे से 12 बजे कर दिया जाए।

सुबह से ही धूप ने किया परेशानः रविवार की सुबह से ही तेज धूप निकली। सूरज के तेवर इतने तल्ख थे कि सुबह आठ बजे से ही लू का असर नजर आने लगा। इससे लोगों को छाया और ठंडे पानी का सहारा लेना पड़ा। बाजारों में भी दोपहर के समय भीड़ नहीं दिखी।लू के लक्षण व उपायः बढ़ती गर्मी को लेकर चिकित्सकों ने भी लोगों से विशेष एहतियात बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे मौसम में अगर सावधानी से काम लिया जाए तो बीमारियों से बच्चों को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लू लगने के लक्षणों में उल्टी-दस्त ज्यादा होता

PUBLIC NOTICE

It is for general information that MOHIT SONI S/o PAWAN KUMAR , R/o 1812/31, Kamla Nagar, Rohtak-124001, Haryana declare that name of mine has been wrongly written as MOHIT in my 10th and 12th Educational Documents. The actual name of mine is MOHIT SONI respectively, which may be amended accordingly

गुरूग्राम पुलिस ने प्रभावी रूप से चलाया ऑपरेशन आक्रमण, 146 आरोपियों को किया काबू

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस महानिदेशक हरियाणा शत्रुजीत कपूर के आदेशानुसार व पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के निर्देशानुसार गुरुग्राम पुलिस के सभी पुलिस उपायुक्तों की देखरेख में अपराध शाखाओं, थाना प्रबन्धकों, पुलिस चौकी प्रभारियों सहित गुरुग्राम पुलिस की कुल 210 पुलिस टीमों द्वारा चोरी करने वाले आरोपियों, अवैध शराब रखने/बेचने वालों, अवैध मादक पदार्थ रखने/बेचने वालों, जुआ खेलने/खिलाने वालों, वांछित अपराधियों, साईबर ठगी सहित विभिन्न अपराधों में संलिप्त/सक्रिय अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही की गई। इस विशेष अभियान में गुरुग्राम पुलिस के कुल 972 पुलिस कर्मचारियों/अधिकारियों की कुल 210 पुलिस टीमें गठित की गई, जिनके द्वारा एक ही समय पर एकजुट होकर विभिन्न स्थानों पर इस विशेष अभियान ऑपरेशन आक्रमण के तहत अपराधियों/अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए 55 उद्घोषित अपराधियों/जमनोत्तर अपराधियों सहित विभिन्न अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त/सक्रिय कुल 146 आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है, जिनके खिलाफ सम्बन्धित थानों में कुल 71 अभियोग अंकित करके नियमानुसार कार्यवाही की गई। इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा डकैती करने के मामले में एक आरोपी, छीनाझपटी करने के मामले में 3 आरोपियों, सेंधमारी करने के मामले में आरोपी, वाहन चोरी करने वाले 4 आरोपियों को व अन्य अपराधिक अभियोगों/मामलों में संलिप्त 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा गुमशुदा/लापता हुए व्यक्तियों/बच्चों को भी ढूंढा गया। गुरुग्राम पुलिस की टीमों द्वारा इस अभियान के दौरान काबू/गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जा से अवैध शराब (691 बोतलें देशी शराब, 111.5 बोतलें अंग्रेजी शराब व 326 बोतलें बियर), 1.718 किलोग्राम गांजा, 13.25 ग्राम एमडीएमए 3 देशी पिस्टल, 3 जिंदा कारतूस, 1 बाईक व 16 हजार 80 रुपयों की नगदी बरामद की गईतथा इस दौरान ब्लैक फिल्म वाहनों के 50 चालान, ट्रिपल राइडिंग सवारी के 197 चालान, गलत लेन में ड्राईव करने वाले 620 वाहन चालकों/मालिकों के चलान भी किए गए।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में यूको बैंक के पूर्व सीएमडी गोयल को किया गिरफ्तार

इंदौर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को बताया कि उसने यूको बैंक के पूर्व सीएमडी सुबोध कुमार गोयल को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ कोलकाता स्थित एक कंपनी से जुड़े 6,200 करोड़ रुपये से अधिक के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में धन शोधन के आरोप में कार्रवाई की गई है। गोयल को कॉनकास्ट स्टील एंड पावर लिमिटेड (सीएसपीएल) और अन्य के खिलाफ जांच के मामले में 16 मई को यहां उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उन्हें 17 मई को कोलकाता में विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें 21 मई तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। इस जांच के तहत ईडी ने अप्रैल में गोयल और कुछ अन्य के परिसरों पर छापे मारे थे। धन शोधन का यह मामला सीएसपीएल को ऋण सुविधाएं स्वीकृत करने और उसके बाद 6,210.72 करोड़ रुपये (ब्याज के बिना मूल राशि) के ऋण को बड़े पैमाने पर 'डायवर्ट' और 'हेरफेर' करने से संबंधित सीबीआई की प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ है। ईडी ने दावा किया है कि यूको बैंक के सीएमडी के रूप में गोयल के कार्यकाल के दौरान, सीएसपीएल को बड़ी ऋण सुविधाएं स्वीकृत की गईं। जिन्हें बाद में उधारकर्ता समूह की ओर से ÷डायवर्ट÷ और हस्तांतरित कर दिया गया। आरोप हैं कि बदले में, गोयल को सीएसपीएल से काफी रिश्वत मिली।

पहले से ज्यादा खर्चीली होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा, चीन ने 20 हजार तक बढ़ाया शुल्क

नई दिल्ली। पांच वर्षों के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा होने जा रही है। हालांकि इस बार यात्रा पहले से खर्चीली होगी। चीन ने 17 से 20 हजार तक शुल्क बढ़ा दिया है। दरअसल, यात्रा दो मार्गों से होती है।?पहला उत्तराखंड का लिपुलेख मार्ग है और दूसरा नाथूला के रास्ते। लिपुलेख मार्ग से कितना आएगा खर्च? लिपुलेख मार्ग से यात्रा पर इस बार 1.84 लाख रुपये खर्च होंगे, जिसमें 95 हजार चीन की फीस होगी। 2019 में 1.30 लाख रुपये खर्च होते थे। तब चीन का शुल्क 77 हजार रुपये था। दूसरी ओर नाथूला मार्ग से यात्रा की तैयारियां तेज हैं। इस मार्ग से यात्रा करने पर चीन प्रति यात्री 2.05 लाख रुपये वसूल करेगा। इस मार्ग से यात्रा पर कुल खर्च 2.84 लाख रुपये आएगा। दोनों मार्गों से 17000 से 25000 रुपये तक खर्चा बढ़ा है। सिक्किम सरकार बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाई है। विधायक थिनले शेरिंग भूटिया ने कहा कि राज्य की राजधानी गंगटोक और नाथू ला के बीच दो जलवायु अनुकूलन केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। पहले लिपुलेख से कैलाश मानसरोवर यात्रा में 20-21 दिन लगते थे जबकि इस बार 23 दिन लगेंगे। इसका कारण यात्रियों का दिल्ली में 12 दिन गुजारना शामिल है। सिर्फ नौ दिन तिब्बत में गुजरेंगे। वहीं नाथू ला से यात्रा में 25 दिन लगेंगे। पहले 23 दिन लगते थे। इस बार यात्री 10 दिन तिब्बत तो 15 दिन भारत में बिताएंगे।

देशभर में 'अच्छा किया-इंश्योरेंस लिया' अभियान का आगाज

नई दिल्ली। जनरल इंश्योरेंस काउंसिल (जीआईसी) ने सामान्य बीमा को लेकर लोगों की सोच में बदलाव करने और उनमें जागरूकता बढ़ाने के लिए 'अच्छा किया इंश्योरेंस लिया' नामक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के मार्गदर्शन में यह अभियान शुरू किया गया है। जीआईसी ने इसके लिए लोवे लिंटास से करार किया है। अभियान के जरिये लोगों को बताया जाएगा कि सामान्य बीमा खरीदना पैसे की बर्बादी नहीं है। इसमें मेट्रो शहरों, टियर-2 कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के 25-55 वर्ष की आयु के लोगों को शामिल किया जाएगा। अभियान सरकार और इरडा के 2047 तक सभी भारतीयों तक बीमा पहुंचाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। अभियान इसलिए जरूरी है, क्योंकि घर, वाहन और अन्य संपत्तियों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद गैर-जीवन बीमा को पूरे देश में कम अपनाया जा रहा है। डीएफसीसीआईएल ने सबसे लंबा रेल फ्लाईओवर गर्डर किया लॉन्च भारत के माल ढुलाई बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) के जेएनपीटी-नीलजे सेक्शन पर कलंबोली में 110.5 मीटर लंबा और लगभग 1500 टन वजनी ओपन वेब स्टील गर्डर सफलतापूर्वक लॉन्च किया है।

अब भारत में छोटे उद्योगों को लाभ

नई दिल्ली। भारत की ओर से बांग्लादेश की कुछ वस्तुओं के आयात पर लगे प्रतिबंध से देश के छोटे और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) को फायदा होगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटीव (जीटीआरआई) ने कहा, इस फैसले से घरेलू रेडीमेड गारमेंट उद्योग को अपनी प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में मदद मिलेगी। भारत ने 17 मई को बांग्लादेश से 77 करोड़ डॉलर के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। यह द्विपक्षीय आयात का 42 फीसदी है। 61.8 करोड़ डॉलर मूल्य के रेडीमेड गारमेंट्स को अब केवल दो भारतीय बंदरगाहों के जरिये ही भेजा जा सकेगा। इससे बांग्लादेश के लिए सबसे मूल्यवान निर्यात चैनल पर गंभीर प्रतिबंध लग गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय कपड़ा कंपनियां लंबे समय से बांग्लादेशी निर्यातकों को मिल रही प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त का विरोध करती रही हैं, जो शुल्क मुक्त चीनी कपड़ा आयात और निर्यात सब्सिडी से लाभान्वित होते हैं।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी का भी बढ़ा भाव

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज सोने के भाव में 350 रुपये से लेकर 380 रुपये तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह चांदी भी आज एक हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 95,510 रुपये से लेकर 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,550 रुपये से लेकर 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22

कैरेट सोने की कीमत 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की गिरावट आने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.64 प्रतिशत लुढ़ककर 62.09 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.58 प्रतिशत की गिरावट लेकर 65.03 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

एफपीआई का घरेलू शेयर बाजार में भरोसा कायम, मई में अभी तक किया 18,620 करोड़ का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भरोसा मई के महीने में लगातार बना हुआ नजर आ रहा है। अनुकूल वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू बाजार की रिकवरी के कारण इस महीने एफपीआई अभी तक स्टॉक मार्केट में 18,620 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। बाजार की रिकवरी के लिहाज से ये आंकड़ा इसलिए उत्साहवर्धक है, क्योंकि इसके पहले अप्रैल के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने कुल 4,223 करोड़ रुपये का ही निवेश किया था। अप्रैल के महीने से ही विदेशी निवेशकों ने लगातार 3 महीने तक निकासी करने के बाद घरेलू शेयर बाजार में शुद्ध निवेश करना शुरू किया था। उसके पहले मार्च के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयर बाजार से 3,973 करोड़ रुपये की निकासी की थी, जबकि फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये की और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इस तरह साल 2025 के पहले 3 महीने के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर

बाजार से कुल 1,16,574 करोड़ रुपये की निकासी की थी। लेकिन अप्रैल से ही इस ट्रेंड में बदलाव आया और अब विदेशी निवेशक घरेलू शेयर बाजार से पैसे की निकासी करने की जगह शुद्ध निवेश करते हुए नजर आ रहे हैं।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि वैश्विक परिस्थितियां शेयर बाजार के लिए लगातार अनुकूल होती जा रही हैं। इसके साथ ही घरेलू शेयर बाजार में कंसोलिडेशन का दौर भी लगभग खत्म हो चुका है। इस वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा आगे भी खरीदारी जारी रखने की संभावना बनी हुई है। खासकर, स्टॉक मार्केट में लिस्टेड देश की बड़ी कंपनियों के शेयरों में आने वाले दिनों में भी मजबूती बने रहने के आसार हैं। इसके कारण शेयर बाजार में तेजी बनी रह सकती है। इस तेजी का असर घरेलू निवेशकों के साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की खरीदारी के रूप में भी नजर आ सकता है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का उत्साह बढ़ा है। इसी तरह अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर बनी सहमति के कारण ग्लोबल सेंटीमेंट में भी सुधार हुआ है। इसकी वजह से विदेशी निवेशकों ने एक बार फिर अपना पैसा भारत जैसे उभरते बाजारों की ओर शिफ्ट करना शुरू कर दिया है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत उम्मीद की किरण : संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ऐसे समय में एक उम्मीद की किरण के रूप में सामने आया है जब संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में वैश्विक अर्थव्यवस्था के वर्तमान दौर को अनिश्चिततापूर्ण क्षण बताया गया है। संयुक्त राष्ट्र की विश्व आर्थिक स्थिति और संभावना, डब्ल्यूईएसपी की छमाही रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था मौजूदा वित्त वर्ष में 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो कि सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा है। इसी के साथ यह गति 2026 में जारी रहने की उम्मीद जताई गई है, जिसमें वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसके विपरीत, बढ़ते व्यापारिक तनाव, नीति अनिश्चितता और सीमा पार निवेश में गिरावट के बीच वैश्विक दृष्टिकोण धीमा बना हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर अब 2025 में 2.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2024 में 2.9 प्रतिशत से कम है और जनवरी के पूर्वानुमान से 0.4 प्रतिशत कम है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत न केवल अपने प्रमुख विकास आंकड़ों के लिए बल्कि अपनी प्रगति की गहराई के लिए भी खड़ा है, जिसमें तेजी से बढ़ते पूंजी बाजार और मजबूत मैन्युफैक्चरिंग से लेकर रिकॉर्ड तोड़ निर्यात और तेजी से बढ़ते रक्षा क्षेत्र शामिल हैं। ये लाभ सॉलिड नीतिगत विकल्पों, मजबूत घरेलू मांग और भारत के आर्थिक प्रक्षेपवक्र में बढ़ते वैश्विक विश्वास में निहित हैं। 2025 के मध्य में जारी की गई रिपोर्ट पहले की विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं 2025 को अपडेट करती है, जो 9 जनवरी, 2025 को सामने आई थी।

इसे संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग (डीईएसए) के आर्थिक विश्लेषण और नीति प्रभाग के भीतर ग्लोबल इकोनॉमिक मॉनिटरिंग डिविजन ने तैयार किया है। भारत की वृद्धि मजबूत घरेलू मांग और लगातार सरकारी खर्च से जुड़ी है। इन कारकों ने स्थिर रोजगार को मजबूत किया है और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद की है, जिसके 2025 में भारतीय रिजर्व बैंक की लक्ष्य सीमा के भीतर रहते हुए 4.3 प्रतिशत तक गिरने की उम्मीद है। फाइनेंशियल मार्केट भी आशावादी हैं, जहां निवेशकों के निरंतर विश्वास के कारण शेयर सूचकांकों में शानदार वृद्धि देखी गई है। अनुकूल नीतियों और मजबूत बाहरी मांग की मदद से मैन्युफैक्चरिंग एक्टिविटी बढ़ रही है। निर्यात, विशेष रूप से रक्षा उत्पादन जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में, लगातार बढ़ रहा है। साथ में, ये संकेतक दिखाते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था न केवल मजबूत है, बल्कि अनिश्चित वैश्विक माहौल में भी आगे बढ़ रही है। भारत के पूंजी बाजारों ने आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

स्टॉक मार्केट में वर्चुअल गैलेक्सी इंफोटेक की जोरदार एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। आईटी सर्विस देने वाली कंसल्टिंग फर्म वर्चुअल गैलेक्सी इंफोटेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के शेयर 142 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 26.76 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 180 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 189 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 33.10 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। वर्चुअल गैलेक्सी इंफोटेक का 93.29 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 14 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 231.45 गुना

सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 129.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 590.27 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 134.03 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 65.70 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नागपुर में अतिरिक्त डेवलपमेंट फैसिलिटी सेटअप करने, पुराने कर्ज को चुकाने, डेटा सेंटर में सर्वर और स्टोरेज सिस्टम लगाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 40 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 72 लाख रुपये और 2023-24 में 16.54 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 21 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउमंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 63.58 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद डिफेंस बना निवेश का नया भरोसा, शेयरों में 17फीसदी की छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय शेयर बाजार में डिफेंस सेक्टर से जुड़े शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली है। भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए जो सैन्य कार्रवाई की, उसमें स्वदेशी हथियार और तकनीक सफल साबित हुए हैं। पिछले एक सप्ताह यानी 12-16 मई के बीच डिफेंस इंडेक्स 17.21 फीसदी उछल गया। इस दौरान सेंसेक्स में सिर्फ 0.64 फीसदी और निफ्टी में 1.73 फीसदी वृद्धि दर्ज हुई। फिलहाल निवेशक डिफेंस स्टॉक्स में जमकर पैसा लगा रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि भारत की डिफेंस इंडस्ट्री में विकास की काफी संभावनाएं है। रक्षा क्षेत्र की प्रमुख सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. (एचएएल) की बाजार पूंजी हाल ही में तीन लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है, जिससे यह कंपनी अब लॉर्जकैप स्टॉक्स की कतार में खड़ी हो गई है। अगर कोई निवेशक रक्षा क्षेत्र में हिस्सा लेना चाहता है लेकिन सीधे किसी कंपनी में निवेश करना नहीं चाहता, तो वह डिफेन्स ईटीएफ के जरिये भी निवेश कर सकता है। इन ईटीएफ में कई प्रमुख डिफेंस कंपनियों के शेयर शामिल होते हैं और ये जोखिम को थोड़ा कम करते हैं। साथ ही, सेक्टर की ग्रोथ का फायदा भी देते हैं। डिफेन्स क्षेत्र में कुछ चुनौतियां भी हैं। अब भी कई कंपनियां केवल सरकारी ऑर्डरों पर निर्भर हैं। अगर सरकार की तरफ से ऑर्डर में देरी होती है या बजट में कटौती होती है, तो इससे इन कंपनियों की कमाई पर असर पड़ सकता है। रक्षा उत्पादों का निर्यात करना आसान नहीं है, क्योंकि इसमें कई प्रक्रियाएं और अनुमति की जरूरत होती है।

अगले सप्ताह खुलेंगे 5 नए आईपीओ, 3 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार 19 मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में पांच नए आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इनमें दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इन आईपीओ की लॉन्चिंग के अलावा इस सप्ताह तीन कंपनियां लिस्टिंग के जरिए शेयर बाजार में अपने कारोबार की शुरुआत करने वाली हैं। लिस्ट होने वाली ये तीनों कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इस सप्ताह 20 मई को बोराना वीव्स का 144.89 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 22 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 200 रुपये से 216 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 69 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 23 मई को किया जाएगा। वहीं, इनकी लिस्टिंग 27 मई को बीएसई और एनएसई पर होगी। इसी दिन विक्ट्री इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का 40.66 करोड़ रुपये का आईपीओ

सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 23 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 72 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 27 मई को किया जाएगा। वहीं, इनकी लिस्टिंग 28 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसी तरह बेलराइज इंडस्ट्रीज का 2,150 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 22 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 85 रुपये से 90 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 166 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 26 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 28 मई को बीएसई और एनएसई पर होगी। 21 मई को ही डार क्रेडिट एंड कैपिटल का 25.66 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 23 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 57 रुपये से 60 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का एलॉटमेंट 26 मई को किया जाएगा। वहीं इनकी लिस्टिंग 28 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी। इसके अलावा यूनिफाइड डाटा टेक सॉल्यूशंस का 144.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 26 मई तक बोली लगाई जा सकेगी।

आरवीएआई ग्लोबल लॉन्च, उद्यम जगत में एआई और नवाचार लाने की घोषणा

एजेंसी

मुंबई। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सेवाओं की अगली पीढ़ी की कंपनी आरवीएआई ग्लोबल ने आज अपने आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर उद्यमों को एआई-आधारित संगठन बनने में मदद करना है।कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह कंपनी अत्याधुनिक तकनीक, गहरी विशेषज्ञता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के जरिए व्यवसायों के लिए एआई को अपनाना आसान बनाएगी। आरवीएआई ग्लोबल की स्थापना क्रेस कॉर्प के संस्थापक सदस्य विजय शिवराम और एस्सार के पूर्व ब्लैक बॉक्स प्रमुख रोहित हिमात्सिंगका ने मिलकर की है। यह फर्म व्यावहारिक और स्केलेबल एआई समाधान प्रदान करने के लिए तैयार है, जो भविष्य की जरूरतों के अनुरूप होंगे। कंपनी के सह-संस्थापक विजय शिवराम ने कहा, 'अनुमान है कि 92 प्रतिशत उद्यम

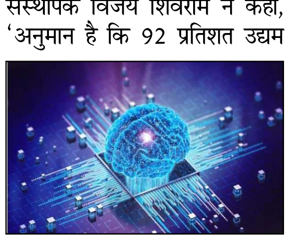

एआई में अपना निवेश बढ़ाना चाहते हैं। एजेंटिक प्लेटफॉर्म और मानव प्रतिभा के तालमेल से भविष्य की कार्य संस्कृति आकार लेगी। यह परिवर्तन आरवीएआई को केंद्र में लाएगा।' आरवीएआई के सह-संस्थापक रोहित हिमात्सिंगका ने कहा, 'हमारा उद्देश्य गहरी तकनीकी समझ और उद्योग विशेषज्ञता के माध्यम से ग्राहकों को ठोस, मापने योग्य परिणाम देना है। कंपनी विभिन्न उद्योगों जैसे बैंकिंग, वित्त, बीमा (बीएफएसआई), स्वास्थ्य सेवाएं, दूरसंचार और खुदरा के लिए विशेष रूप से समाधान विकसित करेगी। इसके साथ ही आरवीएआई वैश्विक संगठनों के साथ मिलकर एआई ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करेगा, जिससे एआई को पूरे संगठन में अपनाने की प्रक्रिया तेज हो सके। आरवीएआई का मानना है कि हर एआई समाधान को संगठन की जरूरतों, पैमाने और संदर्भ के अनुसार अनुकूलित किया जाना चाहिए। इसीलिए, कंपनी का दृष्टिकोण ऐसे बहु-मॉडल ढांचे तैयार करने पर है जो प्रासंगिकता, स्थिरता और लागत दक्षता को ध्यान में रखे।

'द्विपक्षीय व्यापार शर्तों को अपने लाभ के लिए नहीं चुन सकता'

एजेंसी

ढाका बांग्लादेश पाकिस्तान के बाद अब भारत ने बांग्लादेश पर भी आर्थिक वार किया है। पड़ोसी मुल्क की लगातार हो रही भारत विरोधी गतिविधियों को देखते हुए केंद्र की मोदी सरकार ने बांग्लादेश से रेडीमेड कपड़ों, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और अन्य वस्तुओं के आयात के लिए बंदरगाह प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। वहीं, अब सूत्रों ने कहा है कि भारत का बांग्लादेश के साथ व्यापार संबंध पारस्परिक शर्तों पर होगा। सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश को पूर्वोत्तर को अपने निर्यात के लिए बंदी बाजार के रूप में नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को यह समझने की जरूरत है कि वह द्विपक्षीय व्यापार की शर्तों को केवल अपने लाभ के लिए नहीं चुन सकता। चुनिंदा बांग्लादेशी निर्यातों को प्रतिबंधित करने के भारत के फैसले का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार में समानता और निष्पक्षता बहाल करना है। सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश से आरएमजी आयात को केवल दो बंदरगाहों (कोलकाता और न्हावा शेवा, मुंबई) तक सीमित करना बांग्लादेश द्वारा भारतीय यार्न और चावल पर समान व्यापार प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ बांग्लादेश को निर्यात किए जाने वाले सभी भारतीय सामानों पर चुनिंदा रूप से बढ़ा हुआ निरीक्षण कर लगाने का एक पारस्परिक उपाय है।

टॉप 10 में शामिल देश की 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 3.35 लाख करोड़ की बढ़ोतरी, रिलायंस को सबसे ज्यादा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 9 कंपनियों के मार्केट कैप में 3.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 1 कंपनियों के मार्केट कैप में 19 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), आईटीसी, बजाज फाइनेंस, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और इंफोसिस के मार्केट कैप में 3,35,048.62 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, भारती एयरटेल के मार्केट कैप में 19,330.14 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 12 मई से 16 मई के बीच हुए कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,06,703.54 करोड़ रुपये बढ़ कर 19,71,139.96 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 46,306.99 करोड़ रुपये उछल कर 10,36,322.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 43,688.40 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 12,89,106.49 करोड़ रुपये के स्तर पर इंफोसिस का मार्केट कैप 34,281.79 करोड़ रुपये बढ़ कर 6,60,365.49 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 34,029.11 करोड़ रुपये की तेजी के साथ

14,80,323.54 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 32,730.72 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,69,658.67 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 15,142.09 करोड़ रुपये की मजबूती के साथ 5,45,115.06 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 11,111.15 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,06,696.04 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 11,054.83 करोड़ रुपये उछल कर 5,59,437.68 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, टॉप 10 कंपनियों में शामिल इकलौती कंपनी भारती एयरटेल का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार के कारोबार के बाद 19,330.14 करोड़ रुपये कम होकर 10,34,561.48 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,71,139.96 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,80,323.54 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 12,89,106.49 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,36,322.32 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,34,561.48 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,06,696.04 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,60,365.49 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,69,658.67 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,59,437.68 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,45,115.06 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

बड़े काम के होते हैं फलों के छिलके, जानिए घर के कामों में किस तरह करें इस्तेमाल

फलों के छिलके सिर्फ फेंकने के लिए नहीं होते, ये घर के कई कामों में आते हैं. नींबू के छिलके से बर्तन चमकाएं, केले के छिलके से पत्तियां साफ करें, संतरे के छिलके से एयर फ्रेशनर बनाएं. सेब और अनार के छिलके स्किन पैक में इस्तेमाल होते हैं. ये नेचुरल, सस्ते और इको-फ्रेंडली होते हैं.

अक्सर हम फल खाने के बाद उनके छिलकों को कचरे में फेंक देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये छिलके कई घरेलू कामों में बड़े काम आ सकते हैं? फलों के छिलकों में मौजूद नेचुरल ऑयल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स और अन्य पोषक तत्व उन्हें न सिर्फ स्किन और बालों के लिए फायदेमंद बनाते हैं, बल्कि घर की सफाई और बागवानी जैसे कामों में भी बेहद उपयोगी बनाते हैं.चाहे बात सफाई की हो, कीड़ों को भगाने की या फिर ब्यूटी के घरेलू नुस्खों की, इन छिलकों का सही इस्तेमाल आपके समय और पैसे दोनों की बचत कर सकता है. बस थोड़ा सा क्रिएटिव होने की जरूरत है, और वही बेकार समझे जाने वाले फलों के छिलके आपके रोजमर्रा के हेल्पर बन सकते हैं. तो चलिए जानते हैं कि हम किन-किन फलों के छिलकों से क्या-क्या कर सकते हैं.

नींबू और संतरे के छिलके- नींबू और संतरे के छिलकों में साइट्रिक एसिड और नेचुरल ऑयल्स होते हैं जो किसी भी सतह को साफ और फ्रेश बना सकते हैं. इन छिलकों को विनेगर के साथ एक जार में डालकर कुछ दिन रखें और फिर उस लिक्विड को छानकर एक स्प्रे बॉटल में भर लें. ये क्लीनर किचन प्लेटफॉर्म, सिंक, माइक्रोवेव या बाथरूम की सफाई में आसानी से काम आ जाता है.

केले के छिलके: केले के छिलकों में पोटैशियम और फॉस्फोरस भरपूर मात्रा में होता है, जो पौधों की ग्रोथ में मदद करता है. आप इन्हें सुखाकर पाउडर बना सकते हैं या सीधे मिट्टी में डाल सकते हैं. इसके अलावा, केले के छिलके से चमड़े के जूते या बैग्स को रगड़ने पर उनमें नैचुरल चमक आ जाती है.

सेब के छिलके: सेब के छिलकों में ऐंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन ष्ट होता है जो स्किन को टोन और फ्रेश करने में मदद करता है. आप इन छिलकों को पानी में उबालकर ठंडा करें और फिर उस पानी को एक कॉटन बॉल की मदद से चेहरे पर लगाएं. ये स्किन को सॉफ्ट और क्लीन रखने में मदद करता है.

अनार के छिलके: अनार के छिलकों को सुखाकर पाउडर बनाएं और उसमें थोड़ा गुलाब जल या दही मिलाकर फेस पैक की तरह लगाएं. ये स्किन की डेड सेल्स को हटाने, ऐक्ने कम करने और स्किन को टाइट करने में मदद करता है.

आम के छिलके- आम के छिलकों में भी नेचुरल ऑयल्स होते हैं जो स्कैल्प को पोषण देते हैं. इन छिलकों को पीसकर दही में मिलाएं और बालों में लगाएं. ये हेयर फॉल कम करने और बालों को सॉफ्ट बनाने में मदद कर सकता है.

भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा पोषित और प्रेषित आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर नृशंस हत्या की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने जहां पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर तबाह कर दिया वहीं, उससे पहले सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया है। भारत ने सिंधु जल संधि को ऐसे समय में निलंबित किया है जब पाकिस्तान पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में छह नई नहरें बनाने की योजना भी विवादों में फंसी है।इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल समझौते के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ।इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया। वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल का 80 फीसदी हिस्सा पाकिस्तान को आवंटित किया गया। समझौते में जिस तरह से जल का बंटवारा किया गया उससे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री और सरकार की रीति–नीति का समझा जा सकता है। पीएम नेहरू ने देशहित की बजाय पाकिस्तान के हितों का अधिक ध्यान रखा। यह संधि पाकिस्तान में कृषि और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए बहुत अहम है और पाकिस्तान में 80 प्रतिशत सिंचाई के पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों के पानी से होती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है।भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने जिन कड़े कदमों की घोषणा की उनमें यह सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। भारत द्वारा संधि को निलंबित करना इसकी स्थापना के बाद से पहली बार है, जो सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी जल कूटनीति में बदलाव का संकेत है। यह भारत के दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है।2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, %%खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं।%% प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षाबलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बयान देते हुए कहा था, ÷सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है।÷ अगस्त 2019 में भारत के तत्कालीन जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था, ÷सिंधु जल संधि का उल्लंघन किए बिना पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिए काम शुरू हो गया है।÷भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल समझौते को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं, एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है।पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सय्यद अली मुर्तज़ा ने भारत को लिखी चिट्ठी में कहा, ÷सिंधु जल समझौता स्थगित होने की वजह से पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।÷ पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 13 मई को कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को फिर से शुरू नहीं करता है और हमारी तरफ आने वाले पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो दोनों देशों के बीच लागू हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है।सिंधु जल संधि पर चर्चा के लिए पाकिस्तान की ये पेशकश उसकी छटपटाहट को साफ दिखा रही है। यह पहली बार नहीं था जब भारत सरकार ने 1960 में दोनों देशों के बीच हुई इस संधि में बदलाव की मांग की थी। दो साल पहले भारत ने पाकिस्तान को इस संबंध में नोटिस भेजा था लेकिन इस नोटिस में सिर्फ %बदलावों% के बारे में बात की गई थी। हालांकि अगस्त 2024 में भेजे नोटिस में भारत ने बदलावों के साथ-साथ समझौते की %समीक्षा% करने की भी बात की थी। इसमें %सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों% का भी उल्लेख किया गया था। इसमें भी भारत की ओर से कहा गया था कि %सीमा पार से आतंकवाद% इस समझौते के सुचारू रूप से संचालन में बाधा है। लेकिन पाकिस्तान ने इस पर कोई उत्तर नहीं दिया, अब जबकि भारत ने समझौते को स्थगित कर दिया है तो पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है।15 मई को एक कार्यक्रम में संवाददाताओं ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से जब सिंधु जल समझौते को लेकर प्रश्न किया, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यह समझौता अभी निरस्त ही रहेगा। भारत सरकार इस पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार नहीं है और इस मामले में पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं होगी। विदेश मंत्री के ताजा बयान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन में स्पष्ट कर चुके हैं कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते हैं।

सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की जल सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि इसकी 80 प्रतिशत कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है। इस व्यवधान से खाद्य सुरक्षा, नगरीय जल आपूर्ति और विद्युत उत्पादन पर प्रभाव पड़ेगा साथ ही पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में सिंधु नदी तंत्र के 25 प्रतिशत योगदान के कारण आर्थिक अस्थिरता भी उत्पन्न होगी। नदी प्रवाह डेटा को रोकने की भारत की क्षमता से पाकिस्तान की सुभेद्यता और बढ़ जाएगी तथा बाढ़ तत्परता और जल संसाधन प्रबंधन में बाधा उत्पन्न होगी। भावार्थ यह है कि आने वाले समय में पाकिस्तान में जल संकट से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ना तय है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत में जल बंटवारे को लेकर पुराना विवाद है। वर्तमान जल संकट ये विवाद और गहराएगा।भारत अब अपने हिस्से की तीनों नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल को अपने लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के इन कदमों से पाकिस्तान को लंबे समय में नुकसान पहुंचना अवश्यम्भावी है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पाकिस्तान से बात होगीज तो टेंररिज्म पर होगीज पाकिस्तान से बात होगी..तो पीओके पर होगी अब पाकिस्तान को यह तय करना है कि वो आतंकवादियों का साथ देगा या फिर अपने प्यासे खेतों और नागरिकों की प्यास बुझाने के लिये शांति और शालीनता के मार्ग का चुनाव करेगा।

संपादकीय

नफरती बोल

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश की बहादुर सेना ने जब पाक को सबक सिखा, देश को गौरव का अहसास कराया तब नफरती ट्रोल सेना, नीचता की सीमा तक गिरती नजर आई। जिसके विरोध में देश में तीखे गुस्से की लहर देखी गयी। इस बिगड़ैल ट्रोल सेना ने ऑनलाइन गाली-गलौज करने में किसी को भी नहीं बख्शा। यहां तक कि सादगी के व्यक्तित्व व गरिमापूर्ण अभिव्यक्ति वाले विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक को नहीं छोड़ा। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा भी निशाने पर आए। यहां तक कि पहलगाम हमले में विधवा हुई हिमांशी नरवाल को भी नहीं बख्शा गया।

इसकी वजह यह थी कि उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने और पहलगाम की घटना के बाद कश्मीरियों को निशाने पर न लेने का आह्वान किया था। निश्चित रूप से यह देश में सामाजिक समरसता के लिये वक्त की आवाज भी थी। लेकिन सबसे परेशान करने वाली घटना वह थी, जिसमें भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह ने बेसिर-पैर का सांप्रदायिक सोच वाला बयान दिया। दरअसल, इस सप्ताह की शुरुआत में मंत्री विजय शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रेस ब्रीफ देने वाली कर्नल सोफिया के बारे में चौंकाने वाली सांप्रदायिक टिप्पणी की थी। निश्चय ही देश के लिये महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला सैन्य अधिकारी के बारे में ऐसी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। मंत्री ने असंगत रूप से पहलगाम में आतंक फैलाने वाले आतंकवादियों से दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से साम्य दर्शाने का कुत्सित प्रयास किया। हालांकि यह टिप्पणी सोमवार को की गई थी, लेकिन मंत्री शाह के खिलाफ प्राथमिकी मुश्किल से बुधवार रात दर्ज की गई। वह भी शासन द्वारा स्वत- संज्ञान लेने के बजाय मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की सख्ती के बाद ही दर्ज की गई। हाईकोर्ट ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ 'गटर की भाषा' इस्तेमाल करने के लिए मंत्री शाह को फटकार लगायी। सही मायनों में हाईकोर्ट ने न केवल मंत्री को आईना दिखाया बल्कि तमाम बेलगाम बयानबाजी करने वालों को भी सख्त संदेश दिया।उल्लेखनी है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद जब आरोपी मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट से राहत के लिये गुहार लगायी तो सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें आड़े हाथ लिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को चेतावनी दी कि एक मंत्री को ऐसे समय में जिम्मेदारी की भावना के साथ बोलना चाहिए, जब देश चुनौतिपूर्ण स्थिति से गुजर रहा हो। फिर कोर्ट की सख्ती के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। उन्होंने फिर सफाई दी कि वह कर्नल कुरैशी का अपनी बहन से ज्यादा सम्मान करते हैं। लेकिन जैसे कमान से निकला तीर वापस नहीं लौटता है, उसी तरह उनकी अनर्गल बयानबाजी से जो नुकसान हो चुका था, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं है। इससे बड़ी विसंगति यह भी कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की तात्कालिक गंभीर पहल नहीं की।

यह विडंबना ही है कि पार्टी नेतृत्व इंतजार का खेल खेल रहा है। वहीं दूसरी ओर आरोपी मंत्री अपने बचाव के लिये कानूनी विकल्पों को आजमाने में व्यस्त रहा है। दरअसल, भाजपा की राजनीतिक मजबूरी यह है कि जातीय समीकरणों के हिसाब से वे पार्टी के लि महत्वपूर्ण हैं। वे उस राज्य में आदिवासी कल्याण मं हैं जहां अनुसूचित जनजातियों की आबादी का पांच हिस्सा मौजूद है। लेकिन इतना तो तय है कि चाहे उन राजनीतिक प्रभाव कितना भी क्यों न हो, उन्हें सशस्त्र बलों के साथ-साथ ही महिलाओं का अपमान करने व छूट नहीं मिल जाती। पार्टी को राष्ट्र को आश्वस्त करने व लिये अनुकरणीय कार्रवाई करनी ही चाहिए।

तभी समाज में यह साफ संदेश जाएगा कि ह आतंकवाद और सांप्रदायिक विभाजन के खिला मजबूती से एकजुट हैं और नफरत फैलाने वालों व किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निश्च ही इस मामले में अदालत की सख्त टिप्पणियां न केव आरोपी मंत्री बल्कि उन सभी नेताओं के लिये सबक जो लगातार अनर्गल प्रलाप करते रहते हैं। जो यह बता है कि जनता की उदासीनता से हम कैसे-कैसे लोगों व अपना नेता चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में भेज र हैं।

अमेरिकी दबाव के संदर्भ में पुतिन की महत्वपूर्ण भारत यात्रा

रणनीतिक साझेदारी प्रारूप में इस वर्ष पुतिन की यात्रा न केवल व्यापार और अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से बल्कि संघर्ष विराम समझौते के बाद भारत और अन्य ब्रिक्स सदस्यों की संभावित भागीदारी के लिए भी जरूरी है। यूरोपीय शांति रक्षकों के बारे में रूस के विरोध को देखते हुए अन्य देशों के लोग मास्को को स्वीकार्य हो सकते हैं। यहां तक कि राष्ट्रसंघ शांति स्थापना के लिए भारत जैसी तटस्थ शक्तियों की आवश्यकता होगी

मास्को में 9 मई को हजारों रूसी सैनिकों ने रेड स्क्वायर पर मार्च किया जो द्वितीय विश्व युद्ध में नाज़ी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80 वीं वर्षगांठ पर आयोजित की गई थी। इस मौके पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य विश्व नेता उपस्थित थे। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए 2.5 करोड़ से 2.7 करोड़ सोवियत सैनिकों और नागरिकों को यह दिन समर्पित किया गया। भारत की ओर से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रतिनिधित्व किया क्योंकि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले और परवर्ती घटनाओं के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल नहीं हो सके।

पहलगाम हमले के बाद पुतिन और मोदी ने फोन पर बातचीत के दौरान भारत-रूस संबंधों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी सहयोग पर चर्चा की। पुतिन ने इस बार भारत में दोनों देशों के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

अक्टूबर, 2000 में भारत-रूस सामरिक भागीदारी संबंधी घोषणा पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से भारतीय प्रधानमंत्री व रूसी परिसंघ के राष्ट्रपति के बीच शिखर बैठकें होती रही हैं जिनमें दोनों देश सर्वोच्च स्तर पर अपने संबंधों का जायजा लेते हैं और उन्हें दिशा एवं प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। ये दौरे प्रत्येक देश के नेताओं के बीच वैकल्पिक होते हैं। चूंकि मोदी ने पिछले साल जुलाई में रूस का दौरा किया था इसलिए रूसी राष्ट्रपति की अगली यात्रा इस साल कभी भी होने की उम्मीद है।

फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और राजनयिक अलगाव ने रूस को पश्चिम के बाहर सहभागियों की तलाश करने के लिए मजबूर किया। पुतिन ने ब्रिक्स, एससीओ और जी-20 जैसे मंचों पर नेताओं से मिलने के हर अवसर का उपयोग किया है लेकिन अधिक उपयोगी और सहायक स्टैंड-अलोन द्विपक्षीय बैठकें हैं। रूस ने बहुपक्षीय और द्विपक्षीय दोनों प्रारूपों की कोशिश की है। 2022 में ही सभी पांच मध्य एशियाई नेताओं ने मास्को में 9 मई को आयोजित विजय दिवस परेड में भाग लिया था। इस साल रूस ने जीत की 80वीं वर्षगांठ के लिए भारत और चीन सहित कई अन्य %मित्र' देशों के नेताओं को आमंत्रित किया।यूक्रेन में युद्ध के बाद से इस विजय दिवस परेड का रूस के लिए विशेष अर्थ है। यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियानों के मुख्य लक्ष्यों में से एक %गैर नाज़ीकरण% रहा है। मित्र देशों के नेताओं को निमंत्रण का उद्देश्य केवल रूस की साझेदारी की विश्वसनीयता का प्रदर्शन करना नहीं बल्कि यह संदेश देना भी है कि राष्ट्रवाद की आड़ में फासीवादी अभी भी बहु-जातीय और बहु-सांस्कृतिक देशों को तोड़ने के लिए उपयोग करते हैं। इस तरह उनके खिलाफ लड़ाई अभी भी प्रासंगिक और आवश्यक है।भारत-रूस संबंध वार्षिक रणनीतिक साझेदारी बैठक का प्रारूप अधिक फलदायी रहा है और दोनों देशों के संबंध इस आधार पर लगातार मजबूत हुए हैं। 2000 के बाद यूक्रेन युद्ध की शुरुआत तक दोनों देशों के सर्वोच्च नेतृत्व बैठक कर रहे हैं।

दो साल के अंतराल के बाद मोदी ने 2024 में रूस का दौरा किया और इस साल पुतिन की यात्रा होने वाली है। जब पुतिन ने वर्ष 2021 में भारत का दौरा किया था तब अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर (आईएएसटीसी) एवं व्लादिवोस्तोक-चेन्नई कॉरिडोर जैसे परिवहन गलियारों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। अगले साल यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में समरकंद (एससीओ बैठक) में बैठक हुई। रूस के हित मुख्य रूप से इस बात पर केंद्रित थे कि मित्र देशों को यूक्रेन पर अपनी स्थिति कैसे समझाई जाए। समरकंद में मोदी ने प्रसिद्ध बयान दिया कि %अब युद्धों का युग नहीं है%। 2024 में कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान पुतिन - मोदी बैठक हुई जिसके बाद जुलाई 2024 में 22वें वार्षिक रणनीतिक साझेदारी शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। ये बैठकें रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की परवाह किए बिना व्यापार और आर्थिक संबंधों को बनाए रखने में मदद करती हैं। तेल आयात रोकने के पश्चिमी देशों के आह्वान के बावजूद भारत ने रूसी तेल खरीद जारी रखी। भारत ने यूक्रेन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ कभी मतदान नहीं किया है जिसे मास्को द्वारा बहुत सराहा गया।

2025 में दोनों नेताओं की अगली बैठक वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक वातावरण में कुछ प्रमुख बदलावों की पृष्ठभूमि में होगी। राजनीतिक दृष्टि से रूस पर अमेरिका द्वारा यूक्रेन के साथ संघर्ष विराम समझौते तक पहुंचने के लिए दबाव डाला जा रहा है। रूस ने युद्ध समाप्त करने की इच्छा तो दिखाई है लेकिन वह तीन वर्षों में किए गए लाभ की कीमत और यूक्रेन के लिए नाटो सदस्यता के विरोध जैसे अपने अन्य मुख्य सुरक्षा हितों की कीमत पर ऐसा करने के लिए तैयार नहीं है। रूस द्वारा 19-20 अप्रैल को 30 घंटे के घोषित ईस्टर युद्धविराम के बावजूद दोनों देशों के बीच वास्तविक युद्धविराम अभी भी दूर है। रूस द्वारा संघर्ष विराम समझौते में विलम्ब को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति समय-समय पर अधिक टैरिफ लगाने की धमकी देते हैं।

आज अमेरिका के सभी व्यापारिक भागीदारों पर अमेरिकी टैरिफ का खतरा मंडरा रहा है। इसमें भारत भी शामिल है जो नए अमेरिकी प्रशासन के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए तैयार और काम करने के बावजूद निश्चित नहीं है कि अमेरिकी नेता की अप्रत्याशित प्रकृति को देखते हुए भविष्य क्या होगा। सभी देशों को पता है कि रियायतें देने से आगे रियायतों की मांग होगी जो उनकी अर्थव्यवस्थाओं के लिए हानिकारक हो सकती है। खुद को और अधिक अमेरिकी झटकों से बचाने के लिए भारत व रूस को आपस में तथा अन्य देशों के साथ व्यापार एवं आर्थिक संबंधों का विस्तार करने की जरूरत है। उदाहरण के लिए चीन हाल ही में द्विपक्षीय व्यापार का विस्तार करने के लिए वियतनाम, कंबोडिया तथा मलेशिया के साथ बातचीत कर रहा है। भारत व रूस को अपने व्यापार और निवेश संबंधों को मज़बूत करना होगा जिसमें भारतीय कंपनियां रूस के तेल व गैस, फार्मास्यूटिकल्स एवं आईटी क्षेत्रों में निवेश कर रही हैं जबकि रूसी कंपनियां भारत के ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश कर रही हैं। ये सब अमेरिका का विरोध किए बिना किया जाना चाहिए और इसके लिए चतुराई भरी बातचीत और रणनीति की आवश्यकता है।ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से वैश्विक भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और रणनीतिक संदर्भ बदल गए हैं। रूस अब एक बहिष्कृत देश नहीं है जिसे अमेरिका यूक्रेन पर एक सौदा करने के लिए उलझा रहा है। अमेरिका-ईरान परमाणु समझौते के सिलसिले में चर्चा के लिए मास्को मददगार हो सकता है। रूस के साथ अमेरिका ऊर्जा समझौते भी चाहता है। इस पृष्ठभूमि में पुतिन की नई दिल्ली यात्रा पर वैश्विक ध्यान आकर्षित होगा। चूंकि भारत अमेरिका का भी करीबी है इसलिए अमेरिका नई दिल्ली को संकेत दे सकता है कि वह रूस के साथ बातचीत से क्या चाहते हैं।रणनीतिक साझेदारी प्रारूप में इस वर्ष पुतिन की यात्रा न केवल व्यापार और अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से बल्कि संघर्ष विराम समझौते के बाद भारत और अन्य ब्रिक्स सदस्यों की संभावित भागीदारी के लिए भी जरूरी है। यूरोपीय शांति रक्षकों के बारे में रूस के विरोध को देखते हुए अन्य देशों के लोग मास्को को स्वीकार्य हो सकते हैं। यहां तक कि राष्ट्रसंघ शांति स्थापना के लिए भारत जैसी तटस्थ शक्तियों की आवश्यकता होगी जो मास्को और कीव दोनों को स्वीकार्य होगा।

हालांकि पुतिन की भारत यात्रा की पुष्टि हो गई है लेकिन तारीखों की घोषणा अभी बाकी है। व्यापार व टैरिफ मुद्दों एवं युद्ध के बाद शांति प्रयासों के लिए मास्को और नई दिल्ली को रणनीतिक रूप से संलग्न होने की जरूरत होगी जो नेताओं की उच्चतम स्तर पर बैठक द्वारा सबसे अच्छी तरह से पूरा होता है। यह पुतिन की आगामी यात्रा को महत्वपूर्ण बनाता है।

रंगबिरंगे फूलों की घाटी

मनाली

आग बरसाते जून के महीने में पहाड़ी वादियों की ठंडक तन और मन को बेहद आराम देती है। यदि आप ठंडे और शांत माहौल की तलाश में हैं तो भी मनाली आपको खूब भाएगा। यही सोचकर भारी संख्या में पर्यटकों ने पहाड़ों का रुख कर लिया है। आप भी कहीं जाने की बात सोच रहे हैं तो आपके लिए हिमाचल प्रदेश का मनाली एक अच्छी जगह साबित हो सकती है। आप एडवेंचर के शौकीन हैं तो आपके लिए यहां ट्रैकिंग, माउंटेनियरिंग, स्कीइंग, पैरा ग्लाइडिंग आदि की व्यवस्था मिल जाएगी।

प्रकृति ने मनाली को खुले हाथों से नूर बख्शा है। कुल्लू घाटी के प्रमुख पर्यटक स्थल मनाली में आकर हर कोई अपने आपको स्वर्ग में पाता है। हरी भरी वादियों ऊंचे-नीचे पहाड़ों पर दूर-दूर तक दिखाई देते देवदार के छोटे-बड़े पेड़ प्राकृतिक सौंदर्य को दोगुना कर देते हैं। इनके बीच घुमावदार पहाड़ी पगडंडियों पर चलते लोगों को देखकर खुद भी ट्रैकिंग का मन कर आता है।

दिल्ली से लगभग साढ़े पांच सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मनाली को रंगबिरंगे फूलों की घाटी भी कहा जाता है। दिसंबर के महीने में यहां हरियाली दूर-दूर तक देखने को नहीं मिलती। कारण है कि पहाड़ों, पेड़ों और घरों पर बर्फ की सफेद चादर जो फैली होती है।

गर्मी के मौसम में यहां का तापमान 10 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। लेकिन सर्दी के मौसम में ज्यादातर दिनों में सात डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। यहां आने के लिए गर्मी के लिहाज से मार्च से जून और ठंड के लिहाज से अक्टूबर से फरवरी के महीने ज्यादा ठीक रहते हैं।

देखने लायक खास स्थल :

कुल्लू घाटी का असली सौंदर्य मनाली में ही देखने को मिलता है। यहां देखने और घूमने के लिहाज से बहुत से मशहूर स्थल हैं। यहां की सुरमई शाम अलसाती भोर का मजा ही कुछ और है।

कोठी : मनाली से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है कोठी। यहां से पहाड़ों का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। यहां बीस नदी का तेजी से बहता ठंडा पानी अदभुत नजारा पेश करता है।

राहला फॉल्स, मनाली सैंचुरी : कोठी से दो किमी की दूरी पर बीस नदी पर राहला फॉल्स स्थित है। यहां 50 मीटर की ऊंचाई से गिरता झरने का पानी सैलानियों को खूब लुभाता है। मनाली सैंचुरी में पर्यटक कैपिंग के लिए पहुंचते हैं।

सोलन वैली : यहां से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोलन वैली सैलानियों को खासी आकर्षित करती है। यहां ट्रैकिंग, स्कीइंग और माउंटेनियरिंग के कैंप आयोजित किए जाते हैं। 10 से 14 फरवरी के बीच यहां सालाना विंटर कार्निवाल का आयोजन किया जाता है।

रोहतांग भी है मनाली के पास : मनाली के आस-पास के इलाकों में सैलानियों के लिए बहुत कुछ बिखरा पड़ा है। प्रकृति ने यहां आने वालों के लिए अपना खजाना दोनों हाथों से खोल दिया है। पहाड़ियों पर बने छोटे-छोटे घर और इनके आस-पास फैली हरियाली मन को लुभाती है। यहां से 51 किमी की दूरी पर मशहूर पर्यटक स्थल रोहतांग पास स्थित है। यहां हर साल हजारों की संख्या में सैलानी घूमने के लिए आते हैं।

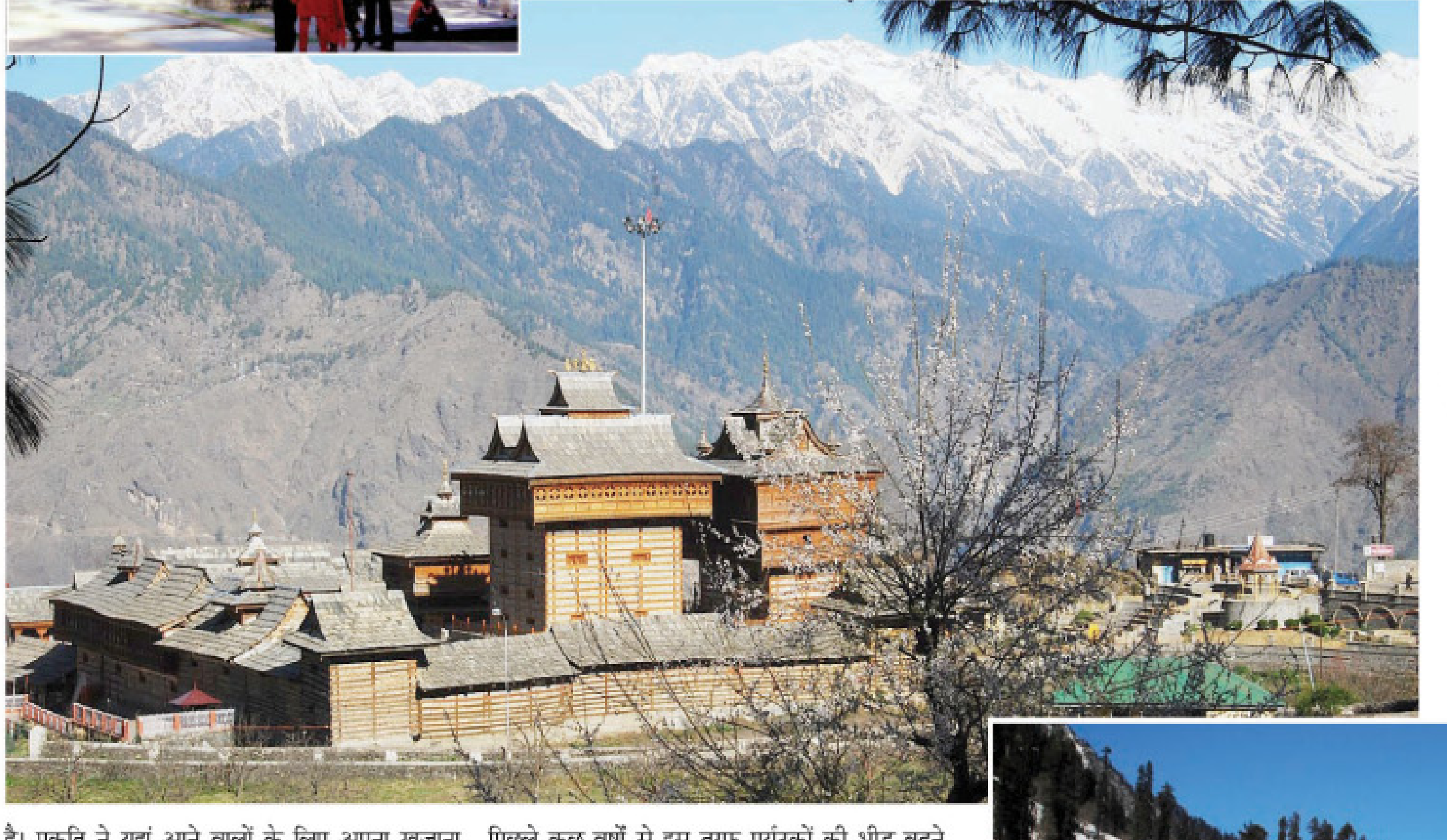

अद्भुत पर्यटक स्थल सराहन घाटी

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और किन्नौर जिले की सीमा पर बसा सराहन स्वर्ग का एहसास कराने वाला एक सुंदर और अद्भुत पर्यटक स्थल है जो सराहन घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह क्षेत्र कई वर्षों तक पर्यटन के लिहाज से बचा रहा मगर अब पिछले कुछ वर्षों से इस तरफ पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

इसलिए अब सरकार ने भी इसे पर्यटन के लिए लिहाज से उपयुक्त समझा है। यह शहर समुद्रतल से 7,589 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इतिहास में इसको बुशहर नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त 51 शक्तिपीठों में से एक भीमाकाली माता का मंदिर भी इसी शहर में है। हिंदू और बौद्ध वास्तुशिल्प से निर्मित यह मंदिर लगभग 2,000 वर्ष पुराना है, मगर इसका जीर्णोद्धार कर इसको पुनः वही आकार दिया गया है।

पत्थरों और लकड़ी के इस्तेमाल से बना यह मंदिर शत-प्रतिशत भूकंपरोधी है। मंदिर के प्रांगण में खड़े होकर आप हिमालय को साक्षात निहार सकते हैं। इस मंदिर के नजदीक ही आपको एक पक्षी-विहार है जिसमें यहां के राज्य-पक्षी मोनाल सहित लगभग हर प्रकार के पहाड़ी पक्षी हैं। सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों से रास्तों के दोनों तरफ लगाए गए तरह-तरह के फूल लहराते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

सराहन से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर यदि घाटी से थोड़ा नीचे उतरेंगे तो वहां आपको सतलज नदी का मनोहारी दृश्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त सराहन से कुछ ही दूरी पर कामरू का ऐतिहासिक किला, चितकुल घाटी और बस्पा नदी जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी हैं जहां आप आसानी आ-जा सकते हैं।

शहर अत्यधिक बड़ा न होने के कारण यहां यातायात के साधनों की आवश्यकता कम ही होती है इसलिए कुछ स्थानों पर पैदल भी घूमा जा सकता है। फिर भी यहां टैक्सी, बस आदि की सुविधा आसानी से मिल जाती है और महंगी भी नहीं है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार ने यहां आम से खास तक, सभी के बजट के अनुसार होटल और रेस्ट हाउस आदि का भी विशेष प्रबंध किया है।

यहां आने के लिए सर्दियां उचित समय नहीं है क्योंकि इस मौसम में यहां पर तापमान शून्य से भी नीचे ही रहता है। यहां आने के लिए मार्च से जून और सितंबर से अक्टूबर का समय बहुत ही अच्छा समय है। दिन के समय यहां का तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री तक रहता है। मगर रात को ठंड बढ़ जाती है।

यदि अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो ध्यान दें कि शिमला से राष्ट्रीय राजमार्ग 22 से होते हुए रास्ते में थेयोग, नारकंडा, रामपुर और जैओरी नामक कुछ छोटे-छोटे पर्यटन स्थल भी आते हैं जहां आपको पेट्रोल पंप की सुविधा मिलेगी। शिमला से सराहन के बीच लगभग 180 किलोमीटर के इस रास्ते पर जब आप निकलेंगे तो आपका सामना देवदार के घने जंगलों, कई सारे छोटे-बड़े झरनों, खेतों एवं छोटे-छोटे अनेक गांवों से होगा।

इन गांवों से होकर जाने पर आपको उनके पारंपरिक पहनावे और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। सराहन जाने के लिए सड़क मार्ग ही है जो शिमला से टैक्सी, जीप या बस द्वारा भी जाया जा सकता है। यह दूरी लगभग 6-7 घंटे में आसानी से तय की जा सकती है।

यह रास्ता अधिकतर सतलुज नदी के किनारे से गुजरता है, इसलिए इसकी तेज धारा आपको एक नए संगीत की से रू-ब-रू कराएगी। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे आप सराहन के नजदीक पहुंचेगे वैसे-वैसे आपको मार्ग के किनारे अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां भी नजर आने लगेंगी।

कैसे पहुंचे : मनाली जाने के लिए सड़क मार्ग से अपनी गाड़ी से या फिर बस सेवा ली जा सकती है। हवाई यात्रा करनी है तो लगभग 50 किमी से टैक्सी लेनी होगी।

यात्रा पैकेज :

यदि आने-जाने और ठहरने का कोई झंझट नहीं पालना चाहते तो कई तरह के पैकेज भी उपलब्ध हैं। तीन दिन और रात ठहरने के लिए अलग-अलग होटल में प्रति जोड़ा 11,500 रुपए से 15 हजार रुपए में ठहरना, हर दिन नाश्ता, लंच और डिनर आदि हो जाता है। 23 हजार रुपए में ठहरने, खाने के साथ लोकल साइट सीइंग, डिस्कोथेक, कॉकटेल और स्टीम या सोना बाथ की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। हिमाचल प्रदेश पर्यटन द्वारा खुद भी कई तरह की स्कीम दी जा रही हैं जो आप ले सकते हैं।

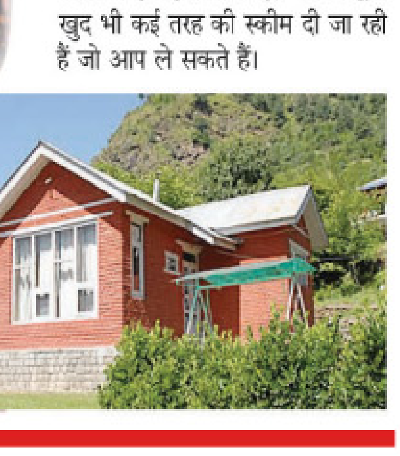

गर्मियों में पहने ये फुटवियर

गर्मियों के मौसम में पैरों की देखभाल जरूरी है। स्टाइलिश होने के साथ ही सही फुटवियर पैरों के लिए बहुत जरूरी है। मेन्सवेयर लेदर शू ब्रांड के एगॉस की चीफ एक्सपीरियंस ऑफिसर कनिका भाटिया और मोटेलो डोमानी गर्मियों में पैरों की देखभाल के कुछ टिप्स बता रहे हैं जिससे गर्मियों में भी आपके पैर दिख सकते हैं खूबसूरत।

- चमड़े से बने फुटवियर गर्मियों में पैरों के लिए ठीक रहते हैं। इससे पैरों से बदबू आने और इंफेक्शन होने की संभावना कम रहती है।
- एथलेटिक सैंडल और लोफर्स गर्मियों में सबसे ज्यादा उपयुक्त होते हैं क्योंकि इनके पहनने पर हल्का महसूस होता हैं।
- हल्के फ्लिप फ्लॉप स्लीपर गर्मियों में पहनने के लिए बेहतर होते हैं। फ्लिप फ्लॉप पहनने पर पैरों में होने वाले दर्द से बचने के लिए अच्छे सपोर्ट वाला फ्लिप फ्लॉप ही पहनें।
- इस मौसम में कई लोग एडवेंचर स्पोर्ट्स के शौकीन होते हैं, ऐसे में उनके लिए एथलेटिक सैंडल उपयुक्त रहेंगे।
- गर्मियों में स्टाइलिश दिखने के लिए आप क्लासिक ब्रोग्स (मोटे चमड़े वाला जूता) या ऑक्सफोर्ड जूते चुन सकते हैं। यह एक बेहतर विकल्प है।
- लोफर्स गर्मियों में एक कूल लुक देते हैं, जिसे दोनों कैजुअल और फॉर्मल कपड़ों के साथ इस मौसम में पहना जा सकता है।
- स्नीकर्स और एथलेटिक जूते इस मौसम के लिए जरूरी माने जाने लगे हैं। युवाओं के लिए रॉयल ब्लू रंग के स्नीकर्स बेहतर विकल्प हैं।

दमा के मरीज हैं तो खाने में शामिल करें यह आहार

भोजन न सिर्फ आपका पेट भरने का काम करता है, बल्कि यह आपको स्वस्थ बनाने में भी काफी मददगार होता हैं। अगर आप अपनी हेल्थ कंडीशन के हिसाब से आहार का चयन करते हैं तो आप बेहद आसानी से अपनी बहुत सी समस्याओं से बच सकते हैं। हम आपको कुछ ऐसे आहार के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी समस्या से राहत दिलाने में काफी मददगार होते हैं-

ऐसे लोगों को विटामिन सी से भरपूर फूड को अपने आहार में शामिल करना चाहिए। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं और यह एंटीऑक्सीडेंट सांस लेते समय बॉडी के अन्य अंगों को ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करते हैं और श्वसन संबंधी समस्याओं से लड़ने में मदद करता है। वहीं ओमेगा 3 फैटी एसिड भी फेफड़ों के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं। यह फेफड़ों में होने वाली जलन, टिश्युओं को होने वाले नुकसान, सांस की तकलीफ और घरघराहट के लक्षणों से निजात दिलाता है। इसलिए आप ओमेगा 3 फैटी एसिड जैसे मछली व ड्राई फ्रूट्स जैसे अखरोट और अलसी को अपनी डाइट में विशेष जगह दें।

सफेद बालें से यूं पाएं निजात

शरीर के अंदर मेलेनिन की कमी होने से आपकी अल्पायु में ही केश और दाढ़ी स्वेत/सफेद हो जाते है। इस दौर में यह प्रॉब्लम बहुत से लोगों को हो रही ही। इसका सबसे बड़ा कारण है कि मनुष्य का ज्यादा चिंता में रहना और मानसिक तनाव व बहुत ज्यादा सोचना। धूम्रपान भी इसका कारण हो सकता है। इनके अलावा खान पान भी इससे संबंध रखता है। आज आप जानेंगे कि कैसे काम उम्र में बाल सफेद होने की समस्या से निजात पाएं वो भी घरेलू उपाय से। इस उपाय के इस्तेमाल से यह समस्या धीरे धीरे समाप्त हो जाएगी।

प्रोटीन का कम होना भी बाल जल्दी पकने का कारण है। आंवला में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन और इसके अंदर और भी पोषक तत्व होते है।

इसके इस्तेमाल के लिए आप एक गिलास गुनगुने पानी के अंदर एक चम्मच भरके आंवला का पाउडर डाल दें और इन्हें अच्छी प्रकार से मिला लें। फिर इसको आप प्रातः और शाम भोजन के पश्चात सेवन करें।

अगर आपको अच्छा लगे तो एक दही के साथ भी आंवला का एक पाउडर मिलाके इसका पेस्ट बना लें। और फिर पेस्ट को आप प्रातः अपनी दाढ़ी पे लगाएं और तकरीबन एक घंटा यूं ही लगा रहने दें। फिर बाद में गुनगुने पानी के इस्तेमाल से धो दीजिये। आप इस उपाय का इस्तेमाल सप्ताह में 4 दिन जरूर करें।

रेसिपी

कटहल के कबाब

सामग्री

▪ कटहल-1/2 किलो (उबला और मैश किया) ▪ प्याज-3 (बारीक कटा) ▪ टमाटर-1 (बारीक कटा) ▪ बेसन-100 ग्राम ▪ नींबू का रस-3 छोटे टीस्पून ▪ जीरा पाउडर-2 छोटे टीस्पून ▪ धनिया पाउडर- 2 छोटे टीस्पून ▪ अदरक-लहसुन का पेस्ट-2 छोटे टीस्पून ▪ जीरा-1 छोटा टीस्पून ▪ गरम मसाला पाउडर-1 छोटा टीस्पून ▪ तेल-आवश्यकतानुसार ▪ नमक-स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले कढ़ाही में दो चम्मच तेल डाल कर गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें जीरा और हरी मिर्च डालें। जब जीरा चटकने तब इसमें प्याज डालकर गोल्डन होने तक फाई कर लें। इसके बाद इसमें टमाटर और नमक डाल कर टमाटर के नरम होने तक भून लें। इसके बाद इसमें अदरक- लहसुन का पेस्ट और सूखे मसालें डालकर धीमी आंच पर दो मिनट तक भून लें। फिर इसमें बेसन डालें और धीमी आंच पर लगभग 10 मिनट तक भून लें। फिर इसमें मैश किया हुआ कटहल और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिक्स करके एक मिनट तक पका कर गैस बंद कर दें। जब मिक्सचर ठंडा हो जाए तब इसे फिर से हाथों से अच्छी तरह से मिक्स कर लें और उसके छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर मनचाहा शेप दे दें। उसके बाद कढ़ाही में तेल गर्म करें और सभी बॉल्स को तेल में डीप फाई कर लें। इन्हें सर्विंग प्लेट में निकालें और मनपसंद चटनी या टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

सूपी पास्ता

सामग्री

▪ पास्ता- 1 कटोरी उबला हुआ ▪ प्याज- 1 छोटे टुकड़ों में कटे हुए ▪ टमाटर - 1 बारीक कटा हुआ ▪ गाजर- 1/4 कप ▪ शिमला मिर्च- 1 चौथाई कप ▪ मशरूम- 2 बारीक कटी ▪ पत्ता गोभी- 1/2 कप ▪ पास्ता पिजा सॉस-2 टेबलस्पून ▪ हरा धनिया बारीक कटा ▪ काली मिर्च पाउडर- 1/2 टीस्पून ▪ नमक- स्वादानुसार ▪ कॉर्न फ्लोर- 1 टेबलस्पून ▪ बटर- 2 टेबलस्पून

विधि

एक पैन में बटर डालकर गर्म करें। अब इसमें लहसुन डालकर 30 सेकंड तक भूनें फिर इसमें प्याज डालकर एक मिनट चलाते हुए फ्राई कर लें। गोल्डेन ब्राउन होने पर सारी सब्जियों को पैन में चलाते हुए मीडियम आंच पर पकाएं। थोड़ा सा नमक और तकरीबन 1/2 लीटर पानी डाल दें। अब इसमें पिज्जा सॉस डालें। पानी में अच्छी तरह मिक्स हो जाने के बाद इसमें उबला हुआ पास्ता डालकर अच्छे से मिला लें। 2-3 मिनट उबलने के बाद इसमें काली मिर्च पाउडर डाल दें। कॉर्न फ्लोर मे पानी डालकर इसका घोल बनाएं और इस घोल को पास्ते में डालकर मिलाएं। मीडियम आंच पर 2 मिनट और पकाएं। तैयार है आपका टेस्टी सूपी पास्ता।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यवसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

हंसी के फूव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली- 'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले- 'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली-'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूं.'

▯ ▯ ▯

एक दोस्त ने दूसरे से कहा-'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूं, वह एक ही जवाब देता है-'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

काकुरो पहेली - 4059

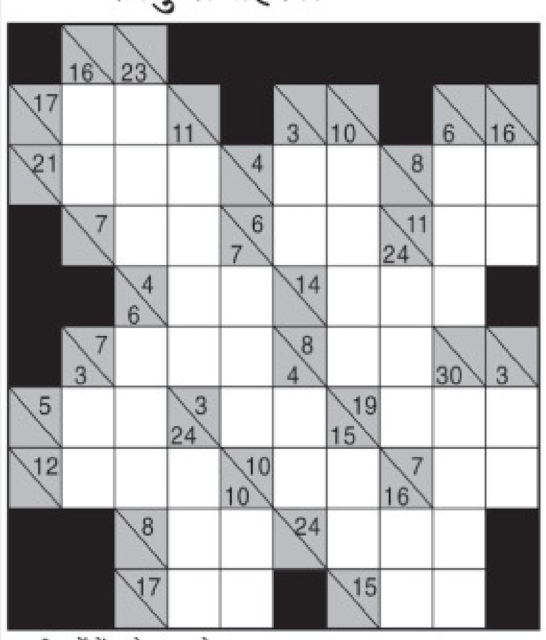

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4058 का हल

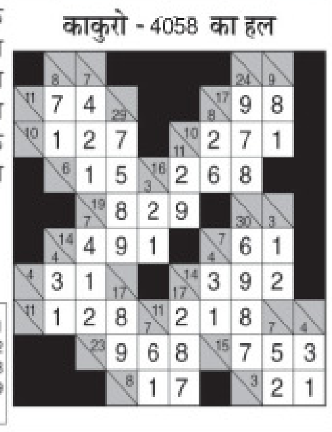

फिल्म वर्ग पहेली- 4059

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे ख़यालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचली नचली' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4058

सूडोकु -4059

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4058 । हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली -4059

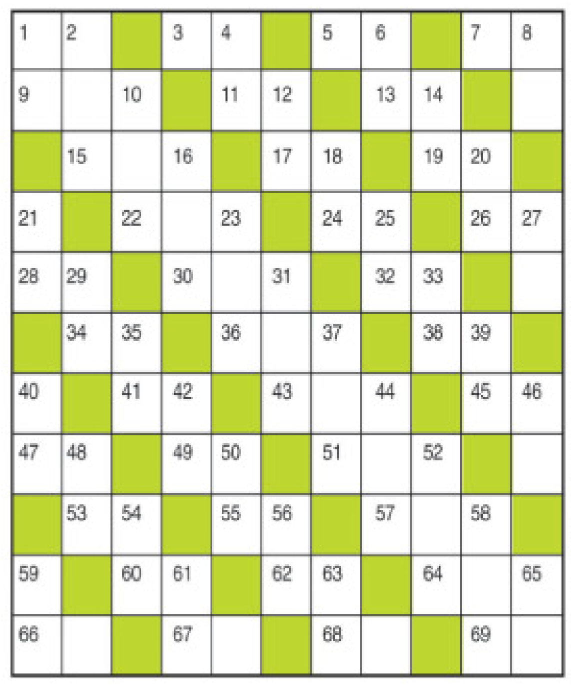

बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बडी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बडी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -4058 का हल

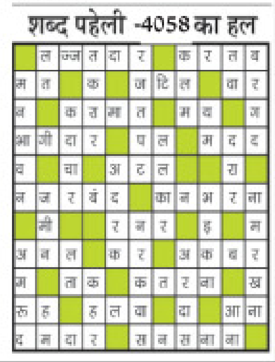

गुजरात की समुद्री सीमा में संदिग्ध बोट की हलचल के बाद कोस्टगार्ड अलर्ट

एजेंसी

अमरेली। अमरेली जिले के जाफराबाद के निकट समुद्री सीमा में संदिग्ध बोट की हलचल देखी गयी। जाफराबाद बंदरगाह से करीब 22 नॉटिकल माइल दूर बोट दिखने के बाद मछुआरों ने इसकी सूचना मरीन पुलिस थाने और कोस्टगार्ड को दी। कोस्टगार्ड की त्वरित कार्रवाई के बाद बोट तेजी से भाग निकला। कोस्टगार्ड हेलिकॉप्टर से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार अमरेली जिले के जाफराबाद बंदरगाह से करीब 22 नॉटिकल माइल दूर एक संदिग्ध बोट की हलचल दिखने पर वहां मौजूद मछुआरों ने इसकी सूचना तुरंत कोस्टगार्ड और मरीन पुलिस को दी। कोस्टगार्ड तुरंत हरकत में आया और संदिग्ध बोट के स्थान की ओर रवाना हो गया। जानकारी के अनुसार भारतीय कोस्टगार्ड की बोट देखकर संदिग्ध बोट तेजी से भाग निकला। कोस्टगार्ड हेलिकॉप्टर से इसकी जांच में जुट गया है। जाफराबाद बोट एसोसिएशन के प्रमुख कन्हैयालाल सोलंकी ने कहा कि बोट में कई लोग थे। मछुआरों ने उनके साथ बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन बोट कहीं रुका नहीं। मामले की जानकारी मिलने पर स्थानीय विधायक हीरा सोलंकी भी बंदरगाह पहुंचे और वायरलेस के जरिए समुद्र में मौजूद मछुआरों से बातचीत की। अंदर की स्थिति और संदिग्ध बोट के बारे में जानकारी प्राप्त की।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले कैथल के देवेंद्र से एनआईए ने की पूछताछ

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस की गिरफ्त में आए कैथल वासी पाकिस्तानी जासूस देवेंद्र सिंह के मामले की जांच में अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भी शामिल हो गई है। एनआईए की एक टीम कैथल पहुंची और देवेंद्र सिंह से पूछताछ की। कैथल पुलिस ने इस पूछताछ की पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार मस्तगढ़ निवासी देवेंद्र सिंह सिख धार्मिक स्थलों के दर्शन करने पाकिस्तान गया था। इस दौरान उसे वहां की एक लड़की ने हनीट्रैप में फंसा लिया और सात दिन तक उसे अपने साथ रखा। लड़की ने उसे पाकिस्तान में जासूसी की ट्रेनिंग दी। फिर उस लड़की ने उसका संपर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के पांच एजेंटों से करवाया। पुलिस जांच में सामने आया कि लडक़ी ने देवेंद्र को लालच दिया कि अगर वह गुप्त सूचना देगा तो वह उसकी दोस्ती खूबसूरत लड़कियों से करवा देगी और उसे पैसे भी मिलेंगे। एनआईए की टीम ने आरोपित से मामले से जुड़े कई पहलुओं पर पूछताछ की, जैसे कि वह आईएसआई के संपर्क में कैसे आया और उसने क्या-क्या सूचनाएं साझा कीं। एनआईए के दो अधिकारी अभी कैथल में ही हैं। आशंका जताई जा रही है कि बहुत जल्द देवेंद्र सिंह को एनआईए अपनी हिरासत में ले सकती है। कैथल पुलिस ने भी इस मामले की जांच के लिए अलग से एसआईटी का गठन कर दिया है।

सोशल मीडिया पर भारत विरोधी पोस्ट करने के आरोप में दो गिरफ्तार

शिलांग। सोशल मीडिया पर भारत विरोधी सामग्री पोस्ट करने के आरोप में मेघालय पुलिस ने दो पाकिस्तान प्रेमियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किये गये दोनों उत्तर गारो पहाड़ जिले के निवासी हैं। शिलांग स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा 15 मई को दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। शनिवार को उत्तर गारो पहाड़ जिले के बाझेंगडोबा थाना अंतर्गत दो गांवों में छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे गारो भाषा में भारत के खिलाफ नारे लगाते और पाकिस्तान का समर्थन करते नजर आए। हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों के नाम सार्वजनिक नहीं किया हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले, पहलगाम में आतंकवादी हमले के एक सप्ताह बाद, पूर्वी खासीपहाड़ जिले में एक व्यक्ति को अपने फेसबुक पेज पर कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

देश के लिए मरना श्रेष्ठ है, लेकिन आज देश के लिए जीने वालों की आवश्यकता : प्रांत प्रचारक

भोपाल/विदिशा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य भारत प्रांत के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने कहा कि हिंदू जीवन चार आश्रमों पर आधारित है। चौथा आश्रम संन्यास आश्रम है, जो व्यक्ति को मोक्ष की राह पर ले जाता है। उन्होंने कहा कि साधना कठिनता से सफल होती है। जो कठिनाइयों में जी नहीं सकता, वह कभी साधक नहीं बन सकता है देश के लिए मरना श्रेष्ठ है, लेकिन देश के लिए जीने वालों की आज आवश्यकता है।प्रांत प्रचारक गुप्ता विदिशा में स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग के उद्घाटन सत्र में स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग में आए हुए हम सभी साधक हैं, अपनी साधना को सफल करने के लिए इस वर्ग में उपस्थित हुए हैं। अपने संघ कार्य को मजबूती देने के लिए हम इस वर्ग में प्रशिक्षण ले रहे हैं। दरअसल, विदिशा के टीला खेड़ी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के परिसर में संघ शिक्षा वर्ग विशेष का उद्घाटन हुआ। इस समारोह के दौरान सर्वाधिकारी हरिश्चंद्र शर्मा और मध्य भारत प्रांत के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने भारत माता की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर वर्ग का शुभारंभ किया। इस वर्ग में आठ विभाग के 31 जिलों से 183 शिक्षार्थी 107 स्थानों से सम्मिलित हुए हैं। इस वर्ग में सभी जिलों का प्रतिनिधित्व हुआ।

हर गरीब को उसके घर के पास ही उचित स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो : अमित शाह

एजेंसी

मेहसाणा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मेहसाणा में श्री के.के. पटेल और श्रीमती मधुबेन के.पटेल नर्सिंग कॉलेज के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री शाह ने कहा कि श्री के.के. पटेल और श्रीमती मधुबेन के. पटेल नर्सिंग कॉलेज निरंतर 65 वर्षों से नर्सिंग शिक्षा में अहम भूमिका निभा रहा है। लेक्चर रूम, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और कार्यालय जैसी सुविधाओं से युक्त यह भवन क्षेत्र के युवाओं को सहज व सुलभ चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराएगा। अमित शाह ने कहा कि देश में पहले कमजोर रही स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आयुष्मान भारत योजना लेकर आए। इस योजना के लागू होने के बाद अब

देश में हर गरीब नागरिक के पास आयुष्मान कार्ड है, जिसके जरिए वह 5 लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज करा सकता है। उन्होंने कहा कि अब हर अस्पताल को आयुष्मान भारत योजना के मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने राज्य के अस्पतालों से अपने अस्पताल को आयुष्मान भारत योजना के मानकों के अनुरूप बनाने की अपील की जिससे आम जन और अस्पताल प्रबंधन दोनों को लाभ हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हर गरीब को उसके घर के पास ही उचित स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 से 2025 तक देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाने का काम किया है। आज 60 लाख लोगों के पास आयुष्मान कार्ड है। भारत में 70 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक नागरिक के लिए 5 लाख रुपए तक के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था की गई है और इसके लिए लाभार्थी की इनकम की कोई तय सीमा नहीं है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2014 से पहले देश का स्वास्थ्य बजट 37 हजार करोड़ रुपए का था, नरेन्द्र मोदी की सरकार ने इसे बढ़ाकर वर्ष 2025-26 में 1 लाख 37 हजार करोड़ रुपए कर दिया।

प्रधानमंत्री 30 मई को नबीनगर में बनने वाले पावर प्लांट का करेंगे शिलान्यास : सम्राट चौधरी

एजेंसी

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी औरंगाबाद जिले के नबीनगर में 29947.91 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सुपर थर्मल पावर प्लांट का शिलान्यास 30 मई को करेंगे। इससे बिहार को 1500 मेगावाट बिजली मिलेगी। यह एनटीपीसी का देश में दूसरा सबसे बड़ा विद्युत उत्पादन संयंत्र होगा। सम्राट चौधरी ने बिहार की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए नबीनगर सुपर थर्मल पावर स्टेशन (एनएसटीपीएस) के क्षमता विस्तार स्टेज-2 को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होने कहा कि स्टेज-2 के तहत यहां पर 800-800 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता वाली तीन नयी इकाइयां स्थापित की जायेंगी,जिससे कुल 2400 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

पाकिस्तान के आतंकवाद की पोल खोलने में मदद नहीं करेगी टीएमसी, ऑपरेशन सिंदूर की टीम से बनाई दूरी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत करने के लिए गठित बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों से खुद को अलग कर लिया है। केंद्र सरकार को इसकी औपचारिक सूचना दे दी गई है। यह निर्णय हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके जवाब में किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सामने आया है। केंद्र सरकार ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्यों सहित 32 देशों और यूरोपीय संघ के मुख्यालय ब्रुसेल्स में सात प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया है, जिनका उद्देश्य भारत की आतंकवाद-विरोधी नीति को वैश्विक समर्थन दिलाना है।

टीएमसी ने अपने लोकसभा सदस्य यूसुफ पठान, जो इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाए गए थे, को विदेश दौरे में हिस्सा लेने से मना कर दिया है। वहीं, पार्टी के वरिष्ठ सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने पहले ही स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर प्रतिनिधिमंडल से नाम वापस ले लिया था। टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, विदेश नीति केंद्र सरकार के अधीन है, इसलिए उसे ही इसकी पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। हम राष्ट्रहित में जरूरी हर कदम का समर्थन करते हैं और हमारे सशस्त्र बलों की

बहादुरी को सलाम करते हैं। सरकार की ओर से गठित प्रतिनिधिमंडलों में कांग्रेस के शशि थरूर, भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, द्रमुक की कनिमोझी, जदयू के संजय कुमार झा, राष्ट्रवादी कांग्रेस की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीकांत शिंदे जैसे सांसद शामिल हैं। इन 51 सदस्यों की सूची में गुलाम नबी आजाद, एमजे अकबर, आनंद शर्मा, सलमान खुर्शीद और एसएस अहलूवालिया जैसे पूर्व केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं, जो इस समय संसद सदस्य नहीं हैं।इन प्रतिनिधिमंडलों की यात्राएं मई के अंत से शुरू होंगी और पाकिस्तान की आतंकवाद को लेकर भूमिका को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर करेंगी। ऐसे समय में टीएमसी के फैसले से सवाल खड़े हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान के खिलाफ एकजुटता का संदेश देने के लिए गठित इस प्रतिनिधिमंडल से दूरी बनाने को लेकर एक बार फिर टीएमसी भाजपा के निशाने पर आने वाली है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने किए आदि कैलाश के दर्शन, बोले-उत्तराखंड में अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता

एजेंसी

देहरादून। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने दोपहर आदि कैलाश और पार्वती कुंड के दर्शन के बाद कैलाशवासी भगवान शिव के मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता विद्यमान है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा नेआदि कैलाश की आध्यात्मिक महत्ता कोअंतरराष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया है। अपने दो दिवसीय प्रवास पर उत्तराखंड पहुंचे नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश के पवित्र क्षेत्र के भ्रमण के पश्चात, इस क्षेत्र में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की आवाजाही में वृद्धि हुई है। इस बढ़ी हुई गतिविधि ने स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने न केवल आदि कैलाश की आध्यात्मिक महत्ता को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया है, बल्कि इसने साहसिक और आध्यात्मिक पर्यटन के एक महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में इस क्षेत्र की पहचान को भी मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप, पिछले कुछ वर्षों में आदि कैलाश और इसके आसपास के क्षेत्रों में

आने वाले पर्यटकों और भक्तों की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है। शिव दर्शन के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने पिथौरागढ़ जिले में स्थित ज्योलिंगकांग स्थित त्रिशूल के समीप मंदिर के दर्शन किए और यहां सेना के जवानों के साथ वार्ता कर उनका हौसला बढ़ाया।

झज्जर जिले में दो दिन में 174 अवैध बांग्लादेशी नागरिक पकड़े

झज्जर। जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए पुलिस अभियान चला रही है। शनिवार को शुरू हुए इस अभियान में रविवार तक 174 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा जा चुका है। पुलिस ने इन सभी को पुलिसलाइन परिसर में रखा है और सभी का वेरिफिकेशन करवाया जा रहा है। इन लोगों के दस्तावेजों की जांच रिपोर्ट के आधार पर की अगली कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस प्रवक्ता सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर झज्जर पुलिस दने जिले में अवैध तरीके से रह रहे विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया है। शनिवार से लेकर 27 और रविवार तक 147 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए। इनमें से अधिकतर लोग जिले के ईंट भट्ठों पर काम करते हैं या कूड़ा कबाड़ में से प्लास्टिक व लोहा आदि बीनते हैं। उन्होंने बताया कि सदर थाना पुलिस झज्जर और शहर थाना पुलिस ने इनको ईंट भट्ठा परिसरों और अन्य स्थानों पर झुग्गियों में से पकड़ा है। पकड़े गए सभी लोगों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इन लोगों को लेकर

कार्रवाई का अंतिम निर्णय जांच के बाद ही होगा।

विहिप ने अवैध विदेशियों को वापस भेजने की मांग की

उधर, झज्जर जिला के विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष राकेश भारद्वाज ने जिले में अवैध रूप से रह रहे सभी विदेशी नागरिकों को पकड़ कर जल्द से जल्द उन्हें उनके देश वापस भेजने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से आए घुसपैठिए हमारे देश को कमजोर कर रहे हैं। लाखों लोगों के भारत में रहने से न केवल देश पर आर्थिक रूप से बड़ा भारी बोझ पड़ रहा है, बल्कि आपराधिक घटनाओं को भी बढ़ावा मिल रहा है।

असम से भाजपा सांसद दिलीप सैकिया 'संसद रत्न पुरस्कार-2025' से होंगे सम्मानित

एजेंसी

गुवाहाटी/नई दिल्ली। असम से भाजपा सांसद दिलीप सैकिया को उत्कृष्ट संसदीय कार्य प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित संसद रत्न पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया जाएगा। वह उन 17 सांसदों में शामिल हैं जिन्हें आगामी जुलाई के अंत में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 15वें संस्करण में यह पुरस्कार दिया जाएगा। इस वर्ष दो संसदीय समितियों को भी इस सम्मान से नवाजा जाएगा। संसद रत्न पुरस्कार समिति ने घोषणा की कि यह पुरस्कार सांसदों के विषय पर आधारित बहसें, पूछे गए प्रश्न और पेश किए गए निजी सदस्य विधेयकों जैसे मापदंडों के आधार पर उनकी निष्पक्ष संसदीय उपलब्धियों को मान्यता देता है। यह पुरस्कार वर्ष 2010 में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सुझाव पर शुरू किया गया था। नागरिक समाज की ओर से दिए जाने वाले इन सम्मानों का उद्देश्य संसदीय उत्कृष्टता को सम्मानित करना है। इस वर्ष चार सांसदों को संसदीय लोकतंत्र में विशिष्ट एवं निरंतर योगदान के लिए विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे - जिनमें उड़ीसा से भाजपा सांसद भर्तृहरि माहताब, केरल से आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन, महाराष्ट्र से एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बारणे शामिल हैं। ये सभी सांसद 16वीं और 17वीं लोकसभा में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता रहे हैं और अब 18वीं लोकसभा में भी अपना उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं।राज्यों की बात करें तो महाराष्ट्र सबसे आगे है जहां से सात सांसदों को यह पुरस्कार मिलेगा, जबकि उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान से दो-दो तथा उड़ीसा, तमिलनाडु, केरल और असम से एक-एक सांसद चयनित हुए हैं। इसके अलावा दो स्थायी संसदीय समितियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

शरद पवार ने कहा- मैंने पीएमएलए संशोधनों का विरोध किया था

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि मैंने यूपीए सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम द्वारा प्रस्तावित धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) में किए गए संशोधनों की खिलाफत की थी। चिदंबरम ने यह कानून उनकी मर्जी वगैर लाया और सरकार बदलने के बाद इस संशोधन के पहले शिकार बने थे। शरद पवार शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत की नरकाचा स्वर्ग नामक मराठी पुस्तक विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शरद पवार ने मनी लॉन्ड्रिंग कानून में संशोधनों के खिलाफ़ आवाज़ उठाई थी और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) में किए

गए संशोधनों के सख्त खिलाफ़ हैं। पवार ने कहा कि अधिनियम में बदलाव से ऐसा हुआ कि यह जांच एजेंसी या सरकार की जिम्मेदारी होने के बजाय आरोपितों पर अपनी बेगुनाही साबित करने का भार डाल देता है। पवार ने कहा, संशोधन के तुरंत बाद, यूपीए सत्ता से बाहर हो गई और भाजपा ने अपनी सरकार बनाई। बदलावों के परिणाम आज दिखाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 2022 में राउत को गोरेगांव पश्चिम में पात्रा चॉल के विकास से जुड़े एक मामले में उनके कथित संबंधों के लिए ईडी ने गिरफ्तार किया था। बाद में एक विशेष पीएमएलए अदालत ने उनकी गिरफ्तारी को अवैध करार दिया, जिसके बाद शिवसेना यूबीटी नेता को जमानत पर रिहा कर दिया गया। तब तक राउत तीन महीने से अधिक जेल में बिता चुके थे। संजय राउत ने इस पुस्तक में धन शोधन के आरोपों में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उनकी गिरफ्तारी के बाद जेल में बिताए गए समय के बारे में बताया है। इस कार्यक्रम में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने परोक्ष रूप से कहा, मैं उन यात्राओं के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता, क्योंकि दूसरों को की गई किसी भी तरह की मदद के बारे में सार्वजनिक रूप से बताना हमारी संस्कृति और परवरिश में नहीं है।

सोलापुर में टावेल फैक्ट्री में आग लगने से 8 की मौत, दो दमकल कर्मी जख्मी

एजेंसी

मुंबई। सोलापुर जिले में अक्कलकोट रोड एमआईडीसी क्षेत्र में स्थित सेंट्रल टेक्सटाइल्स तौलिया कारखाने में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई।

इस घटना में आग बुझाते समय दो फायर ब्रिगेड कर्मी भी घायल हो गए, दोनों का इलाज सरकारी अस्पताल में जारी है। इस घटना की छानबीन अक्कलकोट पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस निरीक्षक सदाशिव पडगे ने बताया कि सोलापुर के अक्कलकोट रोड एमआईडीसी क्षेत्र में सेंट्रल टेक्सटाइल्स तौलिया कारखाने में आग लग गई थी। इस घटना में फायरब्रिगेड की टीम ने तीन मजदूरों को आग के घेरे से निकाल कर

अस्पताल पहुंचाया था, लेकिन तीनों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। फैक्ट्री में केमिकल सामान होने की वजह से आग बुझाने में दिक्कत आ रही थी और कंपनी के मालिक अपने परिवार के सदस्यों सहित फैक्ट्री में ही बने आवास के बेड रुम में छिप गए थे। आग लगने के करीब 13 घंटे बाद किसी तरह फायर ब्रिगेड की टीम बेडरुम में फंसे फैक्ट्री मालिक सहित 5 लोगों को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला और पांचों को सरकारी अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने पांचों को मृत घोषित कर दिया। फायर ब्रिगेड की टीम ने फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पा लिया है। इस घटना में मृतकों की पहचान सेंट्रल इंडस्ट्रीज के मालिक उस्मान मंसूरी (87), अनस मंसूरी (24), शिफा मंसूरी (24), यूसुफ मंसूरी (1.6), आयशा बागबान (38), मेहताब बागवान (51), हिना बागवान (35) और सलमान बागवान (38) के रुप में हुई। इस घटना में मृतकों में एक ही परिवार के पांच लोग और 3 मजदूर शामिल हैं।

आईएसआई के निमंत्रण पर गौरव गोगोई पाकिस्तान गए थे : मुख्यमंत्री

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को लेकर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए दावा किया कि गोगोई पाकिस्तान सरकार के गृह मंत्रालय और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा, गौरव गोगोई को पाकिस्तान सरकार के गृह विभाग की ओर से निमंत्रण दिया गया था। उन्होंने यह निमंत्रण स्वीकार कर पाकिस्तान की यात्रा की

थी। इस संबंध में सभी दस्तावेज और तथ्य सामने लाए जाएंगे। यदि गौरव गोगोई सांस्कृतिक मंत्रालय या विदेश मंत्रालय के आमंत्रण पर गए होते तो भी बात अलग होती। सरमा ने कांग्रेस पर विदेशी एजेंसियों से संबंध रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो नेता देश विरोधी तत्वों से संबंध रखते हैं, उन्हें जनता पहचान चुकी है। उन्होंने कहा, गोगोई और पाकिस्तान की एजेंसी के बीच जो भी संबंध हैं, यह केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

नक्सलियों के मंसूबों को सुरक्षा बलों ने किया नाकाम, पांच किलो के दो आईईडी को किया नष्ट

एजेंसी

रायपुर/गरियाबंद। गरियाबंद जिले के गौरमुंड के जंगलों में दो अलग-अलग जगहों पर नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) को सुरक्षा बलों ने निष्क्रिय कर दिया है। गरियाबंद पुलिस के अनुसार, सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से नक्सलियों के द्वारा मैनपुर थाना क्षेत्रातंर्गत ग्राम गौरमुंड के जंगलों में दो अलग-अलग जगहों पर आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव

डिवाइस) प्लांट कर रखे थे, जिसे सुरक्षा बलों ने निष्क्रिय कर दिया है।

बताया गया कि नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना पर असिस्टेंट कमांडेंट सुधीर कुमार के नेतृत्व में जिला बल एवं 65 वाहिनी सीआरपीएफ कंपनी की संयुक्त टीम गौरमुण्ड के जंगल में अभियान पर रवाना हुए थे। माओवादियों द्वारा दो जगहों पर कुकर बम सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से लगाए हुए थे। नक्सलियों के मंसूबो को नाकाम करते हुए सुरक्षा बल के बीडीएस टीम के द्वारा पांच किलो के दो आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) को नष्ट किया है।

नक्सलियों द्वारा जंगल में लगाये गये इस आईईडी से ग्रामीणों एवं पशुओं को भी नुकसान हो सकता था। इसके अलावा सुरक्षाबलों को सर्चिंग के दौरान जंगल में सोलर प्लेट, वायर, बर्तन जैसे अन्य नक्सल सामग्री बरामद किए हैं। उल्लेखनीय है कि गरियाबंद जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है।

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।
तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है।अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी
(3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान
(5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।
लाभ - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।
छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अतः जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण से पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विषेप्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते है कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पार्ट्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडि्डयां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हडि्डयों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

इंग्लैंड दौरे से पहले सख्त डाइट और ट्रेनिंग पर सरफराज खान, वजन में की भारी कटौती

एजेंसी

नई दिल्ली। अगले महीने होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान ने खूब पसीना बहा रहे हैं और जमकर मेहनत कर रहे हैं। सरफराज फिट होने की राह पर हैं और सख्त डाइट प्लान के जरिए उन्होंने 10 किलो वजन भी घटाया है। एक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी साझा की गई है। पिछले साल 2024 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले सरफराज ने एक भी विदेशी टेस्ट मैच नहीं खेला है। बल्लेबाज को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों के लिए इंडिया ए टीम में चुना गया है। इस बार उन्हें भी टीम में मौका मिले इसके लिए वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं क्योंकि यही एक चीज में जिसे लेकर उन्हें अकसर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। भारत ए को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच (30 मई-2 जून को कैंटरबरी में और 6-9 जून को नॉर्थम्प्टन में) और सीनियर इंडिया टेस्ट टीम के खिलाफ एक इंट्रा-स्क्वाड मैच (13-16 जून को बेकेनहैम में) खेलना है। 18 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कहा कि शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन 3 जून को आईपीएल 2025 के समाप्त होने के बाद इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे मैच से पहले भारत 'ए' टीम में शामिल होंगे।

सबसे तेज केएल राहुल, 8 हजार रन पूरे, कोहली का रिकॉर्ड भी टूटा

जयपुर। भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने टी20 क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने मात्र 224 पारियों में 8000 रन पूरे कर लिए, जिसके साथ वह इस उपलब्धि तक सबसे तेज पहुंचने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। यह शानदार प्रदर्शन उन्होंने आईपीएल 2025 के 60वें मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए बनाया। ऐसा कर वह सबसे तेज 8 हजार रन बनाने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं। उनसे पहले कोहली ने 243 पारियों में ऐसा किया था।

सबसे तेज 8000 रन बनाने वाले बल्लेबाज

क्रिस गेल - 213 पारी
बाबर आजम - 218 पारी
केएल राहुल - 224 पारी
विराट कोहली - 243 पारी
मोहम्मद रिजवान - 244 पारी

केएल राहुल की शतकीय पारी देखने के बाद दिल्ली कैपिटल्स के केविन पीटरसन ने कहा कि खिलाड़ियों को बैठकर खेलते हुए देखना मुश्किल है, खासकर उस दबाव की स्थिति में जिसमें हम खुद को पाते हैं, हमने अच्छी शुरुआत की, फिर लड़खड़ा गए, लेकिन ब्रेक ने हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन किया होगा। केएल शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करना चाहता था और जब वह पूरी तरह से लय में होता है तो उसे देखना बहुत अच्छा लगता है। जब आप उस गुणवत्ता के खिलाड़ियों को देखते हैं, उन्हें अभ्यास करते हुए देखते हैं और फिर मैच के दौरान उन्हें खेलते हुए देखते हैं, तो यह देखना अच्छा लगता है।

राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ की रेस से बाहर, भावुक हुए राहुल द्रविड़, कही यह बात

जयपुर। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को उम्मीद है कि राजस्थान रॉयल्स के युवा भारतीय खिलाड़ियों को जल्द ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा जिससे उन्हें अगले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए मजबूत वापसी करने में मदद मिलेगी। पंजाब किंग्स के खिलाफ रविवार को यहां 10 रन से हारने पर राजस्थान रॉयल्स को लगातार 5वीं हार का सामना करना पड़ा। द्रविड़ ने मैच के बाद कहा कि हमारे पास बहुत सारे युवा, अच्छे भारतीय बल्लेबाज हैं। आज भी जायसवाल ने, वैभव ने, ध्रुव जुरेल ने जैसी बल्लेबाजी की। संजू, रियान ने दम दिखाया, उसे देखते हुए वे एक साल में और भी बेहतर होंगे। द्रविड़ ने फिर बताया कि रॉयल्स के युवा खिलाड़ी एक साल बाद कैसे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैभव (सूर्यवंशी) बहुत क्रिकेट खेलेंगे जैसे भारत अंडर-19 में। रियान पराग भी बहुत क्रिकेट खेलेंगे। इसलिए मुझे लगता है कि ये सभी खिलाड़ी पूरे साल भारत के लिए बहुत क्रिकेट खेलेंगे जो मुश्किल क्रिकेट, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट होगा। द्रविड़ ने कहा कि इसलिए उम्मीद है कि जब वे अगले साल यहां वापस आएंगे तो वे अधिक अनुभवी होंगे।

शुभमन गिल ने रचा नया कीर्तिमान, 5 हजार टी20 रन पूरे, छठे सबसे तेज बल्लेबाज

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के कप्तान और स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल ने टी20 क्रिकेट में एक और शानदार उपलब्धि अपने नाम कर ली। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के 60वें मैच में केवल 154 पारियों में 5000 रन पूरे कर लिए, जिसके साथ वह इस आंकड़े तक सबसे तेज पहुंचने वाले छठे बल्लेबाज बन गए। यह मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया, जहां गिल ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से प्रशंसकों का दिल जीत लिया। क्रिस गेल - 132 पारी, केएल राहुल - 143 पारी, शॉन मार्श - 144 पारी, डेवोन कॉनवे - 144 पारी, बाबर आजम - 145 पारी, शुभमन गिल - 154 पारी।

बी. इंदिरा : एथलीटों के भरोसे से प्रशस्त हुई उनकी प्रसिद्धि की लंबी राह

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने प्रदेश के खेल विकास प्राधिकरण की अनुभवी ट्रैक और फील्ड कोच बी. इंदिरा को 'सर्वश्रेष्ठ कोच' पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह सम्मान इंदिरा के अथक प्रयासों और राज्य में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

बी. इंदिरा की जीवन यात्रा, जो एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक के रूप में उनकी भूमिका से शुरू हुई, दृढ़ता और अपने एथलीटों के प्रति गहरे समर्पण से प्रेरित है। यह समान उनके महत्वपूर्ण सफलताओं, विशेष रूप से ओलंपियन प्रवीण चित्रवेल के साथ उनके संबंधों पर आधारित है , जो उनके छात्रों को निरंतर प्रोत्साहित करने विश्वास पैदा करने और सफलता के पथ की नींव डालने पर आधारित है। 53 वर्षों के बाद, यह पुरस्कार अंततः तमिलनाडु में खेलों के विकास में इंदिरा के विशेष

योगदान को याद दिलाया है। बी. इंदिरा को दिए गए सम्मान के पीछे की कहानी जुड़ी है विश्व प्रसिद्ध बैडमिंटन चैंपियन पीवी सिंधु के संघर्षों और सफलताओं की घटनाओं से। बताया जा रहा है कि बैडमिंटन की दुनिया में सिंधु की उल्लेखनीय यात्रा उनके परिवार, कोच और साथियों से मिले समर्थन और विश्वास से भी गहराई से जुड़ी हुई है।अपने माता-पिता द्वारा पोषित खेल के प्रति उनके शुरुआती जुनून से लेकर उनके कठोर प्रशिक्षण और उसके बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर जीत तक, जिसमें 2019 में विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण और 2021 में ओलंपिक पदक शामिल हैं, सिंधु ने अपनी उपलब्धियों में इस अटूट विश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका पर लगातार जोर दिया है। उनकी कहानी इस बात का एक शक्तिशाली प्रमाण है कि कैसे खुद से और दूसरों से विश्वास, एक एथलीट को उसके खेल के शिखर पर पहुंचा सकता है। बी. इंदिरा और पीवी सिंधु की समानांतर कहानियाँ, हालांकि अलग-अलग खेल विधाओं में हैं, एक केंद्रीय विषय पर मिलती हैं- उत्कृष्टता की खोज में विश्वास और समर्पण की अपरिहार्य भूमिका। इंदिरा की 'सर्वश्रेष्ठ कोच' के रूप में लंबे समय से प्रतीक्षित मान्यता उनके एथलीटों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को उजागर करती है, जबकि सिंधु का प्रसिद्ध बैडमिंटन करियर वैश्विक सफलता प्राप्त करने में विश्वास की शक्ति को रेखांकित करता है।

आईपीएल 2025: गुजरात ने दिल्ली को 10 विकेट से हराया, बनी प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 60वें मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 10 विकेट से मात दी। दिल्ली की ओर से मिले 200 रन के लक्ष्य को गुजरात ने 6 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। एक ओर जहां जीत के साथ गुजरात प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बनीं। वहीं दिल्ली की हार ने पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए भी प्लेऑफ का स्पॉट फिक्स कर दिया। अब सिर्फ चौथे स्थान के लिए मुंबई, दिल्ली और लखनऊ में होड़ रहेगी। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने 3 विकेट के नुकसान पर 199 रन का स्कोर खड़ा किया। केएल राहुल ने 65 गेदों पर 112 रन की नाबाद पारी खेली। जबकि फाफ डु प्लेसिस ने 5 रन, अभिषेक पोरेल ने 30 रन और कप्तान अक्षर पटेल ने 25 रन बनाए।राहुल ने एक छोर संभालते हुए न सिर्फ अपना शतक जमाया बल्कि टीम के स्कोर को 199 रन तक पहुंचाया। राहुल ने अपनी पारी में 14 चौके और चार छक्के जड़े।गुजरात की ओर से अरशद खान, साई किशोर और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक सफलता मिली। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19 ओवर में ही लक्ष्य का हासिल कर लिया। गुजरात के दोनों सलामी बल्लेबाज दिल्ली के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते रहे और 6 गेंद शेष रहते हुए 205 रन बना लिया। कप्तान शुभमन गिल ने 93 रन और साई सुदर्शन ने 108 रन की नाबाद पारी खेली।

ला लीगा 2024-25: एमबाप्पे-बेलिंगहैम ने रियल मैड्रिड को नौ खिलाड़ियों वाले सेविला पर 2-0 से जीत दिलाई

एजेंसी

नई दिल्ली। ला लीगा 2024-25 के अंतिम चरण में रियल मैड्रिड ने काइलियन एमबाप्पे और जूड बेलिंघम के दूसरे हाफ में किए गए गोलों की बदौलत सेविया को 2-0 से हराया। मुकाबले में सेविया की टीम को दो रेड कार्ड झेलने पड़े, जिससे वह नौ खिलाड़ियों के साथ मैच खत्म करने को मजबूर हुई।

मैच की शुरुआत में ही मिला पहला रेड कार्ड: मैच के शुरुआती 11वें मिनट में ही लोइक बाडे को एमबाप्पे को काउंटर-अटैक पर रोकने की कोशिश में रेड कार्ड दिखा दिया गया। यह साफ गोल स्कोरिंग मौका था, जिसे रेफरी ने गंभीरता से लिया और सेविया को शुरुआती झटका लगा। हालांकि रियल मैड्रिड ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन पहले हाफ में एमबाप्पे और एंड्रिक गोल करने के आसान मौके भुना नहीं सके। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही सेविया को दूसरा झटका लगा, जब आइज़ैक रोमेरो ने ओरेलियन चुआमेनी पर खतरनाक टैकल किया और उन्हें भी सीधा रेड कार्ड दिखाया गया।

एमबाप्पे का धमाका और बेलिंघम की सील

70वें मिनट में एमबाप्पे का शॉट बार से टकराया, लेकिन 75वें मिनट में उन्होंने बॉक्स के बाहर से लो स्ट्राइक मारकर रियल के लिए खाता

खोला। इसके बाद 87वें मिनट में युवा फॉरवर्ड गोंजालो गार्सिया के क्रॉस पर जूड बेलिंघम ने नजदीक से गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

अंक तालिका की स्थिति

बार्सिलोना पहले ही खिताब अपने नाम कर चुका है और 85 अंकों के साथ टॉप पर है। रियल मैड्रिड 81 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर, जबकि एटलेटिको मैड्रिड 73 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। एथलेटिक बिलबाओ (70) और विलारियल (67) अंक के साथ टॉप-5 में हैं और ये सभी टीमें अगले सीजन यूईएफा चैंपियंस लीग में स्पेन का प्रतिनिधित्व करेंगी।

ला लीगा 2024-25: विलारियल ने बार्सिलोना के खिताबी जश्न को फीका किया

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेनिश लीग लालीगा 2025 में बार्सिलोना को अपने आखिरी घरेलू मुकाबले में रात विलारियल के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह 2025 में बार्सिलोना की पहली लीग हार है। हालांकि इस हार का खिताब पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि बार्सिलोना पहले ही मौजूदा सीजन का लालीगा खिताब जीत चुका है।मैच की शुरुआत में विलारियल ने बार्सिलोना के खिलाड़ियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जहां उन्होंने नए चैंपियन को सम्मानित किया। इसके बावजूद मैदान पर उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन कर जीत हासिल की। विलारियल की ओर से चौथे मिनट में आयोजे पेरेज़ ने शानदार ब्रेकअवे गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद लामीने यामाल ने एक और बेहतरीन गोल कर स्कोर बराबर किया। फर्मिन लोपेज ने हाफ टाइम से पहले बार्सिलोना को बढ़त दिला दी, लेकिन दूसरी छमाही में सैंटियागो कोमेसाना और ताजोन बुकानन के गोल ने विलारियल को जीत दिला दी।

15 मैचों के बाद हारी बार्सिलोना, विलारियल ने पक्का किया चैंपियंस लीग का टिकट: बार्सिलोना की यह हार 21

दिसंबर 2024 के बाद पहली है, जब उसे एटलेटिको मैड्रिड से 2-1 से हार मिली थी। इसके बाद क्लब ने 15 मैचों में 12 जीत और 2 ड्रॉ हासिल किए थे। वहीं, विलारियल की यह लगातार पांचवीं जीत रही, जिससे उन्होंने 2022 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग में वापसी पक्की कर ली है।

स्पेन से पांच टीमें खेलेंगी

अगली बार चैंपियंस लीग

विलारियल अब बार्सिलोना, रियल मैड्रिड, एटलेटिको मैड्रिड और एथलेटिक बिलबाओ के साथ मिलकर चैंपियंस लीग 2025-26 में हिस्सा लेगा। यानी स्पेन से अगली बार यूरोप की सबसे बड़ी क्लब प्रतियोगिता में पांच टीमें भाग लेंगी।

अन्य यूरोपीय प्रतियोगिताओं की स्थिति

रियल बेटिस ने यूरोपा लीग का टिकट कन्फर्म कर लिया है। वहीं, सेल्टा वीगो, रायो वायेकेनो और ओसासुना के बीच बची हुई यूरोपा लीग और कॉन्फ्रेंस लीग की जगहों के लिए कड़ा मुकाबला जारी है।

खेलो इंडिया बीच गेम्स की शुरुआत दीव में, 1000 से अधिक एथलीट लेंगे भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। 12 दिनों तक पटना में आयोजित यूथ गेम्स के सफल समापन के बाद अब खेलो इंडिया का कारवां दीव पहुंच चुका है, जहां घोघला बीच पर पहली बार खेलो इंडिया बीच गेम्स की शुरुआत होने जा रही है। इस ऐतिहासिक आयोजन में देशभर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए 1000 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

छह खेलों में मिलेंगे मेडल, दो प्रदर्शनी खेल भी शामिल

बीच गेम्स में छह प्रतिस्पर्धात्मक खेलों में मेडल दांव पर होंगे–बीच सॉकर, बीच वॉलीबॉल, सेपक टकरा, बीच कबड्डी, पेंचक सिलाट और ओपन वॉटर स्वीमिंग। इसके अलावा टग ऑफ वॉर और मल्लखंब को प्रदर्शनी खेल के रूप में शामिल किया गया है।

दीव में लगातार दूसरी बार आयोजन, इस बार खेलो इंडिया के तहत

यह पहली बार है जब बीच गेम्स का आयोजन खेलो इंडिया पहल के तहत किया जा रहा है। पिछले वर्ष दीव प्रशासन द्वारा आयोजित गेम्स में मध्य प्रदेश विजेता बनकर उभरा था। इस बार आयोजन की भव्यता और भी बढ़ गई है क्योंकि यह अब केंद्र सरकार के फ्लैगशिप प्रोग्राम का हिस्सा है।

केंद्रीय खेल मंत्री करेंगे उद्घाटन, नामी खिलाड़ी भी होंगे मौजूद

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इसके साथ ही केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव और लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल भी समारोह में भाग लेंगे। देश के जाने-माने खिलाड़ी भी इस समारोह की शोभा बढ़ाएंगे, जिनमें कबड्डी स्टार साक्षी पुनिया, हॉकी के जोगिंदर सिंह, बैडमिंटन की तृप्ति मुरगुंडे, टेबल टेनिस की ममता प्रभु और वेटलिफ्टर रवि कुमार कटुलु शामिल हैं। खिलाड़ियों और दर्शकों के मनोरंजन के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। इनमें गुजरात का गरबा, उत्तर भारत का भांगड़ा, दक्षिण भारत का कथकली और पूर्वोत्तर का बिहू शामिल हैं। इसके अलावा, लोकप्रिय गुजराती गायिका गीता बेन रबारी भी अपने गीतों से श्रोताओं का मन मोहेंगी।

इस आयोजन की खास बात है 'पर्ल्स' - डॉल्फिन पर आधारित मैस्कॉट, जो सर्फबोर्ड के साथ खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाता नजर आएगा। उम्मीद की जा रही है कि खेलो इंडिया के अंतर्गत हो रहे इन बीच गेम्स से इस श्रेणी के खेलों को नई पहचान और बढ़ावा मिलेगा।

मेघालय में अंतर-जिला स्थानांतरण प्रक्रिया की अंतिम तिथि 24 मई तक, राज्य फुटबॉल संघ ने की घोषणा

एजेंसी

शिलांग। मेघालय फुटबॉल एसोसिएशन ने राज्य में फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए अंतर-जिला स्थानांतरण 2025 की समय सीमा 24 मई तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। एक बयान में, मेघालय फुटबॉल एसोसिएशन (एमएफए) के अध्यक्ष हैमिल्टनसन डोहलिंग और महासचिव सुनेश सीएम ने कहा कि एमएफए ने खिलाड़ियों के स्थानांतरण को पूरा करने के लिए पूर्ण स्थानांतरण फॉर्म जमा करने और रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने की अंतिम तिथि 17 मई तय की थी। लेकिन, एमएफए अधिकारियों ने खिलाड़ियों और क्लबों की सुविधा के लिए समय सीमा को एक सप्ताह बढ़ाने का निर्णय लिया है। बयान में कहा गया है कि गुलाबी रंग के फॉर्म संबंधित खिलाड़ी की तस्वीर के साथ एमएफए कार्यालय में जमा किए जाने चाहिए, सफेद फॉर्म जिला संघ द्वारा रखे जाएंगे और पीले फॉर्म क्लब द्वारा रखे जाएंगे। बयान में कहा गया है कि संबंधित खिलाड़ी की फोटो के बिना कोई भी फॉर्म स्वीकार नहीं किया जाएगा। बताया कि स्थानांतरण को पूरा करने के लिए खिलाड़ियों को एमएफए कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से रजिस्टर पर हस्ताक्षर करना होगा और उस समय एक हजार रुपये का स्थानांतरण शुल्क जमा करना होगा। यह प्रक्रिया 24 मई तक छोड़कर सभी कार्य दिवसों पर दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक जारी रहेगी।

ज़िम्बाब्वे की टेस्ट तैयारी को झटका, काउंटी एक्सआई के खिलाफ मिली 138 रन से हार

एजेंसी

लेस्टर। इंग्लैंड के खिलाफ अगले हफ्ते होने वाले एकमात्र टेस्ट से पहले ज़िम्बाब्वे को अभ्यास मैच में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। लेस्टर में खेले गए चार दिवसीय मुकाबले में प्रोफेशनल काउंटी क्लब सिलेक्ट इ्ढ्ढ (पीसीसी) ने ज़िम्बाब्वे को 138 रन से हरा दिया।

आखिरी दिन लड़खड़ाई ज़िम्बाब्वे की बल्लेबाज़ी

464/7 के स्कोर पर दूसरी पारी घोषित करने के बाद पीसीसी इ्ढ्ढ ने ज़िम्बाब्वे को जीत के लिए 392 रन का लक्ष्य दिया। पीसीसी इ्ढ्ढ ने पहली पारी में 330 रन बनाए थे। हालांकि, ज़िम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही और लंच के बाद स्कोर 51/4 हो गया। हैम्पशायर के एडी जैक ने ज़िम्बाब्वे की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ी को तहस-नहस कर दिया। ज़िम्बाब्वे ने अपनी पहली पारी में मधेवेरे (93), विलियम्स

(76), सीगा (66), बेनेट (65) के अर्धशतकों की बदौलत 403 रन बनाए थे।

वेल्श और त्सीगा की जुझारू पारियां

निक वेल्श (87) ने काउंटर अटैक करते हुए पहले वेस्ली मधेवेरे (47 रन की साझेदारी) और फिर तफाद्ज़्वा त्सीगा (70 रन की साझेदारी) के साथ पारी को संभालने की कोशिश की। मधेवेरे ने पहली पारी में 93 रन बनाए थे। हालांकि वेल्श शतक के करीब जाकर आउट हो गए और इसके बाद ज़िम्बाब्वे की पारी फिर बिखर गई। ज़िम्बाब्वे की टीम दूसरी पारी में 253 रनों पर सिमट गई।

स्पिनरों ने किए अंतिम झटके

शाम के सत्र में एसेक्स के ऑलराउंडर जमाल रिचर्ड्स ने दो विकेट झटके जबकि स्पिनर डैन मौसली और जाफर चोहन ने आखिरी तीन विकेट लेकर ज़िम्बाब्वे को ऑलआउट कर दिया। त्सीगा ने इस मैच में लगातार दूसरी फिफ्टी लगाई, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। दूसरी पारी में डैन मौसली ने शानदार 154 रन बनाए और कप्तान जोश डी काइरेस (84 रन) के साथ 179 रन की साझेदारी की। थॉमस रू भी शतक बनाने में कामयाब रहे। दूसरी पारी में पीसीसी इ्ढ्ढ ने 7 विकेट पर 464 रन बनाकर पारी घोषित कर दी।पहली पारी में डी काइरेस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी चुनी थी और 79 रन बनाए थे। पीसीसी इ्ढ्ढ ने पहली पारी में 330 रन बनाए। काइरेस के अलावा मॉर्गन (66) और चोहान (56) ने अर्धशतकीय पारी खेली।

ज़िम्बाब्वे की पहली पारी में वेस्ली मधेवेरे ने 93 रन की लाजवाब पारी खेली थी। वहीं ओपनर ब्रायन बेनेट और अनुभवी सीन विलियम्स ने अर्धशतक जड़े। गेंदबाज़ी में लेफ्ट आर्मर न्यूमैन न्यामहुरी ने पांच विकेट लिए।

सुदर्शन-शुभमन की 4 सालों में ही 7वीं शतकीय साझेदारी, कोहली का रिकॉर्ड खतरे में

मुंबई । गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और शुभमन गिल ने आईपीएल 2025 में एक और कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 60वें मैच में दोनों ने सातवीं शतकीय साझेदारी की। इसी के साथ उन्होंने धवन-वार्नर का खास रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब विराट कोहली और एबी डीविलियर्स का रिकॉर्ड खतरे में आ गया है। दोनों प्लेयरों ने आरसीबी के लिए करीब 10 साल खेलते हुए 10 शतकीय साझेदारियों की थी लेकिन सुदर्शन और शुभमन की जोड़ी केवल चार सालों में ही इस रिकॉर्ड के पास पहुंच गई।

कार्लोस अल्कराज ने सिनर को हराकर इटालियन ओपन खिताब जीता

एजेंसी

रोम। युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज ने इटालियन ओपन के फाइनल में जैनिक सिनर को सीधे सेटों में 7-6 (7/5), 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही अल्कराज ने रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) के लिए बाकी खिलाड़ियों को कड़ा संदेश दे दिया है, जहां वह अपने खिताब की रक्षा करने उतरेंगे।

अल्कराज की इस सीजन में तीसरी खिताबी जीत

22 वर्षीय अल्कराज का यह सीजन में तीसरा खिताब है। यह उनका इस साल का चौथा फाइनल था और रोम मास्टर्स खिताब उनके खाते में दूसरा एटीपी 1000 खिताब बन गया है। इससे पहले वह मोंटे कार्लो में भी विजेता बने थे और बार्सिलोना में उपविजेता रहे थे।

सिनर की जीत की लय तोड़ी

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने जैनिक सिनर की 26 मैचों की

जीत की लय अल्कराज ने ही तोड़ी। गौर करने वाली बात यह है कि इस साल किसी भी टूर्नामेंट के फाइनल में सिनर को हराने वाले एकमात्र खिलाड़ी भी अल्कराज ही हैं। इससे पहले भी उन्होंने पिछले साल चीन ओपन के फाइनल में सिनर को हराया था।

चोट के बावजूद शानदार प्रदर्शन

अल्कराज को इस सीजन में मांसपेशियों में खिंचाव के चलते मैड्रिड ओपन में भाग लेने का मौका नहीं मिला, लेकिन फिर भी उन्होंने क्ले कोर्ट सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है। रोलां गैरो से पहले यह फॉर्म उन्हें खिताब के बड़े दावेदारों में शामिल करता है।

सिनर के लिए भी सकारात्मक संकेत

हालांकि फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन यह टूर्नामेंट सिनर के लिए भी काफी अहम रहा। यह उनकी तीन महीने की डोपिंग प्रतिबंध के बाद पहली वापसी थी। उन्हें पिछले साल मार्च में दो बार क्लोस्टेबोल के लिए पॉजिटिव पाया गया था, जिसे डोपिंग एजेंसियों ने 'दुर्घटनावश' माना था।

डॉ मांडविया ने लॉन्च किया खेलो इंडिया वार्षिक कैलेंडर, ओलंपिक 2036 और राष्ट्रमंडल खेल 2030 की तैयारियों को नई दिशा

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने खेलो इंडिया पहल के तहत एक व्यापक वार्षिक कैलेंडर लॉन्च किया है। देश में जमीनी स्तर पर खेलों के विकास और प्रतिभा खोज के उद्देश्य से इसे तैयार किया गया है। यह कैलेंडर न केवल प्रतिस्पर्धी खेल संरचना को सुदृढ़ करता है, बल्कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 ओलंपिक की तैयारियों को भी दिशा देगा। डॉ मांडविया ने कहा, 'खेलो इंडिया केवल एक योजना नहीं, बल्कि यह भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में रणनीतिक पहल है। यह कैलेंडर युवा एथलीटों को साल भर प्रतिस्पर्धा का मंच देगा और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी में सहायता करेगा।'

विविध क्षेत्रों और संस्कृतियों को मिलेगा मंच:

नई योजना के तहत कई नए प्रारूपों को शामिल किया गया है, जैसे:

खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी)- 19 से 25 मई, 2025 को दीव में आयोजन, तटीय खेलों को मिलेगा प्रोत्साहन। खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (केआईएसजी)- अगस्त से दिसंबर तक, ज़िला से राष्ट्रीय स्तर तक एथलीटों की पहचान।

खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स और नॉर्थ-ईस्ट गेम्स- मई-जून में।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स- सितंबर में छत्तीसगढ़ में, आदिवासी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को मिलेगा राष्ट्रीय मंच।

खेलो इंडिया स्वदेशी और मार्शल आर्ट गेम्स- जुलाई-अगस्त में तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में, पारंपरिक खेलों को मिलेगा प्रोत्साहन।

इनके साथ-साथ खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, यूथ गेम्स, पैरा गेम्स और विंटर गेम्स जैसे पहले से स्थापित प्रारूपों को भी नए उत्साह और विस्तार के साथ जारी रखा जाएगा।

खेल से बढ़ेगा पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था

मंत्रालय ने इस वार्षिक कैलेंडर को इस तरह तैयार किया है कि इससे स्थानीय खेल अवसंरचना, खेल पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिले। प्रत्येक आयोजन के लिए मेजबान राज्यों की स्पष्ट परिभाषा तय की गई है, ताकि क्षमता निर्माण और भविष्य की मेज़बानी के लिए तैयारी सुनिश्चित हो सके।

डॉ मांडविया ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में भारतीय खेलों में ऐतिहासिक बदलाव आया है। अब हम उसे एक संगठित, समावेशी और वर्ष-भर चलने वाले खेल आंदोलन में बदल रहे हैं।

खेलो इंडिया की अब तक की उपलब्धियां

मौजूदा वर्ष में तीन बड़े खेल आयोजन पहले ही संपन्न हो चुके हैं, जो खेलो इंडिया विंटर गेम्स (जम्मू और कश्मीर व गुलमर्ग में), खेलो इंडिया पैरा गेम्स (दिल्ली में) और खेलो इंडिया यूथ गेम्स (बिहार में) हैं। इन तीनों आयोजनों में देश भर से काफी संख्या में भागीदारी देखी गई, जिससे खेलो इंडिया की समावेशी पहुंच और प्रभावशाली कार्यान्वयन सिद्ध हुआ।

श्रद्धा कपूर

ने छोड़ी ये बड़ी फिल्म! 17 FLOP देने वाले एक्टर की बहन से इस चक्कर में हो गया पंगा!

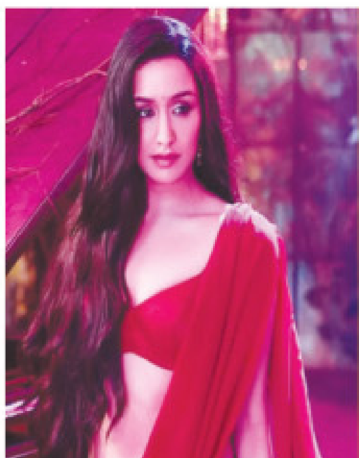

श्रद्धा कपूर अपनी अपकमिंग फिल्मों को काफी सोच समझकर चुन रही हैं. STREE 2 ने बॉक्स ऑफिस पर खूब गर्दा उड़ाया था, जिसके बाद से ही एक्ट्रेस फुल ऑन डिमांड में हैं. कई प्रोजेक्ट्स इस वक्त उनके खाते में भी हैं. इसी बीच पता लगा कि उन्होंने एक बड़ी फिल्म से एग्जिट कर लिया है. 17 फ्लॉप देने वाले एक्टर की बहन के साथ ही उन्हें काम करना था. लेकिन आखिरी वक्त पर फीस को लेकर मामला गड़बड़ हो गया और उनके बाहर होने की खबरें आ .श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2' ने दुनियाभर से 800 करोड़ का कारोबार किया है. जल्द ही वो नागि गन भी बनने वाली हैं. एक फिल्म के लिए उनकी बात पक्की हो गई है. दरअसल कुछ वक्त पहले खबर आई थी, श्रद्धा कपूर तुम्बाड के डायरेक्टर और एकता कपूर की हाई-कॉन्सेप्ट थ्रिलर के लिए काम करने वाली हैं. पर अब पीपिंगमून की खबर से पता लगा कि उन्होंने पिक्चर से एग्जिट कर लिया है.

श्रद्धा कपूर ने कौन सी फिल्म छोड़ी ?

नई रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा कपूर और एकता कपूर के बीच फाइनेंशियल टर्म्स के चलते बात नहीं बन पाई है. दरअसल स्त्री 2 की सफलता से खुश श्रद्धा कपूर 17 करोड़ फीस मांग रही थीं. साथ ही फिल्म के प्रॉफिट शेयरिंग में हिस्सा मांगने की खबरें हैं. एकता कपूर के मुताबिक, यह फीस बहुत ज्यादा है. वहीं, उनकी फिल्म के लिए यह फाइनेंशियल तौर पर मुश्किल है.

दरअसल श्रद्धा कपूर की फीस बॉलीवुड एक्ट्रेस के तौर पर काफी ज्यादा थी. जिसके चलते फिल्म का पूरा बजट बढ़ जाता. अब खबर आ रही है कि फिल्म में काम करने से श्रद्धा कपूर ने मना कर दिया है. हालांकि, एक्ट्रेस के एग्जिट होने के बाद लीड रोल के लिए दूसरी एक्ट्रेस पर चर्चा चल रही है. इसी बीच यह भी पता लगा है श्रद्धा कपूर अपनी अगली फिल्मों पर लगातार विचार कर रही हैं. इस वक्त दिनेश विजन, बोनी कपूर और भूषण कुमार के साथ किसी फिल्म पर बात चल रही है.

17 फ्लॉप देने वाले एक्टर की बहन कौन ?

दरअसल तुषार कपूर की बहन एकता कपूर टीवी की दुनिया की क्वीन कही जाती हैं. कई फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुकी हैं अब भी काफी खाते में हैं. वहीं, तुषार कपूर भी कई फिल्मों में काम कर चुके हैं. वहीं 17 से ज्यादा फ्लॉप फिल्में उन्होंने अपने करियर में दी हैं. हालांकि, एकता कपूर अब अपनी अगली फिल्म पर फोकस करेंगी.

जब मां के लिए ट्विंकल खन्ना ने ठुकरा दी इस सुपरस्टार की फिल्म, इस बात का सता रहा था डर

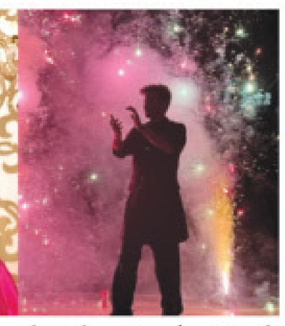

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अपने 34 साल के करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है. अक्षय का करियर काफी सफल रहा. हालांकि उनकी तरह उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना बड़ी स्टार नहीं बन पाईं. राजेश खन्ना और डिंपल कपाड़िया जैसे स्टार्स की बेटी होने के बावजूद भी ट्विंकल की किस्मत का सितारा नहीं चमक पाया. उन्होंने एक दर्जन से ज्यादा फिल्मों में काम किया और जल्द ही बड़े पर्दे से दूरी बना ली थी.ट्विंकल खन्ना ने साल 1995 में आई फिल्म 'बरसात' से डेब्यू किया था. हालांकि वो अपने दौर की मशहूर एक्ट्रेस की तरह कामयाब नहीं हो सकी. इस दौरान उन्होंने सुपरस्टार अनिल कपूर के साथ फिल्म करने से भी इनकार कर दिया था. इसके पीछे की वजह उनकी मां डिंपल कपाडिया थीं. दरअसल डिंपल, पहले ही अनिल कपूर के साथ फिल्म में काम कर चुकी थीं. मां के हीरो के साथ ट्विंकल ने फिल्म करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई. वहीं उन्हें एक बात का डर भी सता रहा था.

ट्विंकल ने रिजेक्ट की अनिल कपूर की ये फिल्म

ट्विंकल का फिल्मी करियर काफी छोटा रहा. फिल्मों में फ्लॉप रही एक्ट्रेस ने बाद में बतौर राइटर और प्रोड्यूसर काम किया. ट्विंकल अनिल कपूर की फिल्म 'घरवाली बाहरवाली' को रिजेक्ट कर चुकी हैं. 1998 में रिलीज हुई इस पिक्चर में अनिल कपूर के साथ रवीना टंडन और रंभा ने काम किया था. लेकिन ट्विंकल ने मां के चलते फिल्म ठुकरा दी थी.

ट्विंकल को सता रहा था इस बात का डर

ट्विनल खन्ना को 'घरवाली बाहरवाली' में रंभा वाला किरदार ऑफर किया गया था. हालांकि वो कन्फ्यूज्ड थीं. उन्हें इस बात का डर सता रहा था कि अनिल कपूर के साथ उनकी जोड़ी अजीब लग सकती है. जबकि पहले से ही अनिल और उनकी मां डिंपल साथ में काम कर चुके थे. ऐसे में ट्विंकल ने पिक्चर से हाथ पीछे खींचने में ही भलाई समझी.

इस फिल्म में साथ नजर आए थे अनिल-डिंपल

अनिल कपूर, ट्विंकल की मां डिंपल की उम्र के हैं. ट्विंकल जब काफी छोटी थीं, तब ही अनिल और डिंपल ने साथ में स्क्रीन शेयर कर ली थी. साल 1986 में आई डायरेक्टर और एक्टर फिरोज खान की फिल्म 'जांबाज' में दोनों कलाकारों को साथ देखा गया था. इसका हिस्सा खुद फिरोज खान, श्रीदेवी, अमरीश पुरी, जगदीप, कुलभूषण खरबंदा और रजा मुराद जैसे कलाकार भी थे.

खाने में अंडा तो नहीं? शाहिद कपूर के प्यार में पागल करीना हर जगह पूछा करती थीं ये सवाल

करीना कपूर खान और शाहिद कपूर का अफेयर एक समय हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काफी सुर्खियों में रहा था. दोनों ने अपने करियर के शुरुआती दौर में एक दूसरे का हाथ थामा था और तीन से चार साल तक एक दूसरे को डेट किया. इस दौरान शाहिद कपूर के प्यार में करीना कपूर ने खुद को काफी हद तक बदल लिया था. शाहिद के लिए करीना ने अपने खान पान में बड़ा बदलाव किया था.शाहिद कपूर और करीना कपूर खान के रिश्ते की शुरुआत साल 2004 में में हुई थी. हालांकि साल 2007 तक इस रिश्ते का अंत हो गया था. इसके बाद दोनों अपनी-अपनी लाइफ में आगे बढ़ गए थे. हालांकि जब करीना, शाहिद संग रिश्ते में थीं तब वो नॉन वेज छोड़कर वेजिटेरियन बन गई थीं. वहीं करीना ने ही शाहिद कपूर को आगे रहकर प्रपोज भी किया था.

करीना ने किया था शाहिद को प्रपोज

शाहिद कपूर को आगे रहकर प्रपोज करने का खुलासा खुद करीना कर चुकी हैं. उन्होंने डायरेक्टर-प्रोड्यूसर करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' के चौथे सीजन के दौरान बताया था कि पहले उन्होंने शाहिद को प्रपोज किया था. हालांकि शुरुआत में शाहिद ने करीना में इंट्रेस्ट नहीं दिखाया था, लेकिन बाद में वो भी करीना पर फिदा हो गए थे.

जब शाहिद के प्यार में शाकाहारी बन गईं करीना

करीना, करण के शो के छठे सीजन में भी शामिल हुई थीं. तब करण ने बताया था कि शाहिद के लिए करीना ने न सिर्फ नॉन वेज छोड़ा था बल्कि वो आध्यात्मिक भी हो गई थीं. करण ने एक्ट्रेस से कहा था, जब तुम शाहिद के साथ थीं, तो तुम शाकाहारी थीं. तुम पूछती रहती थीं कि खाने में अंडा तो नहीं है ? तुम थोड़ी आध्यात्मिक भी हो गई थीं और तुम्हारा वजन बढ़ गया था. तुम बस एक स्वस्थ शाकाहारी बनकर खुश थीं.

करीना ने सैफ, शाहिद ने मीरा से की शादी

ब्रेकअप के बाद करीना की नजदीकियां तलाकशुदा सैफ अली खान से बढ़ीं. दोनों ने करीब पांच साल की डेटिंग के बाद साल 2012 में शादी रचा ली थी. अब दोनों दो बेटों के पैरेंट्स हैं. वहीं शाहिद ने साल 2015 में मीरा राजपूत संग सात फेरे लिए थे. दोनों की एक बेटी और एक बेटा है.

रवीना टंडन

की बेटी राशा ने 'टिप टिप बरसा पानी' पर लगाए ठुमके, डांस मूव्स देख लोग बोले- उफ्फ ये लड़की

90 के दशक की पॉपुलर एक्ट्रेस Raveena Tandon ने कई हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं. लेकिन उनकी बेटी राशा को लेकर एक ख्वाहिश अधूरी रह गई. इसी साल राशा थडानी का डेब्यू हुआ है. अजय देवगन की फिल्म 'आजाद' में वो दिखाई दीं, पर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिट गई. लेकिन फिर भी राशा चर्चा में रहीं. उसकी वजह है उनका डांस 'ऊई अम्मा'. उनके डांस मूव्स देखकर हर किसी ने तारीफ की है. अब वो मम्मी के गाने पर थिरकती नजर आ रही हैं.दरअसल जी सिने अवॉर्ड्स 2025 में कई एक्टर्स ने जलवा बिखेरा. इस दौरान राशा थडानी भी पहंची थीं. जहां उन्होंने अपनी मम्मी के गाने 'टिप-टिप बरसा पानी' पर परफॉर्म किया. साथ ही माधुरी दीक्षित के पॉपुलर गाने में भी वो जबरदस्त डांस करती नजर आई हैं. यह वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है, जिसे खुद राशा ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर री-शेयर किया है.

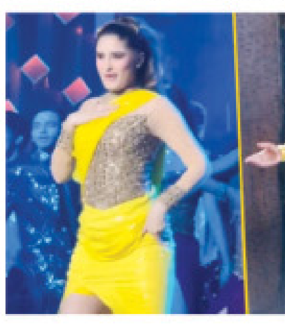

मम्मी के गाने पर थिरकीं राशा थडानी

राशा थडानी ने Zee Cine Awards 2025 में स्पेशल परफॉर्मेंस दी. सबसे पहले वो यलो ड्रेस में रवीना टंडन के गाने 'टिप-टिप बरसा पानी' पर डांस करती दिखीं. उनके डांस वीडियो पर लोग प्यार बरसा रहे है. लोग लिखते हैं कि- ये दूसरे स्टार किड्स से अलग हैं. तो कुछ ने लिखा कि- ये लड़की कुछ बड़ा करेगी. साथ ही एक, दो, तीन गाने पर भी जबरदस्त डांस किया है. आखिर में एक्ट्रेस ने अपने गाने ऊई अम्मा पर भी ठुमके लगाए.

साल 1994 में रवीना टंडन और अक्षय कुमार की फिल्म 'मोहरा' आई थी. फिल्म में रवीना टंडन ने रोमा सिंह का किरदार निभाया था. फिल्म में अक्षय कुमार और रवीना टंडन की केमिस्ट्री काफी पसंद की गई थी. पिक्चर में दोनों के बीच कई रोमांटिक सीन्स भी देखने को मिले थे. वहीं, यह उसी फिल्म का गाना है. हालांकि, राशा के परफॉर्मेंस को देखकर हर कोई रवीना टंडन की तारीफ कर रहा है.

राशा की है तगड़ी फैन फॉलोइंग

राशा थडानी की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है. उन्हें 3 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. 20 साल की उम्र में ही उन्होंने डेब्यू कर लिया है. वहीं अब ऐसी चर्चा है कि जल्द एक फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ दिखाई देंगी. बीते दिनों हुए अवॉर्ड फंक्शन में मम्मी की साड़ी पहनकर पहुंची थीं.